रांची

हिन्दी दैनिक

वनांचल आई

www.vananchaleye@gmail.com

हर खबर पर पहली नजर

PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773 | वर्ष:01 | अंक:83 | शनिवार,29 नवम्बर | ₹5 | Email:vananchaleye@gmail.com

ब्रीफ न्यूज

चक्रवाती तूफान दित्वा से श्रीलंका में 46 लोगों की मौत

एजेंसी

नई दिल्ली: चक्रवाती तूफान दित्वा से हुई भारी बारिश ने शुक्रवार को श्रीलंका में भारी तबाही मचाई है। श्रीलंका में 46 लोगों की मौत हो गई। 23 लोग लापता हो गए। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि आने वाले घंटों में तूफान और तेज हो सकता है। अब ये तूफान भारत के तटवर्ती राज्यों की ओर बढ़ रहा है।चक्रवाती तूफान ने श्रीलंका में काफी नुकसान पहुंचाया है। श्रीलंका के आपदा प्रबंधन केंद्र (डीएमसी) ने कहा कि मध्य चाय उत्पादक जिले बादुल्ला में रात में भूस्खलन से कई घर बह गए, जिससे 21 लोगों की मौत हो गई।चक्रवाती तूफान के चलते श्रीलंका में जानमाल के नुकसान को लेकर पीएम मोदी ने दुख जताया है।

दो दिवसीय भारत यात्रा पर पहुंच रहे पुतिन

एजेंसी

नई दिल्ली: रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन दो दिवसीय भारत दौरे पर आ रहे हैं। रूसी राष्ट्रपति के दौरे की तारीख की घोषणा हो चुकी है। राष्ट्रपति पुतिन राजकीय दौरे पर 4-5 दिसंबर को भारत आएंगे। इस दौरान वे 23वें भारत-रूस वार्षिक सम्मेलन में शामिल होंगे। खास बात है कि पुतिन के इस यात्रा के दौरान दोस्त भारत कठिन सवाल पूछने की तैयारी में है। डिफेंस सेक्रेटरी राजेश कुमार सिंह ने शुक्रवार को कहा कि भारत सरकार बड़े डिफेंस कोऑपरेशन पर चर्चा करेगी। इसके साथ ही पुतिन की भारत यात्रा के दौरान र-400 एयर डिफेंस सिस्टम की डिलीवरी में देरी पर रूस से साफ जवाब मांगेंगे।नई दिल्ली में नेशनल सिक्योरिटी समिट के सेशन 1 में बात करते हुए, डिफेंस सेक्रेटरी ने कहा कि दिसंबर की शुरूआत में पुतिन का भारत दौरा डिफेंस पर कोऑपरेशन के बड़े एलिमेंट्स पर फोकस करेगा। इस दौरान अतिरिक्त र-400 सिस्टम के ऑर्डर देने पर चर्चा करेगा, लेकिन इस बारे में किसी घोषणा की उम्मीद नहीं है।डिफेंस सेक्रेटरी ने कहा कि शायद र-400 पर अभी फैसला नहीं हुआ है, लेकिन इस दौरान किसी घोषणा की उम्मीद न करें।

क्या आर्थिक दबाव में केंद्र के दरवाजे पर दस्तक देंगे हेमंत सोरेन

बदलते समीकरणों के बीच उठ रहे सियासी सवालों में कितनी है सच्चाई, बिहार चुनाव परिणामों के बाद तेज हो गई है चर्चा

संवाददाता

- अक्टूबर में झामुमो ने चुनाव से अलग होने की घोषणा कर राजद-कांग्रेस पर लगाया था धूर्तता का आरोप
- झारखंड में महागठबंधन' की मजबूती पर उठने लगे थे सवाल

रांची : क्या मंईयां योजना को जारी रखने के लिए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन केंद्र के शरणागत हो जाएंगे? क्या टाटा से एडवांस राशि लेने की नौबत इसी आर्थिक दबाव का नतीजा है? यह वही हेमंत सोरेन हैं, जो ईडी और सीबीआई के दबाव के आगे कभी नहीं झुके, जेल जाना मंजूर कर लिया, लेकिन समझौते का रास्ता नहीं अपनाया। ऐसे में क्या झारखंड का खाली खजाना उन्हें महागठबंधन की गांठ ढीली कर एनडीए की ओर बढ़ने के लिए मजबूर कर सकता है? यह भविष्यवाणी नहीं, बल्कि सियासी हलकों में चल रही गंभीर चर्चा है, जो बिहार चुनाव परिणामों के बाद और तेज हो गई है। अक्टूबर में झामुमो ने बिहार चुनाव से अलग होने की घोषणा कर राजद और कांग्रेस पर धूर्तता व अपमान का आरोप लगाया था तथा गठबंधन की समीक्षा की बात कही थी। इसने झारखंड में 'महागठबंधन' की मजबूती पर सवाल खड़ेकिए। बिहार में राजद और कांग्रेस के खराब प्रदर्शन के बाद ये चचाएं और गहरी हुईं। उधर, राज्य की आर्थिक हालत को सुधारने के लिए केंद्र की सहायता की आवश्यकता ने यह कयास और मजबूत कर दिया है कि आने वाले दिनों में राज्य की राजनीतिक स्थिति बदल भी सकती है।

स्कॉलरशिप रुकी, बच्चे फीस भरने में असमर्थ

राज्य के 6 लाख 63 हजार 499 विद्यार्थी, जो आदिवासी, दलित और अति पिछड़ा समुदाय से आते हैं, 2024-25 की ई-कल्याण प्री- मैट्रिक और पोस्ट मैट्रिक स्कॉलरशिप से वंचित हैं। कॉलेज फीस, किताबें और पढ़ाई की अन्य जरूरतें पूरी न कर पाने से इन छात्रों का भविष्य प्रभावित हो रहा है। सरकार जिन वर्गों को अपना कोर वोटर और हितधारक बताती है, वे ही सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। इसी तरह बुजुर्गों, दिव्यांगों और विधवाओं की सामाजिक सुरक्षा पेंशन पर भी प्रभाव पड़ा है, क्योंकि केंद्र सरकार की ओर से राशि समय पर जारी नहीं हो पा रही ।यह सवाल अब राजनीतिक चर्चा के केंद्र में है। विकल्प असंभव नहीं माना जा रहा, क्योंकि झामुमो और भाजपा पहले भी गठबंधन कर सरकार चला चुके हैं। सत्ता की राजनीति में विचारधारा अक्सर पीछे छूट जाती है। देशभर में इसके कई उदाहरण मौजूद हैं। नवीन पटनायक हों या नीतीश कुमार, दोनों ने केंद्र से बेहतर संबंध बनाकर विकास और अपनी राजनीतिक स्थिति दोनों को मजबूत रखा। इसी तरह आज झारखंड की राजनीति में हेमंत सोरेन भी अपरिहार्य स्थिति में हैं। भाजपा नेताओं से जब पूछा जाता है कि क्या झामुमो- भाजपा साथ आ सकते हैं, तो वे सीधा इनकार नहीं करते और कहते हैं -

हेमंत सरकार 2.0 का एक साल : मुख्यमंत्री ने 8792 अभ्यर्थियों को सौंपा नियुक्ति पत्र

बढ़ चला नियुक्तियों का कारवां : हेमंत

संवाददाता

शिक्षक नियुक्ति में 40 और जेपीएससी में 30 फीसद महिलाओं की है भागीदारी

रांची :हेमंत सरकार के नेतृत्व में नियुक्तियों का कारवां बढ़ चला है। शुक्रवार को हेमंत सरकार-2.0 का एक साल पूरे होने पर मोरहाबादी मैदान में एक भव्य राज्यस्तरीय नियुक्ति पत्र वितरण समारोह का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन मुख्य अतिथि के रूप में समारोह में उपस्थित थे। उन्होंने 8792 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपा। इसमें उपसमाहर्ता, पुलिस उपाधीक्षक, काराधीक्षक, झारखंड शिक्षा सेवा, जिला समादेष्टा, श्रम अधीक्षक, प्रोबेशन पदाधिकारी, निरीक्षक उत्पाद, दंत चिकित्सक, सहायक आचार्य और कीटपालक शामिल हैं। इस अवसर पर सीएम ने अपने संबोधन में कहा कि झारखंड में अब नियुक्तियों का कारवां बढ़ चला है। लगभग 9000 को नियुक्ति पत्र सौंपा गया। इस साल सरकारी पदों पर 16 हजार की नियुक्ति हुई है। गैरसरकारी क्षेत्र में आठ हजार लोगों को रोजगार दिया गया। वर्ष 2020 से 2024 के कालखंड में 24 से 25 हजार सरकारी नियुक्तियां हुईं। 28 हजार लोगों की नियुक्ति गैरसरकारी प्रतिष्ठानों और कंपनियों में हुई। राज्य के हर कोने में बसनेवाले हर व्यक्ति, हर वर्ग के साथ आनेवाली पीढ़ी के लिए आए दिन कुछ न कुछ नई सौगात के साथ लोगों के बीच जाते हैं। सीएम ने कहा कि नियुक्ति पाने वालों का आज के बाद से ताउम्र सरकार से संबंध जुड़ा रहेगा ।झारखंड सरकार के एक ताकतवर झामुमो कोटे के मंत्री पिछले दिनों लगातार दिल्ली के चक्कर लगा रहे हैं। वे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और कल्पना सोरेन के बाद सबसे प्रभावशाली नेताओं में गिने जाते हैं। उनकी दिल्ली यात्राओं ने गठबंधन बदलने की अटकलों को और हवा दी है।

मंईयां योजना बनी सियासी वरदान, आर्थिक बोझ भी

हो गए हैं और मुख्यमंत्री के रूप में उनका छह साल का कार्यकाल (जेल के पांच महीनों को छोड़कर) भी पूरा हो चुका है। सत्ता में मजबूती, जनमत का समर्थन और विकास के दावों के बावजूद एक कड़वी सच्चाई यह है कि सरकार गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रही है। मंईयां योजना, जिसने हेमंत सोरेन को ऐतिहासिक बहुमत दिलाया, आज वित्तीय रूप से सरकार की सबसे बड़ी चुनौती बन चुकी है। सरकार ने 2025-26 के बजट में इस योजना के लिए 13,363.35 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। योजना के तहत 18 से 50 साल की महिलाओं कोप्रति माह 2500 रुपये यानी सालाना 30 हजार रुपये दिए जा रहे हैं,

2047 तक दुनिया की सबसे मजबूत सेना बन जाएगी भारतीय सेना : सेना प्रमुख

एजेंसी

नई दिल्ली : थलसेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने गुरुवार को चाणक्य डिफेंस डायलॉग 2025 के तीसरे संस्करण में भारतीय सेना के ऐतिहासिक परिवर्तन की विस्तृत योजना प्रस्तुत की। बढ़ते वैश्विक संघर्षों और तेजी से बदलती परिस्थितियों में निर्णायक बने रहने के लिए विकसित भारत के राष्ट्रीय दृष्टिकोण से जुड़ी यह तीन चरणीय रणनीति 2047 तक पूरी होगी। सेना प्रमुख ने इसे सेना को एकीकृत, भविष्य-तैयार और स्वदेशी बल बनाने का ब्लूप्रिंट बताया। जनरल द्विवेदी ने स्पष्ट किया कि पहला चरण हॉप 2032 है, जो 2023 में शुरू परिवर्तन के दशक की पहल का व्यापक ढांचा है। इसमें संगठनात्मक पुनर्गठन, तकनीकी उन्नयन, क्षमता निर्माण और युद्ध रणनीति में आमूल बदलाव शामिल हैं। दूसरा चरण स्टेप 2037 पहले चरण के लाभों को मजबूत करने की पांच साल की अवधि होगी, जहां नवाचारों को परिपक्व किया जाएगा और कमजोर कड़ियों को दूर किया जाएगा। अंतिम चरण जंप 2047 में सेना एक वैश्विक स्तर का, तकनीक-संचालित और पूरी तरह एकीकृत बल के रूप में उभरेगी, जो किसी भी चुनौती का सामना करने में सक्षम होगी। सेना प्रमुख ने चार स्प्रिंगबोर्ड की रूपरेखा भी बताई, जो इस परिवर्तन को गति देंगे। पहला स्प्रिंगबोर्ड आत्मनिर्भरता है, जो स्वदेशीकरण पर केंद्रित है। उन्होंने कहा, यह हमारा पहला और मजबूत आधार बना हुआ है।

प्रधानमंत्री मोदी ने किया 77 फीट की श्रीराम प्रतिमा का अनावरण

संवाददाता

गोवा: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को गोवा के कैनाकोना में श्री संस्थान गोकर्ण जीवोत्तम मठ में पूजा की। यहां भगवान राम की 77 फीट ऊंची कांस्य प्रतिमा का अनावरण किया। दावा किया जा रहा है कि यह दुनिया की सबसे ऊंची श्रीराम प्रतिमा है।इससे पहले दिन में पीएम कर्नाटक पहुंचे थे। उडुपी में उन्होंने श्री कृष्ण मठ में पूजा-अर्चना की थी। यहां सुवर्ण तीर्थ मंडप का उद्घाटन किया और सोने का कलश चढ़ाया। इसके बाद पीएम ने 1 लाख लोगों के साथ श्रीमद्भगवद गीता का पाठ किया।पीएम ने उडुपी में 25 मिनट की स्पीच दी। यहां उन्होंने श्रीकृष्ण के गीता के उपदेशों की बात की। पीएम ने कहा- भगवत गीता हमें सिखाती है कि शांति और सच्चाई को वापस लाने के लिए अत्याचारी का अंत करना जरूरी है। यही नेशनल सिक्योरिटी पॉलिसी का सार है। पहले की सरकारें आतंकी हमलों के बाद जवाबी कार्रवाई नहीं करती थीं, पर यह नया भारत है। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा उडुपी आना मेरे लिए बहुत खास है। उडुपी जनसंघ और भारतीय जनता पार्टी के अच्छे शासन के मॉडल की कर्मभूमि रही है। 1968 में उडुपी के लोगों ने जनसंघ के वीएस आचार्य को उडुपी म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के लिए चुना था। इसके साथ ही, उडुपी ने एक नए शासन मॉडल की नींव रखी।मेरा जन्म गुजरात में हुआ, गुजरात और उडुपी के बीच गहरा संबंध रहा है। यहां स्थापित विग्रह की पूजा द्वारका में माता रुक्मणि करती थी। बाद में ये प्रतिमा यहां स्थापित हुआ। पिछले साल मैं समुद्र के भीतर द्वाराका जी के दर्शन करके आया था।हमारे समाज में मंत्रों का और गीता के श्लोकों का पाठ तो शताब्दियों से हो रहा है,

भारत व दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ियों ने मैदान पर जमकर बहाया पसीना

रांची के जेएससीए इंटरनेशनल स्टेडियम में 30 नवंबर को भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच वनडे मैच होना है। दोनों टीमें मैच से पहले मैदान पर जमकर पसीना बहा रही हैं। शुक्रवार को दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने अभ्यास सत्र में हिस्सा लिया। भारतीय खिलाड़ियों ने नेट्स में बैटिंग, बॉलिंग और फील्डिंग में लंबा अभ्यास किया। दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीका की टीम ने भी अपनी रणनीति पर काम करते हुए बल्लेबाजों और गेंदबाजों के साथ गहन अभ्यास किया।

आईईडी ब्लास्ट | पत्ते व लकड़ी चुनने गई थीं तीनों, कच्ची सड़क के नीचे लगा था विस्फोटक

सारंडा में आईईडी ब्लास्ट : एक महिला की मौत, दो गंभीर रूप से घायल

एजेंसी

पश्चिमी सिंहभूम जिले के सारंडा जंगल में शुक्रवार को नक्सलियों द्वारा लगाए गए आईईडी में विस्फोट हो गया, जिसमें एक महिला ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि दो की हालत बेहद गंभीर बताई जा रही है। मामला कोलभोंगा गांव का है, जहां फूलो धनवार (18) की मौत हो गई व सलामी कुंडलना (28) और बरसी धनवार (35) घायल हो गए। यह घटना जराइकेला थाना क्षेत्र के कोलबोंगा इलाके में हुई है। घटना के संबंध में जानकारी मिली है कि तीनों महिलाएं रोज की तरह पत्ता और सूखी लकड़ी चुनने के लिए जंगल की ओर गई थीं। इसी दौरान कच्ची सड़क पर नक्सलियों द्वारा प्लांट किए गए आईईडी बम में जोरदार धमाका हो गया। विस्फोट की चपेट में आने से तीनों महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गईं। पश्चिमी सिंहभूम के पुलिस अधीक्षक अमित रेणु ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि जंगल से विस्फोट की सूचना प्राप्त होते ही तुरंत प्रशासनिक और चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई गई।

अवैध हथियार के साथ युवक गिरफ्तार

बिष्टुपुर थाना पुलिस ने साउथ पार्क स्थित चिन्मया स्कूल के पास एक संदिग्ध युवक को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। उसके विरुद्ध विभिन्नता थानों में अनेक अपराधीक मामले दर्ज हैं। घटना के संबंध में शुक्रवार को सीटी एसपी कुमार शिवाशीष ने बताया कि गुप्त सूचना मिली कि एक युवक अवैध हथियार लेकर परिसर में घूम रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक नगर के मार्गदर्शन में पुलिस उपाधीक्षक के नेतृत्व में बिष्टुपुर थाना प्रभारी ने छापामारी दल का गठन कर कार्रवाई की। छापेमारी के दौरान संदिग्ध अवस्था में एक युवक आदित्य झा उर्फ सन्नी (24) को पकड़ा गया। तलाशी लेने पर उसकी कमर में छिपा एक देसी पिस्टल तथा उसके पास रखे पैकेट से तीन जिंदा गोलियां बरामद की गईं।

संसद के शीतकालीन सत्र के लिए कांग्रेस ने बनाई रणनीति

एजेंसी

नई दिल्ली :ई दिल्ली: 1 दिसंबर से शुरू हो रहे संसद के शीतकालीन सत्र के लिए कांग्रेस की ओर से रणनीति तैयार करने के काम जारी है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस 30 नवंबर को शाम 5 बजे सोनिया गांधी के आवास 10 जनपथ पर एक मीटिंग करेगी जिसमें आगामी शीतकालीन सत्र की रणनीति तैयार की जाएगी। यह सत्र 1 से 19 दिसंबर तक चलेगा। दोनों सदनों में विपक्ष का नेतृत्व कर रही कांग्रेस इस सत्र में सरकार को घेरने के लिए कई मुद्दों को उठा सकती है। सूत्रों का कहना है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत और पाकिस्तान के बीच युद्धविराम की मध्यस्थता और चीन के साथ व्यापार समझौतों व मुद्दों पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बार-बार दिए गए बयानों पर चर्चा की मांग कांग्रेस करेगी।इस महीने की शुरूआत में, कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने कहा था कि एक बड़ा मुद्दा एसआईआर का होगा। ट्रंप के बयानों पर प्रधानमंत्री की चुप्पी एक बड़ा मुद्दा है। चीन के साथ वर्तमान संबंध अनसुलझे हैं। चीन के साथ कोई सीमा समझौता नहीं हुआ है। हम पहले जैसी स्थिति में नहीं लौटे हैं। दोनों देशों के बीच बातचीत चीन द्वारा स्थापित नई सामान्य स्थिति के आधार पर हो रही है।

कांग्रेस इस सत्र में सरकार को घेरने के लिए कई मुद्दों को उठा सकती है

रांची जेल में तैनात सजायाफ्ता उच्च कक्षपाल बर्खास्त, जेल आईजी ने की कार्रवाई

रांची, संवाददाता ।

गृह एवं कारा विभाग ने रांची होटवार जेल में तैनात सजायाफ्ता कक्षपाल राहुल कश्यप को जांच के बाद बर्खास्त कर दिया है. जेल प्रशासन के द्वारा की गई जांच में राहुल कश्यप को लेकर कई सच्चाई उजागर हुई थी. इसके बाद यह कार्रवाई की गई है.

जेल आईजी ने की कार्रवाई

रांची के बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार, होटवार जेल में तैनात कक्षपाल राहुल कश्यप को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है. साथ ही राहुल को किसी तरह का भुगतान विभाग से नहीं किया जाएगा इसका भी निर्देश जारी किया गया है. इस मामले में जेल आईजी सुदर्शन मंडल ने गुरुवार को इससे संबंधित आदेश जारी किया है. बता दें कि राहुल कश्यप के सजायाफ्ता होने की बात छुपाकर रांची के होटवार जेल में उच्च कक्षपाल के पद पर नौकरी करने का मामला जांच में उजागर हुआ था. जिसके बाद कारा विभाग ने इस मामले की जांच के लिए एक तीन सदस्यीय कमेटी का गठन किया. गठित कमेटी ने जांच करने के बाद कारा विभाग को अपनी रिपोर्ट सौंपी. जांच समिति ने अपनी रिपोर्ट में राहुल कश्यप को दोषी पाया और बर्खास्त करने की अनुसंशा की थी. जिसके बाद विभाग ने राहुल को कारा हस्तक नियम 2025के विभागीय कार्यवाही के चेपटर 22 के रूल 255 एवं 256 सरकारी सेवक नियमावली 3(1)(3) के उलंघन का दोषी पाया और सेवा से बर्खास्त का साक्ष्य पाया.

रांची जेल में काटी सजा, फिर वहीं करायी बहाली

जांच समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि राहुल के विरूद्ध 26 सितंबर 2010 में दुष्कर्म समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज हुआ था. जिसकी सुनवाई करते हुए न्यायालय ने राहुल को दस साल की सजा सुनाई थी. सजा होने के बाद 22 अप्रैल 2014 से 28 अप्रैल 2014 तक राहुल खूंटी उपकारा में सजावार बंद के रूप में बंद थे. इसके बाद उसे 29 अप्रैल 2014 को रांची के होटवार जेल में ट्रांसफर कर दिया गया. सितंबर 2014 तक राहुल होटवार जेल में बंद रहे, हालांकि 18 सितंबर 2014 को राहुल को हाईकोर्ट से जमानत मिली और वह जेल से बाहर आया.

2017 से सजायाफ्ता की बात छुपा कर रखी थी राहुल

राहुल कश्यप ने जमानत मिलने के बाद वह नौकरी की तलाश करने लगा. इसी बीच कक्षपाल की बहाली के विज्ञापन निकला और 2017 को उसे कक्षपाल के पद पर बहाल कर दिया गया. हालांकि उसने अपने नियुक्त के आवेदन में सजायाफ्ता होने की बात अंकित नहीं की थी.

सरकारी विभागों में 1.60 लाख पद रिक्त, चार साल में भरने का होगा प्रयास : राधाकृष्ण किशोर

रांची, संवाददाता ।

वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि झारखंड सरकार के साथ राज्य में रहने वाले सभी लोग एक परिवार हैं. राज्य सरकार की जिम्मेवारी है कि जनता में खुशी दिखाई पड़े. राज्य के युवाओं को सरकारी और निजी क्षेत्र में अवसर देंगे. उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि पूर्व की सरकार को चाहिए था कि यहां के युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराए. राज्य गठन के समय 3.49 लाख सरकारी पद स्वीकृत थे. जिसके विरूद्ध 1.88 लाख लोग कार्यरत थे. किसी सरकार ने इन पदों को भरने की जहमत नहीं उठाई. अभी 1.60 लाख पद रिक्त हैं. आने वाले चार साल में इन रिक्त पदों को भरने का पूरा प्रयास होगा.

आज प्रति व्यक्ति आय 1.5 लाख है

वित्त मंत्री ने कहा कि राज्य में प्रति व्यक्ति आय 1.5 लाख है. हेमंत सोरेन के पहले कालखंड में प्रति व्यक्ति आय 85 हजार रुपए थी. इन छह वर्षों में बढ़कर 1.5 लाख रुपए हो गई है. आज लगभग 10 हजार को नियुक्ति पत्र दिया जा रहा है. प्रत्येक के परिवार में पांच सदस्यों को जोड़े तो 50 हजार लोगों को खुशी होगी. मंईयां सम्मान योजना से आधी आबादी को समाजिक और आर्थिक रूप से सशक्त किया जा रहा है. इस योजना के तहत हर साल 15 हजार 300 करोड़ रूपए दिए जा रहे हैं. एक से डेढ़ करोड़ का क्रय शक्ति बढ़ रहा है. स्वास्थ्य सेवा में भी सुधार हो रहा है. आठ मेडिकल कॉलेज खुले हैं. दिल्ली के तर्ज पर एम्स टू की स्थापना की जाएगी. सरकारी पद निर्धारित हैं. लेकिन ग्रामीण क्षेत्र में मत्स्य, दुग्ध, फलदार वृक्ष के माध्यम से रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा. जिससे स्वरोजगार में वृद्धि हो सके. सभी बैंकर्स को निर्देश दिया गया है कि जिन बेरोजगार युवा को ऋण की जरूरत हैं उन्हें सुगमतापूर्वक ऋण उपलब्ध कराएं. साथ ही बैंकर्स को यह भी कहा गया है कि एमएसएमई सेक्टर में ऋण की जरूरत हो तो बैंकर्स ऋण देने के लिए तैयार रहेंगे.

जो सपना पहले देखे थे, आज साकार हो रहा है- संजय प्रसाद यादव

उद्योग मंत्री संजय प्रसाद यादव ने कहा कि जो सपना पहले देखे थे, आज वह साकार हो रहा है. पूरा प्रदेश खुशहाली की ओर है. विदेशी मॉडल पर पर्यटन का विकास हो रहा है. पुरानी व्यवस्था समाप्त कर नए झारखंड का सपना साकार हो रहा है. सभी विभागों में बेहतर काम हो रहा है. यह सिर्फ नियुक्ति पत्र नहीं बल्कि कितने घरों में खुशहाली लाया है. हर तीन से छह महीने में भारी संख्या में नौ जवानों को नौकरी मिलेगी. इसमें पदाधिकारियों का भी सहयोग मिल रहा है. 17 साल में पूर्ववर्ती सरकार ने कुछ भी नहीं किया. अभी लंबी छलांग लगाना है.

बनाई जा रही हैं नई नीतियां- अविनाश कुमार

मुख्य सचिव अविनाश कुमार ने कहा कि राज्य में नई नीतियां बनाई जा रही हैं. नीतियों में संशोधन किया जा रहा है. राज्य की महिलाएं आत्मनिर्भर हुई हैं. सर्वजन पेंशन योजना चलाई जा रही है. युवाओं को कौशल प्रशिक्षण के साथ अर्थव्यवस्था से जोड़ा जा रहा है. स्वरोजगार के लिए भी प्रयास किए जा रहे हैं.

किस पद कितनी नियुक्ति

पद	संख्या	पद	संख्या
उपसमाहर्ता	197	सहायक निबंधक	08
पुलिस उपाधीक्षक	35	श्रमाधीक्षक	14
राज्य कर पदाधिकारी	55	प्रोबेशन पदाधिकारी	06
काराधीक्षक	02	उत्पाद निरीक्षक	03
झारखंड शिक्षा सेवा श्रेणी टू	08	दंत चिकित्सक	22
जिला समादेष्टा	01	सहायक आचार्य	8291
		कीटपालक	150

भारत और दक्षिण अफ्रीका मैच : दोनों टीमों ने मैदान पर जमकर पसीना बहाया

रांची, संवाददाता ।

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच 30 नवंबर को जेएससीए इंटरनेशनल स्टेडियम, रांची में होने वाले पहले वनडे मैच को लेकर शहर में उत्साह चरम पर है. दोनों टीमें रांची पहुंच चुकी हैं और मैच से पहले मैदान पर जमकर पसीना बहा रही हैं. आज भारतीय और दक्षिण अफ्रीकी टीमों ने खरउअ स्टेडियम में अभ्यास सत्र में हिस्सा लिया. भारत के खिलाड़ियों ने नेट्स में बैटिंग, बॉलिंग और फील्डिंग-तीनों विभागों में लंबा अभ्यास किया. खिलाड़ी मैच से पहले अपनी लय हासिल करने में जुटे दिखे. दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीका टीम ने भी अपनी रणनीति पर काम करते हुए बल्लेबाजों और गेंदबाजों के साथ गहन अभ्यास किया. भारत के बॉलिंग कोच मॉर्न मर्केल (ट्ङ्ग१ल्ली ट्ङ्ग१ी') ने टीम की तैयारियों पर खुशी जताई. उन्होंने बताया कि भारतीय ड्रेसिंग रूम में पूरी तरह पॉजिटिव एनर्जी है. कोच मर्केल ने कहा कि टीम ने टेस्ट मैच की हार को पीछे छोड़ दिया है. अब पूरा फोकस वनडे सीरीज पर है. खिलाड़ी पूरी ऊर्जा के साथ मैदान में उतरने के लिए तैयार हैं और दक्षिण अफ्रीका को कड़ी टक्कर देने की क्षमता रखते हैं. हमारा लक्ष्य इस वनडे सीरीज पर कब्जा करना है. भारतीय टीम के युवा और सीनियर खिलाड़ी दोनों ही उत्साह से भरे नजर आए. कोचिंग स्टाफ ने भी खिलाड़ियों के साथ मिलकर हर स्थिति पर काम किया. उधर दक्षिण अफ्रीका टीम भी मैच से पहले अपनी प्लानिंग को मजबूत करने में जुटी है. अब नजरें 30 नवंबर के मैच पर टिकी हैं।

रांची में कोल विद्रोह के वीर नायक बुली महतो की आदमकद प्रतिमा का अनावरण, वंशजों को जेएलकेएम का मिला साथ

रांची, संवाददाता ।

झारखंड में कोल विद्रोह के वीर नायक बुली महतो की आदमकद प्रतिमा का अनावरण सोनाहातू प्रखंड के भकुआडीह चौक पर किया गया है. हालांकि कार्यक्रम को संपन्न कराने के लिए वीर बुली महतो के वंशजों को काफी जद्दोजहद करना पड़ा. इनको जेएलकेएम का साथ मिला. लेकिन अनावरण से पहले पुलिस के साथ गरमा गरम बहस भी हुई.

प्रतिमा स्थापना को लेकर दो राजनीतिक पक्ष सक्रिय

प्रतिमा स्थापना को लेकर क्षेत्र में पिछले कुछ दिनों से दो अलग राजनीतिक समूह सक्रिय थे. इसी पृष्ठभूमि में प्रशासन सतर्क था और जुलूस को प्रतिमा स्थल तक बढ़ने से रोकने की कोशिश की जा रही थी. प्रतिमा स्थापना को लेकर चल रहे विवाद को शांत करने के लिए बुंडू एसडीपीओ और प्रखंड प्रशासन ने वंशजों, जेएलकेएम और जेएमएम, तीनों पक्षों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की थी. बैठक में एक संयुक्त कमेटी भी मौजूद थी. जिसके साथ यह तय किया गया कि प्रतिमा अनावरण वंशजों की उपस्थिति में शांतिपूर्वक सम्पन्न होगा और किसी तरह की राजनीतिक नारेबाजी या विवाद को जगह नहीं दिया जाएगा.

जुलूस को रोकने की कोशिश, फिर भी आगे बढ़ी भीड़

जेएलकेएम नेता देवेंद्रनाथ महतो के नेतृत्व में बाजार टांड़ से तिरंगा पदयात्रा निकाली गई थी. लेकिन कार्यक्रम स्थल पहुंचने से 100 मीटर पहले ही पुलिस ने यात्रा को रोकने की कोशिश की. लेकिन कुछ देर तक खींचतान के बाद प्रशासन को पीछे हटना पड़ा. प्रतिमा स्थल पर पहुंचकर जेएलकेएम नेता देवेंद्रनाथ महतो ने कहा कि पुलिस प्रशासन उन्हें यहां आने से रोकना चाहती थी. लेकिन भीड़ का उत्साह इतना अधिक था कि प्रशासन रोक नहीं पाई. उन्होंने कहा कि जनता अपने नायक को सम्मान देने निकली थी, इसलिए सभी आगे बढ़े. प्रतिमा स्थल पर पहुंचने के बाद वंशज, ग्राम प्रधान और पाहन ने परंपरा के अनुसार प्रतिमा और शिलापट्ट का अनावरण किया. स्थल को फूल-मालाओं और पारंपरिक तरीके से सजाया गया था. इस दौरान अनुमंडल क्षेत्र के सभी थाना प्रभारियों की टीम भी मौके पर मौजूद थी. ताकि किसी तरह का विवाद न बढ़े और भीड़ को सुरक्षित तरीके से नियंत्रित किया जा सके.

वीर बुली महतो का इतिहास में जिक्र

वीर बुली महतो का जन्म 27 नवंबर 1785 को हुआ था. ब्रिटिश शासन के विरुद्ध कोल विद्रोह के प्रमुख नेतृत्वकर्ता के रूप में उनकी भूमिका इस क्षेत्र के लोगों में आज भी आस्था और सम्मान के साथ याद की जाती है. सोनाहातू के कोडाडीह में बुली महतो के नाम से एक प्राइमरी स्कूल भी संचालित है, जो स्थानीय लोगों की उनके प्रति गहरी श्रद्धा को दशार्ता है.

कैंसर दवाइयों की मनमानी कीमत पर सीएम गंभीर, स्वास्थ्य मंत्री को दिया त्वरित संज्ञान का निर्देश

रांची, संवाददाता ।

कैंसर मरीजों पर दवाओं की भारी कीमत का बोझ एक बार फिर सुर्खियों में है. सोशल मीडिया पर एक डॉक्टर की पोस्ट वायरल होने के बाद झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने गंभीरता दिखाया है. सीएम ने स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी और सभी जिलों के उपायुक्तों को तत्काल संज्ञान लेने और इस पर रोक लगाने का निर्देश दिया है. डॉ अनुज कुमार द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार, कैंसर की कीमोथेरेपी में उपयोग होने वाली कई दवाइयों पर अत्यधिक मार्जिन वसूला जा रहा है. उदाहरण के तौर पर ढ्रू'३७ी' नामक दवा रिटेलर को 600 रुपये में मिलती है, जबकि उसकी टफ्छ 12,000 रुपये तक रखी गई है. एक मरीज को कई बार 20 से 30 वायल की आवश्यकता पड़ती है, जिससे पूरा परिवार आर्थिक रूप से टूट जाता है. डॉक्टर ने कहा है कि कैंसर का इलाज पहले से ही लंबी और महंगी प्रक्रिया है, ऐसे में 1900 प्रतिशत तक का मार्जिन गरीब मरीजों के लिए भारी संकट खड़ा करता है.

एक साथ तीन बच्चों को जन्म देने वाली महिला की मौत, दो नवजात बच्चों की हालत नाजुक

रांची, संवाददाता ।

सिमडेगा निवासी 30 वर्षीय अरुणिमा बा का शुक्रवार सुबह 5 बजे रिम्स रांची में इलाज के दौरान मौत हो गई. अरुणिमा ने 23 नवंबर 2025 को ऑपरेशन के जरिए तीन स्वस्थ बच्चों को जन्म दिया था. प्रसव के बाद से ही उसकी स्थिति गंभीर बनी हुई थी. अरुणिमा बा मूल रूप से सिमडेगा जिले के रेंगारिह थाना क्षेत्र के पाईकपारा डेल्याटोली की निवासी थी. वर्तमान वो अपने पति गुलशन बा के साथ सिमडेगा जिला के ही ठेठईटांगर के ताराबोगा गिरजाटोली में रहती थी. मृतका अरुणिमा के दो नवजात बच्चे रांची के अस्पताल में भर्ती हैं. उनके तीन नवजात बेटों में से दो की स्थिति भी नाजुक बनी हुई है. उनका इलाज वर्तमान में रांची के कटहल मोड़ स्थित एक निजी हॉस्पिटल में चल रहा है. अरुणिमा आर्थिक तंगी और राशन कार्ड में नाम ना होने की समस्या से जूझ रही थी. परिवार आर्थिक रूप से काफी कमजोर है. राशन कार्ड में नाम नहीं होने से सरकारी सहायता प्राप्त करने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है. पति गुलशन बा इस पत्नी के शव को रांची से अपने पैतृक गांव लाने के लिए एंबुलेंस की व्यवस्था करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं. 23 नवंबर को ऑपरेशन के बाद तीनों बच्चों का जन्म हुआ है. उसके बाद से ही डॉक्टर ने बताया कि किडनी आदि में इन्फेक्शन फैला हुआ है. जिसका इलाज किया जा रहा था और अंततः उसकी मृत्यु हो गई. वहीं तीन में से दो बच्चों की हालत भी नाजुक बनी हुई है. दोनों की धड़कने कम चल रही है. उन्हें दूसरे अस्पताल में एडमिट किया गया है।

परिवार वालों ने लगाई मदद की गुहार

परिवार ने स्थानीय प्रशासन और समाजसेवियों से इस मुश्किल समय में मदद की गुहार लगाई है. जिससे कि शव को सम्मानजनक तरीके से गांव लाया जा सके और नवजात बच्चों का उचित इलाज सुनिश्चित हो सके. अरुणिमा के परिवार वालों ने स्थानीय प्रशासन और दानदाताओं से अनुरोध किया है कि आर्थिक सहायता के लिए आगे आएं. फिलहाल विशेष रूप से शव वाहन की व्यवस्था और दोनों बीमार नवजात शिशुओं के इलाज के लिए तत्काल मदद की आवश्यकता है.

होमगार्ड के 4 पदाधिकारियों ने वसूली मामले में नहीं दिया संतोषजनक जवाब, डीआईजी ने किया सस्पेंड

रांची, संवाददाता ।

होमगार्ड वाहिनी के चार पदाधिकारियों ने अवैध वसूली मामले में संतोषजनक जवाब नहीं दिया. जिसके बाद अग्निशमन एवं गृह रक्षा वाहिनी के डीजी एमएस भाटिया के आदेश पर डीआईजी अजय लिंडा ने चारों पदाधिकारियों को निलंबित कर दिया. इनमें स्थापना शाखा प्रभारी अनुज कुमार, डीआईजी गोपनीय के रिडर सूरज प्रकाश सिंह, होमगार्ड डीजी के रीडर दीपक पुंज और ओटीडी शाखा प्रभारी संजय सिंह शामिल हैं. डीआईजी अजय लिंडा ने बताया कि चारों पदाधिकारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है, साथ ही जांच के लिए तीन सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया है. इस मामले में आगे की जांच जारी है. उल्लेखनीय है कि बीते 24 नवंबर को होमगार्ड वाहिनी से बर्खास्त किए गए कंपनी कमांडर कैलाश प्रसाद यादव ने इन चारों पदाधिकारियों पर 26 नवंबर अवैध वसूली का आरोप लगाया था. इसकी शिकायत एसीबी से की गई थी. इसके बाद डीजी ने इन सभी पदाधिकारियों को कार्य से मुक्त कर दिया था और 24 घंटे के अंदर स्पष्टीकरण मांगा था. असंतोषजनक स्पष्टीकरण नहीं पाए जाने पर इन सभी पर कार्रवाई की गई है.

हाईटेक ऐप से पुलिस और कोल माफिया चोरी का सिंडिकेट चलाने की तैयारी में : बाबूलाल मरांडी

रांची, संवाददाता ।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कोयला चोरी को लेकर एक बार फिर सरकार पर जमकर हमला बोला है. उन्होंने कहा है कि जब से ईडी की दबिश बढ़ी है और उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कोयला चोरी की पोल खोली, तब से धनबाद में अवैध कोयले के 'धंधे' पर एक अघोषित आंशिक अल्प विराम लगा है. माफियाओं में डर पैदा हुआ और लूट थोड़ी कम हुई है जरूर लेकिन जानकारी मिल रही है कि कोयला चोर फिर से सक्रिय हो रहे हैं और कानून की आंखों में धूल झोंकने के लिए उन्होंने अपने 'कम्युनिकेशन' का तरीका बदल दिया है. उन्होंने कहा है कि चौंकाने वाली सूचना यह है कि धनबाद के बैंक मोड़ स्थित एक दुकानदार ने हाल ही में करीब 55 आधुनिक मोबाइल फोन मंगाए हैं. मकसद साफ है सामान्य कॉल ट्रेस होने के डर से अब ऋ्रौळी ऐप के जरिए पुलिस और माफिया मिलकर कोयला चोरी का सिंडिकेट चलाने की तैयारी में हैं.

केंद्रीय जांच एजेंसी करे धनबाद में कोयला चोरी की जांच

नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने केंद्रीय जांच एजेंसियों से आग्रह किया है कि धनबाद में अचानक सक्रिय हुए इन आईफोन और इनके खरीदारों और नामी-बेनामी उपयोगकताओं पर कड़ी निगरानी रखी जाए. ये चोर चाहे जितनी तकनीक बदल लें प्रदेश की संपत्ति की लूट रोकवाने के लिये वे इन्हें बेनकाब करते रहेंगे. बता दें कि धनबाद में कोयला चोरी को लेकर बाबूलाल मरांडी लगातार सरकार और जिला प्रशासन पर इन दिनों हमला बोल रहे हैं. पिछले दिनों जिला पुलिस के संरक्षण में सरेआम धनबाद में कोयला चोरी होने का आरोप लगाते हुए बाबूलाल मरांडी ने हाउस पर निशाना साधा था. उन्होंने बड़ा आरोप लगाते हुए कहा था कि धनबाद में निरसा, बाघमारा, झरिया अवैध कोल व्यापार के क्षेत्र हैं जिसमें 20-25 थाना, ओपी पड़ता है. इस क्षेत्र में 30-40 साइट से अवैध कोयला निकाला जाता है. चर्चा है कि साइट प्राप्त करने के लिए हाउस का परमिशन आवश्यक है. हाउस से फोन आने पर ही एसएसपी साइट का अप्रूवल देते हैं फिर एडवांस के तौर पर एक करोड़ रुपये लिए जाते हैं. इन क्षेत्रों से प्रतिदिन 150-200 ट्रक कोयला निकाला जाता है.

सिरम टोली फ्लाईओवर रैंप विवाद पर विराम! हाईकोर्ट ने गीताश्री और सरना समिति की याचिका की खारिज

रांची, संवाददाता ।

सरना स्थल से जुड़े सिरम टोली फ्लाईओवर रैंप विवाद पर चल रही महीनों की कानूनी लड़ाई फिलहाल खत्म हो गयी है. झारखंड हाईकोर्ट ने पूर्व मंत्री गीताश्री उरांव और सरना समिति सहित अन्य याचिकाकताओं की याचिकाएं खारिज करते हुए रैंप निर्माण पर रोक लगाने से इनकार कर दिया. अदालत के इस फैसले के साथ सरकार द्वारा तैयार की गयी फ्लाईओवर योजना यथावत रहेगी और सिरम टोली चौक के पास बन रहा रैंप नियमानुसार आगे बढ़ेगा. झारखंड हाई कोर्ट के अधिवक्ता धीरज कुमार ने यह जानकारी दी है. याचिकाकताओं का मुख्य तर्क था कि रैंप का हिस्सा केंद्रीय सिरम टोली सरना स्थल के बिल्कुल समीप है. जिससे न केवल पवित्र स्थल की गरिमा प्रभावित होगी, बल्कि सरहुल और अन्य पारंपरिक पर्वों के दौरान आवागमन बाधित हो सकता है. उनका कहना था कि रैंप बनने से सरना स्थल तक जाने वाली गली पहले ही संकरी हो चुकी है और भीड़ बढ़ने पर भगदड़ जैसी आशंका बनी रहती है. इसी आशंका को लेकर बीते महीनों में रांची बंद, मशाल जुलूस और विरोध मार्च के जरिये सड़क से लेकर अदालत तक जोरदार विरोध दर्ज कराया गया.

सरकार और नगर निगम की ओर से दायर हलफनामों में दावा किया गया कि फ्लाईओवर परियोजना शहर को जाम से निजात और सार्वजनिक सुविधा के लिये जरुरी है और सरना स्थल की आस्था, पहुंच और सुरक्षा के लिये वैकल्पिक इंतजाम किये गये हैं. विस्तृत बहस के बाद हाईकोर्ट ने माना कि परियोजना से जनहित को बड़ा लाभ होने की संभावना है और तकनीकी व नीतिगत निर्णयों में अदालत सीमित दखल रखेगी. इसका हवाला देते हुए अदालत ने याचिकाएं खारिज कर दी और रैंप निर्माण जारी रखने का रास्ता साफ हो गया, जबकि आंदोलनरत पक्ष अब आगे की रणनीति पर मंथन कर रहा है. बता दें कि फ्लाईओवर निर्माण पूरा होने के बाद बढ़ते विवाद के बीच सरकार ने इसे बाबा कार्तिक उरांव का नाम दिया था.

गांजा तस्कर बसंत साहू को 5 साल की कठोर कारावास व 50,000 जुर्माना

रांची। रांची सिविल कोर्ट के अपर न्यायायुक्त 5 की अदालत ने गांजा तस्करी के मामले में बसंत साहू को दोषी ठहराते हुए शुक्रवार को 5 साल की कठोर कारावास की सजा सुनाई है. अदालत ने दोषी बसंत साहू पर 50,000 का जुमार्ना भी लगाया है. कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जुमार्ना राशि का भुगतान नहीं करने पर अभियुक्त को अतिरिक्त दो साल की जेल काटनी होगी. बसंत साहू अपनी गिरफ्तारी की तिथि से ही लगातार न्यायिक हिरासत में था. यह मामला 5 फरवरी 2023 का है. चान्हो थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए अभियुक्त बसंत साहू को धर दबोचा था. तलाशी के दौरान, अभियुक्त के टेंपो में दो बंडलों में 3 किलो 700 ग्राम गांजा छुपाकर रखा गया था, जिसे पुलिस ने बरामद किया. पूछताछ में यह खुलासा हुआ था कि बरामद गांजा लोहरदगा बाजार स्थित एक चाय दुकान में रखा जाता था, और बाद में उसे बुढ़मू क्षेत्र में सप्लाई किया जाता था.

प्रचंड बहुमत की हेमंत सरकार पर आर्थिक दबाव बनाने और उसे झुकाने के लिये आर्थिक हथकंडा अपना रही है केन्द्र सरकार : बंधु तिर्की

केन्द्र द्वारा बकाया राशि का भुगतान न होनलाभुकों को भी राशि के भुगतान पर संकट

केन्द्र द्वारा बकाया राशि का भुगतान न होने के साथ ही विभिन्न मंत्रालयों से झारखण्ड के विविध विभागों को राशि का भुगतान न होने के कारण विकास कार्य प्रभावित, लाभुकों को भी राशि के भुगतान पर संकट

संवाददाता । रांची

रांची : पूर्व मंत्री, झारखण्ड सरकार की समन्वय समिति के सदस्य एवं झारखण्ड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने कहा है कि झारखण्ड की प्रचंड बहुमत वाली हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली इंडिया गठबंधन की सरकार को झुकाने के लिये अब केन्द्र सरकार आर्थिक दबाव बना रही है और यह एक तरीके से मोदी सरकार के द्वारा अपनाया जा रहा वैसा आर्थिक हथकंडा है जो लोकतंत्र के लिये घातक है. तिर्की ने कहा कि लोकतंत्र में इस तरह की बातों को कभी भी स्वीकार नहीं किया जा सकता.उन्होंने कहा कि जनता ने लामबंद होकर पिछले झारखण्ड विधानसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन की सरकार को 81 सदस्यीय विधानसभा में दो तिहाई बहुमत, 56 विधायक दिये साथ ही अनुसूचित जनजाति के लिए सुरक्षित 28 विधानसभा क्षेत्रों में से 27 इंडिया गठबंधन के पास है. तिर्की ने कहा कि केन्द्र सरकार एक ओर झारखण्ड की बकाया राशि को रोक कर बैठी है वहीं दूसरी ओर उसकी हकमारी कर रही है और विविध केन्द्रीय मंत्रालयों से झारखण्ड सरकार के विविध विभागों को प्राप्त होनेवाली राशि के प्राप्त न होने के कारण एक और विकास कार्य गहराई तक प्रभावित हुए हैं और ठेकेदारों की राशि लंबे समय से बकाया है वहीं दूसरी ओर झारखण्ड के लाभुकों को भी उनकी राशि का भुगतान करने में दिक्कत आ रही है.

उन्होंने कहा कि पारदर्शिता और जवाबदेही के नाम पर झारखण्ड सरकार के विविध विभागों के विविध बैंक खाते में जमा राशि और उसपर अर्जित ब्याज को रिजर्व बैंक आफ इंडिया के खाते में जमा करने का केन्द्र सरकार का फैसला एक ऐसा फरमान है जो बदले हुए रूप में संवैधानिक व्यवस्था पर कठोर हमला है. केन्द्र सरकार ने झारखण्ड सरकार को अपने सभी विभागों की राशि को रिजर्व बैंक आफ इंडिया के ई-कुबेर प्लेटफार्म पर जमा करने का आदेश दिया है और अब विविध योजनाओं का पैसा सीधे रिजर्व बैंक आफ इंडिया से ही जारी होगा. इस आदेश के परिणामस्वरुप झारखण्ड के विविध बैंकों में जमा केंद्रीय योजनाओं के 2425 करोड रुपये को ब्याज सहित भारतीय रिजर्व बैंक में जमा करने को कहा गया है जो 18 विभागों के हैं. इस आदेश के पीछे छुपी हुई मंशा पूरी तरीके से स्पष्ट है और यह झारखण्ड सरकार के आर्थिक तंत्र को कमजोर करने का प्रयास है.वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने कहा कि केन्द्र सरकार के विविध मंत्रालयों द्वारा झारखण्ड सरकार के विविध विभागों को उपलब्ध करायी जानेवाली राशि को समय पर उपलब्ध न करवाने के कारण झारखण्ड में अनेक गंभीर चुनौतियाँ उत्पन्न हो रही है. इससे विकास गतिविधियों में बाधा आ रही है वहीं दूसरी ओर जनहित के कार्य और लाभकारी योजनाओं का पैसा लाभुकों को समय पर नहीं मिल पा रहा है. विशेष कर अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के साथ ही अन्य वर्गों के छात्र-छात्राओं, महिलाओं, श्रमिकों, ठेकेदारों आदि को भी राशि का भुगतान नहीं किया जा रहा है. उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार की यह घोषित या अघोषित नीति, झारखण्ड के साथ सौतेला व्यवहार है.उन्होंने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों विशेष रूप से कोल इंडिया की सहायक कंपनियां और खनन से संबंधित विभिन्न मदों में लगभग 1 लाख 36 हजार करोड रुपये का भुगतान केन्द्र सरकार के द्वारा झारखण्ड सरकार को देय है और केन्द्र सरकार इस राशि के भुगतान में कोई भी रुचि नहीं ले रही है. झारखण्ड सरकार ने अनेक बार इस मामले को अपना पक्ष मजबूती से रखा लेकिन इसका कोई भी प्रभाव नहीं हुआ.तिर्की ने कहा कि केन्द्र सरकार के द्वारा ऐसा रवैया दुर्भाग्यपूर्ण है. तिर्की ने कहा कि खनिज संपदा के साथ ही मानव संसाधन से भी संपन्न झारखण्ड के आम लोगों के खिलाफ केन्द्र सरकार का यह रवैया दुर्भाग्यपूर्ण है और अफसोस की बात तो यह है कि नरेंद्र मोदी सरकार के मंत्रिमंडल में शामिल झारखण्ड के मंत्रियों के साथ ही झारखण्ड से एनडीए के सभी सांसद भी इस मामले में उदासीन रवैया अपना रहे हैं. तिर्की ने कहा कि झारखण्ड विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता बाबूलाल मरांडी भी दुनिया भर की बातों की चर्चा तो करते हैं लेकिन इस मामले में खामोशी अख्तियार कर बैठे हैं.तिर्की ने कहा कि पिछले साल संपन्न झारखण्ड विधानसभा चुनाव में मतदाताओं ने न केवल हेमंत सरकार को प्रचंड बहुमत दिया बल्कि वह पूरी तरीके से लामबंद है और हाल के घाटशिला उपचुनाव में भी इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी को जबरदस्त जीत मिली है.

स्टूडेंट्स में उर्दू के प्रति जागरूकता फैलाने की जरूरतः उपाध्याय

चित्तरपुर कॉलेज, चित्तरपुर में उर्दू दिवस का आयोजन

संवाददाता । रांची

चित्तरपुर/रामगढ़ः चित्तरपुर कॉलेज, चित्तरपुर में उर्दू दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम में जेएन कॉलेज, धारवा, रांची के उर्दू विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. मुहम्मद गालिब निश्तर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल अशोक कुमार उपाध्याय, अंजुमन फरोग उर्दू के अध्यक्ष मुहम्मद इकबाल, मुहम्मद दानिश अयाज और राशिद जमाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। मेहमानों को गुलदस्ते और शॉल भेंट किए गए। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. संगिया ने स्वागत भाषण दिया। श्री अशोक कुमार उपाध्याय ने कहा कि उर्दू को आगे बढ़ाने के लिए इसकी गहराई से पढ़ाई करना जरूरी है। उर्दू की प्रासंगिकता बनाए रखने के लिए गैर-उर्दू स्टूडेंट्स को सबसे पहले आगे आना चाहिए। अपने भाषण में मुख्य अतिथि डॉ. मुहम्मद गालिब निश्तर ने कहा कि उर्दू प्यार की भाषा है। उर्दू हिंदी से अलग नहीं है और न ही हिंदी उर्दू से अलग है। यह हमारी अपनी भाषा है जो भारतीय संस्कृति से निकली है। उन्होंने आगे कहा कि आज की मॉडर्निटी ने उर्दू को छोटा करना शुरू कर दिया है। भाषा फलने-फूलने के बजाय और सिकुड़ती जा रही है। प्रोग्राम को प्रोफेसर उत्तम कुमार और शबाना अंजुम ने मिलकर डायरेक्ट किया। प्रोफेसर कुर्रतुल ऐन ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया। प्रोग्राम का अंत राष्ट्रगान के साथ हुआ। इस प्रोग्राम में प्रोफेसर ज्योति कुमारी, प्रोफेसर जूही उपाध्याय, प्रोफेसर मनोज कुमार झा, प्रोफेसर निकहत परवीन, प्रोफेसर अंजू कुमारी, प्रोफेसर रेवालाल पटेल, प्रोफेसर दीपक कुमार, प्रोफेसर मीना मुंडा, प्रोफेसर नगमा नौशाबा, प्रोफेसर उत्तम कुमार हंसो, जफरुल हसन खान, कसम कुमारी, आसिया आफरीन, सोनाकुमार, राजेश तिवारी, पिंटो प्रजापति, अमीर समेत सैकड़ों स्टूडेंट्स ने हिस्सा लिया।

वार्ड 44 मे ह्यआपकी योजनाझ्आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम, बड़ी संख्या में जनता ने लिया लाभ

संवाददाता । रांची

रांचीः: वार्ड 44 डोरंडा में ह्यआपकी योजनाझ्आपकी सरकारझ्आपके द्वारह्न कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। शिविर में सुबह से ही आम जनता की भारी भीड़ उमड़ी। अधिकारियों ने मौके पर ही लोगों की समस्याएं सुनीं और कई आवेदनों का त्वरित निपटारा किया। कार्यक्रम में अंचल कर्मचारी,रांची नगर निगम कर्मचारी, वरिष्ठ समाजसेवी और वार्ड 44 के भावी पार्षद उम्मीदवार राशिद सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मी मौजूद रहे।शिविर में वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन, राशन कार्ड, आयझ्आवासझ्जाति प्रमाण पत्र, मनरेगा, आवास योजना, स्वास्थ्य से जुड़ी योजनाओं सहित कई सरकारी सेवाओं के लिए आवेदन स्वीकार किए गए। मौके पर ही कई मामलों का समाधान किया गया, जबकि शेष आवेदनों को जल्द निष्पादित करने का भरोसा अधिकारियों ने दिया।

वार्ड 44 वह भावी पार्षद उम्मीदवार रशीद ने कहा कि इस तरह के शिविर से उन्हें घरझ्द्वार पर सरकारी सुविधाएं मिल रही हैं, जो सराहनीय पहल है। कार्यक्रम के दौरान लाभुकों ने प्रशासन के इस प्रयास की प्रशंसा की।

झारखंड नियुक्ति पत्र देने वाला अव्वल राज्य 10 हजार अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र देना उत्कृष्ट व ऐतिहासिक कार्य उट हेमंत सहित मंत्रिपरिषद को बधाई : कैलाश यादव

संवाददाता । रांची

प्रदेश राजद प्रवक्ता कैलाश यादव ने राजद की ओर से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा 10 हजार सफल अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र देने का कार्य को काफी सराहना किया है !

इस ऐतिहासिक व उत्कृष्ट कार्य के लिए युवा लोकप्रिय मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सहित तमाम मंत्रिपरिषद को साधुवाद व हार्दिक बधाई !

यादव ने कहा कि झारखंड में जबसे हेमंत सोरेन के नेतृत्व में महागठबंधन सरकार पार्ट -1एवं पार्ट - 2 बनी है 6 वर्षों के कार्यकाल के दौरान सभी क्षेत्रों में लाखों नियुक्ति पत्र बांटने का काम किया है ! विदित है कि महागठबंधन सरकार पार्ट -1 के दौरान मईया सम्मान योजना, किसानों का 2 लाख रु ऋण माफ छात्रों को छात्रवृत्ति देने सरकारी मॉडल स्कूल बनाने सहित अनेकों ज्वलंत मुद्दों पर काम किया है !झारखंड नियुक्ति पत्र बांटने वाला देश का सबसे अव्वल राज्य बन गया है !

जबकि लगभग 18 राज्यों में बीजेपी की डबल इंजन सरकार चल रही है लेकिन वहां बेरोजगारी सबसे बड़ी समस्या बरकरार है !वहीं दूसरी तरफ झारखंड में सीमित साधन होने के बावजूद सीएम हेमंत सोरेन के नेतृत्व में राज्य हर क्षेत्रों में काफी आगे बढ़कर जनाकांक्षाओं को पूर्ण करने का काम हो रहा है और प्रतिदिन जनता के सभी वादों को पूरा करने की ओर काम किया जा रहा हैं !यादव ने कहा कि हेमंत सोरेन की सकारात्मक बहुमुखी सोच व दूरदर्शी व्यक्तित्व से झारखंड प्रगतिशील विकास के मामले में आगामी दिनों में देश का मॉडल राज्य बनकर उभरेगा ! हेमंत सरकार के कार्यशैली पर सवाल उठाने वाले बीजेपी के तमाम नेताओं को अपनी गिरेबाँ में झांकने की जरूरत है क्योंकि 25 वर्षों में लगभग 16 वर्ष शासन करने वाले बीजेपी एनडीए सरकार सिर्फ हाथी उड़ाने का काम किया !

यूनिवर्सिटी में सीसीटीवी कैमरा लगाने की मांग

संवाददाता । रांची

पूर्व छात्र संघ संयोजक और सामाजिक कार्यकर्ता सैयद फराज अब्बास ने रांची यूनिवर्सिटी से मांग की है की जल्दी से जल्दी रांची यूनिवर्सिटी में फीस डिस्प्ले बोर्ड लगाया जाएगा, ३५ लगाया जाएगा, ताके छात्र दलाल का सहारा नहीं ले सके ।।

रांची। पूर्व छात्र संघ सह सामाजिक कार्यकर्ता फराज अब्बास ने कहा कि रांची विश्वविद्यालय की भारी अनियमितताओं लापरवाही और उत्पीड़न से छात्रों को परेशानी करना सामना पड़ रहा है। रांची यूनिवर्सिटी में कहीं भी फीस डिस्प्ले बोर्ड नहीं है, किस काम का कितना फीस है, टाइमलाइन का जिक्र नहीं है, काउंटर नंबर रूम नंबर का जिक्र नहीं है, यहाँ तक कि उचित बात बताने वाला नहीं हैं रांची यूनिवर्सिटी यहाँ तक की पुरे एग्जामिनेशन डिपार्टमेंट में कही भी उउळश नहीं लगा हुवा हैं अभी भी डिग्री मार्कशीट माइग्रेशन में महीनों लग जा रहा हैं पुरे यूनिवर्सिटी में कोई कर्मचारी कळनहीं लगता या कर्मचारियों को कळनहीं मिला हैं इन लापरवाही का नतीजा छात्र परेशान होता हैं आज हर विश्वविद्यालय शिक्षा केंद्र पर हेल्प डेस्क होता है, मगर झारखंड के बड़े विश्वविद्यालय में से एक रांची विश्वविद्यालय में कोई हेल्प डेस्क नहीं हैं रांची विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर परीक्षा नियंत्रक और रजिस्ट्रार की मेल आईडी का उल्लेख है, लेकिन मेल करने पर कोई प्रतिक्रिया नहीं मिलती है ।सोशल मीडिया अकाउंट से यूनिवर्सिटी को कोई मतलब नहीं है ` विश्वविद्यालय में कुलपति, परीक्षा नियंत्रक और रजिस्ट्रार से मिलना मुश्किल है, जल्दी मिल नहीं सकते ।। विभिन्न छात्र संघ सिर्फ राजनीतिक रोटी सेक रही है,स्टूडेंट्स की परेशानी से उनका कोई लेना देना नहीं है !!रांची यूनिवर्सिटी में छात्र संघ का चुनाव कोई सालो नहीं हुआ है ।

पूर्व छात्र संघ संयोजक और सामाजिक कार्यकर्ता सैयद फराज अब्बास ने रांची यूनिवर्सिटी से मांग की है की जल्दी से जल्दी रांची यूनिवर्सिटी में फीस डिस्प्ले बोर्ड लगाया जाएगा, ३५ लगाया जाएगा, ताके छात्र दलाल का सहारा नहीं ले सके ।।एक हेल्प डेस्क बनाया जाना चाहिए

सरकार बिचौलियों को खत्म करने का प्रयास कर रही है, लेकिन रांची विश्वविद्यालय परिसर में बिचौलियों की मौजूदगी चिंता का विषय है, बीना स्टाफ आईडी कार्ड के बीचोलियो दलालो से बचना मुश्किल हैं

सरकार, कुलाधिपति महामहिम राजपाल, माननीय मुख्यमंत्री शिक्षा मंत्री सहित रांची विश्वविद्यालय प्रशासन को इस विषय पर विचार करना चाहिए ।।

डॉ. जमाल अहमद ने हेल्थ मिनिस्टर माननीय डॉ. इरफान अंसारी से खास मुलाकात की

संवाददाता

28 नवंबर, 2025 को झारखंड पब्लिक सर्विस कमीशन के मेंबर डॉ. जमाल अहमद ने झारखंड सरकार के हेल्थ मिनिस्टर माननीय डॉ. इरफान अंसारी से खास मुलाकात की और अपनी किताब ह्लबाबे झारखंड शिबो सोरेनह्न भेंट की। यह प्रस्तुति सिर्फ एक साहित्यिक काम नहीं थी, बल्कि झारखंड के राजनीतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक इतिहास में एक अहम अध्याय भी थी, क्योंकि इस किताब को शिबो सोरेन के जीवन और सेवाओं पर उर्दू में पहली पूरी तरह से लिखी गई स्कॉलरली कोशिश माना जाता है। किताब की अहमियत को और बढ़ाते हुए, इसमें डॉ. इरफान अंसारी का एक आर्टिकल भी शामिल है जिसका टाइटल है ह्लकॉर्पोरेट घरानों को चुनौती देने वाले शिबो सोरेनह्न। अपने आर्टिकल में उन्होंने साफ किया है कि अगर राज्य में बाबे झारखंड शिबो सोरेन जैसे बहादुर और हिम्मत वाले लीडर नहीं होते, तो कॉर्पोरेट घरानों के ताकतवर लोग आदिवासी और मौलवी समुदाय को उनके बुनियादी हक से वंचित कर देते। डॉ. इरफान के मुताबिक, आज झारखंड में जल, जंगल और जमीन के बचाव की जो झलक दिखती है, वह असल में शिबू सोरेन की बिना डरे चुनौती, लंबे संघर्ष और पॉज़िटिव सोच का नतीजा है।

यह सच है कि झारखंड की जमीन अपनी खामोश गवाही में एक लंबी कहानी समेटे हुए है। कोयला, लोहा और दूसरे कीमती मिनरल से भरपूर यह इलाका शुरू से ही कॉर्पोरेट घरानों के आकर्षण का केंद्र रहा है; लेकिन इस आकर्षण का सबसे ज्यादा बोझ यहां की आदिवासी आबादी पर पड़ा। विकास के नाम पर यहां के आदिवासियों ने अपनी जमीन, अपनी पहचान और यहां तक ??कि अपने पर्यावरण की भी कीमत चुकाई।हालांकि कुदरत ने झारखंड को बेशुमार संसाधन दिए हैं, लेकिन इन संसाधनों का एक बड़ा हिस्सा कैपिटलिस्ट क्लास तक ही पहुंचा, जबकि वहां की आबादी को इससे वंचित रहना पड़ा। इंडस्ट्रियलाइजेशन और माइनिंग प्रोजेक्ट्स ने हजारों आदिवासी परिवारों को उनकी पुरखों की जमीन से बेदखल कर दिया। यह सिर्फ.जमीन का नुकसान ही नहीं था, बल्कि उनके सदियों पुराने इतिहास, परंपराओं और जीने के तरीके का भी विनाश था। बेदखली के नतीजे में आदिवासी समाज के बंधन कमजोर हुए हैं और उनकी सामूहिक पहचान को गंभीर खतरा पैदा हो गया है। आदिवासी जीवन की नींव जंगल, खेती और शिकार से जुड़ी हुई है। लेकिन जब जमीन ही खत्म हो जाती है तो परंपराएं खत्म होने लगती हैं। यही कारण है कि आज आदिवासी समुदाय अपनी सांस्कृतिक पहचान के संकट से गुजर रहा है। उनके मौसम संबंधी ज्ञान, खेती के अनुभव और जंगल पर आधारित सदियों पुराने ज्ञान को गहरा झटका लगा है। खनन से जहां जंगल नष्ट हुए हैं, वहीं खेती की जमीन की उर्वरता भी प्रभावित हुई है।

ब्रीफ न्यूज

एक वर्ष में दस प्रतिशत वादे भी पूरे नहीं, नैतिक रूप से कमजोर हुई हेमंत सरकार - जदयू

संवाददाता ।

रांचीःजदयू के प्रदेश प्रवक्ता सागर कुमार ने कहा कि हेमंत सरकार ने वादाखिलाफी के एक वर्ष पूरे कर लिए। प्रथम वर्ष विफलताओं की भेंट चढ़ गया। कांग्रेस के एक वोट सात गारंटी के वादे की हवा निकल गई, वहीं जेएमएम अपने अधिकार पत्र का दस प्रतिशत वादा भी पूरा नहीं कर पाई। महागठबंधन की सरकार भले एक वर्ष पूर्ण करने पर जश्न मना रही है मगर असल में यह सरकार नैतिक रूप से कमजोर हो चुकी है। उन्होंने कहा की झारखण्डी खुद को ठगा महसूस कर रहे हैं। दस लाख नौकरियों का दंभ भरने वाली सरकार एक वर्ष में घोषणा का दस फीसद भी रोजगार नहीं दे सकी। राज्य में निरंतर गिरती कानून व्यवस्था बेहद चिंतनीय है। किसान धान के उचित एमएसपी की बाट जोह रहे, अब तक उनका संपूर्ण कर्ज माफी भी नहीं हुई। उन्होंने कहा की महागठबंधन की सरकार बनाने में महिलाओं की भागीदारी अहम थी लेकिन अब मईयाँ योजना से उनके नाम काटे जा रहे और जिनके नाम है उन्हें समय पर राशि नहीं मिल रही। एक वोट सात अधिकार के तहत साढ़े चार सौ रुपये में गैस सिलेंडर का वादा कर सरकार मुकर गई। पिछड़ों का आरक्षण सीमा बढ़ाने जैसे महत्वपूर्ण विधेयक को लटकाने के उद्देश्य से केंद्र को भेजा। स्थानीय निकायों का चुनाव नहीं करा इन निकायों में अफसरों की मिलीभगत से भारी भ्रष्टाचार किया गया। खुद को अबुआ सरकार बताने वाली सोरेन सरकार में आदिवासियों पर सर्वाधिक अत्याचार हुए। दलितों के उत्थान के लिए एससी आयोग का अब तक गठन नहीं हुआ, यहीं नहीं सूचना आयुक्त, लोकायुक्त जैसे संवैधानिक पदों पर नियुक्ति को बाधित कर रखा गया है। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को विपक्षियों और विरोधियों के लिए टूल किट की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है। ऐसे कई उदाहरण हैं जो विफलता को उजागर करते हैं।उन्होंने कहा यह सरकार अकर्मण्य, भ्रष्ट, नकारा और पूरी तरह से अराजक है।

ठिदुरन में मुस्कानः माही ने 52 बच्चों को स्वेटर वितरित किए

संवाददाता ।

राँची, हिंदपीड़ी, लाह फैक्ट्री रोड स्थित मकतब मस्जिद-ए-अबूबक्र में आज मौलाना आजाद ह्यूमेन इनिशिएटिव (माही) द्वारा 52 बच्चों के बीच स्वेटर वितरित किए गए। ठंड के मौसम को देखते हुए यह पहल जरूरतमंद छात्रों की सहायता के उद्देश्य से की गई।गौरतलब है कि माही हर वर्ष द कोल्ड इज बोल्ड झ एन इनिशिएटिव बाय माही अभियान भारत के प्रथम शिक्षा मंत्री और आधुनिक शिक्षा के अग्रदूत मौलाना अबुल कलाम आजाद की पैदाइश के अवसर पर आयोजित करता है। यह अभियान सामान्यतः 11 से 18 नवंबर तक चलता है, किंतु इस वर्ष बढ़ती ठंड और छात्रों की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए इसे पूरे नवंबर माह तक विस्तारित किया गया है।माही का उद्देश्य है कि यूनिफॉर्म, स्वेटर या जूते जैसी बुनियादी सुविधाओं के अभाव में कोई भी प्रतिभाशाली और जरूरतमंद बच्चा शिक्षा से वंचित ना हो।कार्यक्रम में मुख्य रूप से संस्था के अध्यक्ष सैयद एजाज अहमद, सचिव मोहम्मद आसिफ इकबाल, सरपरस्त मोहम्मद अंसार, आदर्श वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष नूर आलम, स्वास्थ्य संयोजक शकील अहमद समेत मोहम्मद आसिम, मोहम्मद अख्तर, मोहम्मद मेराज, मोहम्मद असलम कुरैशी, इमाम मोहम्मद दानिश, मुअज़्ज़िन मोहम्मद जमशेद और हाजी मोहम्मद तौहीद सहित कई समाजसेवी उपस्थित थे।

हिमालय ऑप्टिकल का नया आउटलेट का शुभारंभ

संवाददाता ।

रांची : राजधानी रांची में खुला हिमालय ऑप्टिकल का नया आउटलेट 2, बरियातू रोड रांची में खुला,जहां प्रीमियम आईवेयर और उन्नत आंखों की देखभाल में हिमालय के 90 वर्षों के सफर का एक और मील का पत्थर है. इस मौके पर रविशेख कुमार क्षेत्रीय प्रमुख और जया डे, हिमालय ऑप्टिकल की मार्केटिंग हेड मौजूद थी. यह विस्तार झारखंड में एक हमारी उपस्थिति को मजबूत करता है,जिससे यह रांची में हमारा दूसरा झारखण्ड मे यह आठवां स्टोर बन गया है, जो हमारे मूल्यवान ग्राहकों के करीब विश्व स्तरीय ऑप्टिकल समाधान प्रदान करने के हमारे संकल्प को और मजबूत करता है. नया ब्रांच आधुनिक और शानदार सौंदर्यशास्त्र के साथ डिजाइन किया गया है जिसमें चिकनी उत्पाद प्रदर्शनी प्रीमियर इंटीरियर और विशाल लेआउट शामिल है जो हमारे आईवियर संग्रह को उत्कृष्ट गुणवत्ता को दशार्ने वाला एक गहन रिटेल अनुभव ग्राहकों को प्रदान करता है. यहां ग्राहकों को अनुभवी नेत्र परीक्षण विशेषज्ञ द्वारा संचालित व्यापक आंखों की जांच की सुविधा उपलब्ध है.. साथ ही उच्च क्वालिटी गुणवत्ता की डायग्नोस्टिक तकनीक असाधारण सटीकता,आराम, तेज परिणाम समय और उच्च गुणवत्ता वाले लेंस भी उपलब्ध है. बच्चों में उच्च नेत्र दृष्टि प्रबंधन में भी विशेषज्ञ है और इससे निपटने के लिए वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित नेत्रीय समाधान और जमसमेज लेंस का उपयोग करते हैं. बरियातू के नए केंद्र की एक प्रमुख विशेषता अगले जनरेशन के रे बैन मेटा एआई स्मार्ट चश्मा का लॉन्च है जो नवाचार प्रदर्शनी और शैली का क्रांतिकारी मिश्रण है.

रांची को बाल विवाह मुक्त करने का होगा प्रयास : राजेन

संवाददाता ।

रांची : रांची : बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत शुक्रवार को सिंदुआर टोला ग्रामोदय विकास विद्यालय की ओर से बेडो में प्रखंड स्तरीय एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सिंदुआर टोला ग्रामोदय विकास विद्यालय के सचिव राजेन कुमार ने कहा कि सालभर में रांची जिले कोल विवाह मुक्त करने का प्रयास किया जाएगा। इसके लिए व्यापक कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पूरे देश से बाल विवाह को उखाड़ फेंकने के उद्देश्य से भारत सरकार की 100 दिनों की विशेष कार्य योजना चलाई

कोयला सचिव विक्रम देव दत्त अपने दो-दिवसीय दौरे के तहत धनबाद पहुंचे

बीसीसीएल के अग्नि प्रभावित ऐना कोलियरी का किया निरीक्षण

धनबाद, संवाददाता

कोयला सचिव, भारत सरकार विक्रम देव दत्त ने अपने दो-दिवसीय धनबाद दौरे के अंतर्गत ऐना कोलियरी के अग्नि प्रभावित कोल साइट्स एवं कोलियरी का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उनके साथ कोल इंडिया लिमिटेड (CIL) के अध्यक्ष सनोज कुमार झा, सीएमडी बीसीसीएल, मनोज कुमार अग्रवाल, निदेशक (मानव संसाधन) मुरली कृष्णा रमैया, निदेशक (तकनीकी-संचालन) संजय कुमार सिंह, निदेशक, तकनीकी (परियोजना एवं योजना) निलाद्री रॉय सहित कोयला मंत्रालय के अन्य अधिकारीगण तथा कोयला भवन मुख्यालय और क्षेत्रीय कार्यालय के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे। श्री दत्त ने अपने दौरे के दौरान ऐना कोलियरी का स्थलीय निरीक्षण किया और वहाँ चल रहे अग्नि नियंत्रण, सुरक्षा प्रबंधन, पर्यावरण संरक्षण एवं पुनर्वास कार्यों की प्रगति का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान बीसीसीएल अधिकारियों ने उन्हें अग्नि प्रभावित क्षेत्रों में जारी नियंत्रण उपायों, गैस उत्सर्जन रोकथाम और स्थानीय निवासियों की सुरक्षा से संबंधित प्रयासों की विस्तृत जानकारी दी। सचिव ने बीसीसीएल द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि अग्नि नियंत्रण और पुनर्वास के लिए वैज्ञानिक दृष्टिकोण, नवीन तकनीक और जनसहभागिता का समन्वय आवश्यक है। उन्होंने निर्देश दिया कि अग्नि नियंत्रण कार्यों में आधुनिक तकनीकी विधियों को अपनाया जाए और स्थानीय समुदाय को इस प्रक्रिया में सक्रिय रूप से जोड़ा जाए, ताकि इन समस्याओं का स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जा सके। कोल इंडिया लिमिटेड के अध्यक्ष सनोज कुमार झा ने इस अवसर पर कहा कि कोल इंडिया परिवार देश की ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति के साथ-साथ सुरक्षित और पर्यावरणीय रूप से जिम्मेदार खनन के लिए प्रतिबद्ध है। अग्नि प्रभावित क्षेत्रों में बीसीसीएल द्वारा चुनौतीपूर्ण खनन कार्य किया जा रहा हैं। हमारा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि कोयला उत्पादन के प्रत्येक चरण में सुरक्षा, पारदर्शिता और स्थायित्व सर्वोपरि रहें। कोल इंडिया अपने सभी सहायक उपक्रमों के माध्यम से सतत विकास के इस उद्देश्य को आगे बढ़ाने के लिए पूर्णतः समर्पित है। इससे पूर्व, कोयला सचिव एवं सीआईएल चेयरमैन सनोज कुमार झा के दुगार्पुर एअरपोर्ट पर आगमन के पश्चात सीएमडी मनोज अग्रवाल ने उनका पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस दौरान ईसीएल सीएमडी, सतीश झा, निदेशक (तकनीकी-संचालन) बीसीसीएल, संजय कुमार सिंह सहित बीसीसीएल के अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे। कोयला सचिव अपने दो-दिवसीय कार्यक्रम के दौरान बीसीसीएल के विभिन्न परियोजनाओं, अग्नि प्रभावित क्षेत्रों तथा पुनर्वास कार्यक्रमों की समीक्षा के साथ अनेक विकासोन्मुख गतिविधियों में भाग लेंगे।

सरकारी योजनाओं का लाभ ग्रामीणों तक शत प्रतिशत पहुंच सके : पार्षद धनेश्वर महतो

रामगढ़, संवाददाता

रामगढ़ प्रखंड क्षेत्र के बारलोंग पंचायत सचिवालय में आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम के तहत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रामगढ़ जिला परिषद सदस्य धनेश्वर महतो के द्वारा दीप प्रज्वलित कर शिविर का विधिवत शुभारंभ किया। मौके पर रामगढ़ बीडीओ रीना कुजूर सीओ रमेश रविदास कुंदरू कला मुखिया किसुन राम मुंडा, बारलोंग मुखिया रेखा देवी पंसस निशा देवी सहित सैकड़ों ग्रामीण शामिल हुए रहे। शिविर में बड़ी संख्या में आए ग्रामीणों को विभिन्न सरकारी योजनाओं की विस्तृत एवं उपयोगी जानकारी प्रदान की गई।शिविर मे पहुँचे उपस्थित सभी अतिथियों को झारखंडी संस्कृति पारम्परिक रीति रिवाज से स्वागत भी किया। मुख्य अतिथि पार्षद धनेश्वर ने कहा सरकार का उद्देश्य है कि प्रत्येक जनसेवा अब आपके द्वार पर उपलब्ध हो। इस शिविर के माध्यम से ग्रामीणों की जरूरतों और समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है। इस मौके पर तीन महिलाओं का गोद भराई रस्म हुआ तीन नन्हें बच्चों का मुँह जूठी कराया गया। कई लाभुक समितियों चेक प्रदान किया, रामगढ़ पार्षद ने कहा की आम जनता को योजनाओं का लाभ शत प्रतिशत आम ग्रामीणओं तक पहुंच सके बिना किसी परेशानी के मिले यही हमारी सरकार की प्राथमिकता हो। उन्होंने कहा कि जॉब कार्ड,जाति प्रमाण पत्र, आय एवं निवास प्रमाण पत्र जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, दाखिल-खारिज, वृद्धा-विधवा-दिव्यांग पेंशन सहित अनेक सेवाओं से संबंधित आवेदनों का ऑन-द-स्पॉट निवारण किया जा रहा है, जिससे ग्रामीणों को बार-बार प्रखंड कार्यालय नहीं जाना पड़े। मौके पर चिकित्सक प्रभारी आत्मा के पदाधिकारी सहायक प्रबंधक अनिल कुमार बारलोंग मुखिया रेखा देवी पंचायत समिति सदस्य निशा देवी, पंचायत सचिव सत्ताक्षी कुमारी प्रखंड एवं सैकड़ों ग्रामीण ने आवेदन जमा किया।

उपायुक्त की अध्यक्षता में जिला स्तरीय धान अधिप्राप्ति अनुश्रवण समिति की हुई बैठक

रामगढ़, संवाददाता

शुक्रवार को उपायुक्त रामगढ़ श्री फैज अक अहमद मुमताज की अध्यक्षता में उनके कार्यालय कक्ष में जिला आपूर्ति कार्यालय द्वारा किए जा रहे कार्यों से सम्बंधित जिला स्तरीय धान अधिप्राप्ति अनुश्रवण समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान सर्वप्रथम उपायुक्त ने पिछले बैठक में दिए गए निदेर्शों के आलोक में किए गए कार्यों की जानकारी ली। उपायुक्त ने धान अधिप्राप्ति कार्यों की जानकारी लेते हुए किसानों को किसी प्रकार की आ सुविधा न हो जिसके तहत पूरी तैयारी करने का निर्देश दिया गया, धान अधिप्राप्ति के उपरांत राशि का भुगतान ससमय सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। वहीं उपायुक्त द्वारा खरीफ विपणन 2025-26 धान अधिप्राप्ति योजना अंतर्गत पैक्स के चयन से संबंधित कई दिशा निर्देश भी दिया गया। बैठक में मुख्य रूप से उप विकास आयुक्त श्री आशीष अग्रवाल, उपसमाहर्ता श्रीमती कुमारी गीतांजलि, जिला आपूर्ति पदाधिकारी श्रीमती रंजीता टोप्पो सहित अन्य उपस्थित थे।

PTPS कॉलेज, पतरातू में रूपय 1.90 करोड़ की लागत से बहुउद्देश्यीय कॉन्फ्रेंस हॉल का निर्माण कार्य शुरू

❖शिलान्यास विधायक एवं CEO, PVUNL द्वारा सम्पन्न

रामगढ़, संवाददाता

PVUNL द्वारा अपनी समुदायिक विकास पहल के अंतर्गत शुक्रवार को PTPS कॉलेज, पतरातू में बहुउद्देश्यीय कॉन्फ्रेंस हॉल के निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि विधायक, बड़कागांव रोशन लाल चौधरी थे, जिन्होंने CEO, PVUNL के साथ संयुक्त रूप से शिलान्यास किया। सांसद, हजारीबाग मनीष जायसवाल ने इस अवसर पर विद्यार्थियों को ऑनलाइन संबोधित करते हुए कहा कि बहुउद्देश्यीय कॉन्फ्रेंस हॉल का निर्माण क्षेत्र की शैक्षणिक गुणवत्ता को एक नई दिशा प्रदान करेगा। वही मौके पर राजीव जयसवाल, संसद प्रतिनिधि ने भी सबा को संबोधित किया। अपने संबोधन में CEO, PVUNL ने कहा कि कंपनी शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल विकास तथा युवाओं के सशक्तिकरण के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने यह भी बताया कि यह बहुउद्देश्यीय कॉन्फ्रेंस हॉल न केवल शैक्षणिक गतिविधियों को मजबूत करेगा, बल्कि विद्यार्थियों को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित एक सुदृढ़ मंच भी प्रदान करेगा। PTPS कॉलेज, जिसकी स्थापना वर्ष 1972 में हुई थी, वर्षों से क्षेत्र के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा उपलब्ध करा रहा है। PVUNL पूर्व में भी कॉलेज के विकास हेतु कई महत्वपूर्ण कदम उठा चुका है। रूपय 1.90 करोड़ की लागत से बनने वाला यह बहुउद्देश्यीय कॉन्फ्रेंस हॉल शैक्षणिक कार्यक्रमों, सेमिनार, कार्यशालाओं एवं सांस्कृतिक गतिविधियों तथा विद्यार्थियों के कौशल एवं व्यक्तित्व विकास को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। कार्यक्रम के दौरान छोटेलाल कुमार, जिन्होंने Vinoba Bhave University स्तर पर आयोजित Inter College Cross Country Race में प्रथम स्थान प्राप्त कर कॉलेज एवं क्षेत्र का गौरव बढ़ाया, को सम्मानित किया गया। उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन की सभी ने सराहना की। शिलान्यास समारोह के माध्यम से PVUNL ने पुनः यह स्पष्ट किया कि वह केवल ऊर्जा उत्पादन ही नहीं, बल्कि समाज और शिक्षा के समग्र विकास के लिए भी प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम में प्राचार्य, PTPS कॉलेज ने सभी विशिष्ट अतिथियों का स्वागत किया तथा कॉलेज के विद्यार्थियों ने आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। अनुपम मुखर्जी, सी जी एम प्रोजेक्ट, बिश्नु दत्ता, जीएम प्रोजेक्ट एंड ज़ियाउर रहमान, हेड ऑफ मानव संसाधन साथ में मौजूद थे।

बरवाडीह हत्याकांड का उद्भेदन, तीन गिरफ्तार

लातेहार, संवाददाता

बरवाडीह थाना क्षेत्र के पुटवागढ़ जंगल में अज्ञात व्यक्ति का शव चौकीदार की सूचना के बाद पुलिस ने बरामद किया, शव की पहचान पलामू के रामगढ़ थाना क्षेत्र के हुंटार ग्राम निवासी सुकन भुईयां के 27 वर्षीय पुत्र चंदन भुईयां के रूप में की गयी, परिजनों ने आरोप लगाया था कि उसकी हत्या कर साक्ष्य छुपाने के लिए आत्महत्या का रूप दिया गया है, शव बरामद होने के बाद भौतिक सत्यापन कर इस संबंध में बरवाडीह थाना कांड संख?या 76/2025, दिनांक 24.112025, धारा-103 (1)/238 बीएनएस के अज्ञात अपराध कर्मी के विरुद्ध हत्या कर साक्ष्य छिपाने के आरोप में कांड पंजीकृत किया गया , इस संबंध में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बरवाडीह के नेतृत्व में एक छापामारी दल का गठन किया गया, छापामारी दल में गठित टीम में पुअनि० सह थाना प्रभारी अनुराग कुमार, पुअनि सुनिल कुमार मंडल, राजन अधिकारी व अशोक कुमार सिंह के द्वारा छापामारी की गई है. छापामारी के दौरान कांड के अप्राथमिकी अभियुक्त मोहन कुमार उर्फ मोहन यादव (22) पिता भागीरथ यादव और संदीप कुमार (22) पिता बिन्दु उर्फ बिन्दा साव (दोनो हुटार, रामगढ, पलामू) को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है, इसके अलावा एक नाबालिग को बालक को बाल सुधार गृह भेजा गया।

बीसीसीएल श्रमिकों की समस्याओं के समाधान को लेकर विधायक राज सिन्हा की कोयला सचिव से मुलाकात

धनबाद, संवाददाता

झारखंड विधानसभा के सचेतक सह धनबाद विधायक राज सिन्हा ने शुक्रवार को कोयला मंत्रालय के सचिव विक्रम देव दत्त से मुलाकात कर धनबाद के कोलकर्मियों एवं बीसीसीएल श्रमिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान की मांग की। विधायक ने सचिव को विस्तृत लिखित मांग पत्र भी सौंपा। मुलाकात के दौरान विधायक सिन्हा ने बीसीसीएल एवं केंद्रीय चिकित्सालय जगजीवन नगर से जुड़े कई गंभीर मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने सेंट्रल अस्पताल को सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल बनाने, आयुष्मान भारत योजना लागू करने तथा अस्पताल में डॉक्टर, नर्स, फार्मासिस्ट, रेडियोलॉजिस्ट एवं अन्य सहायक कर्मियों की तत्काल नियुक्ति की आवश्यकता बताई। साथ ही चिकित्सकों की सेवानिवृत्ति आयु 65 वर्ष करने की मांग भी उठाई। विधायक ने दो वर्षों से रिक्त पड़े केंद्रीय औद्योगिक न्यायाधिकरण (CGIT-2) में जज की नियुक्ति, मेडिकल अनफिट श्रमिकों के आश्रितों को नियोजन, ओपनकास्ट खदानों से उपजे धूल प्रदूषण के समाधान, आउटसोर्सिंग श्रमिकों की कटी हुई एचपीसी राशि को सीएमपीएफ में जमा कराने, श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा, आवास एवं चिकित्सा सुविधाएँ उपलब्ध कराने जैसी कई महत्वपूर्ण माँगें रखीं। इसके अलावा, उन्होंने पेंशन रिव्यू, कैशलेस उपचार के लिए स्मार्ट कार्ड, तथा आउटसोर्सिंग ब्लास्टिंग से प्रभावित ग्रामीणों को एचपीसी पॉलिसी के तहत मुआवजा एवं विस्थापन लाभ देने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। विधायक सिन्हा ने कहा कि कोयला उद्योग धनबाद की जीवनरेखा है और श्रमिकों के हितों की रक्षा करना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार श्रमिक हितों के लिए लगातार कार्य कर रही है। सचिव विक्रम देव दत्त ने आश्वासन दिया कि सभी मुद्दों पर संवेदनशीलता से विचार कर अविलंब कार्रवाई की जाएगी। मुलाकात के दौरान उटऊ मनोज अग्रवाल, बालमुकुंद राम, हर्ष सिंह, मनोज मालाकार सहित अन्य मौजूद थे।

सरकारी योजना को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का लक्ष्य : आशा देवी

धनबाद, संवाददाता

बलियापुर प्रखंड के दूधिया पंचायत में आज शुक्रवार को आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सर्वप्रथम अतिथियों को बुके देकर सम्मानित किया गया, तत्पश्चात शिविर का विधिवत उदघाटन फीता काट कर तथा दीप प्रज्ज्वलित कर प्रखंड उप प्रमुख आशा देवी, विधायक प्रतिनिधि देवाशीष पांडे, मुखिया उत्तम कुमार चौबे, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष हैदर अंसारी, उप मुखिया अख्तर अंसारी ने किया। आज के शिविर में भारी भीड़ देखी गई। सभी विभागों का अलग अलग काउंटर लगाया गया था। मैया सम्मान योजना, किशोरी समृद्धि योजना, मुख्यमंत्री कन्यादान योजना, अबुआ और पीएम आवास, सर्वजन पेंशन योजना, राशन कार्ड, बिजली विभाग, शिक्षा विभाग, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग आदि योजना पर आवेदन लिया गया। इस अवसर पर उप प्रमुख आशा देवी ने कहा कि झारखंड सरकार का यह एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है, जिसमें पूरी सरकारी व्यवस्था आपके द्वार आया है। इसका उद्देश्य यह है कि सरकार के सभी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक सीधे पहुंचे। और यह कार्यक्रम तभी सार्थक होगी जब योजनाओं का लाभ अधिक लोगों को मिले।

बोकारो थर्मल के गोविंदपुर में पंचायत भवन में लगा सरकार आपके द्वार कार्यक्रम

बोकारो, संवाददाता

बोकारो थर्मल के गोविंदपुर ई पंचायत सचिवालय भवन में सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन शुक्रवार को किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन जीप सदस्य शहजादी बानो,मुखिया विश्वनाथ महतो, पंचायत समिति सदस्य अनीता देवी ने विधिवत दीप प्रज्वलित कर किया। जीप सदस्य शहजादी बानो ने बताई की सरकार आपके द्वार के माध्यम से सरकार के हर योजनाओं को आपके द्वारा पहुंचाया जायगा । अगर किसी कारण वश आपके कार्य को पूरा नहीं होता हैं तो आपके कार्य के लिए प्रखंड कार्यालय हमेशा तत्पर हाजिर रहेगा। वहीं मुखिया विश्वनाथ महतो ने कहा की आज सरकार महिलाओं के लिए आगे बढ़कर कार्य कर रहीं हैं आज महिलाएं सवालम्बी बन रहीं हैं। इसका हिस्सेदारी हम सभी को मिलजुलकर लाभ लेना चाहिए। सरकार आपके द्वार के तहत हर योजनाओं को पहुंचाया जा रहा हैं, जनता मो लाभ लेने की जरुरत हैं। इसका लाभ हर परिवार को लाभ उठानी चाहिए। पंचायत समिति सदस्य अनीता देवी ने बताई अगर किसी भी प्रकार का इस आयोजन में अपना फार्म नहीं भर सके तो वह पंचायत प्रतिनिधि से मिलकर अपना समस्या का समाधान कर सकेंगे। वहीं कई योजनाओं का वितरण कर गोद भराई किया गया। मौके पर उप मुखिया कोकिल कुमार महतो, पंचायत सचिव नरेश कुमार यादव, वार्ड सदस्य महेश महतो,आशा देवी, पिंकी देवी, गोविन्द महतो, पंचायत प्रतिनिधि सुनील महतो, जेएसएलपीएस के रेशमा भारती, सावित्री देवी, गीता देवी, बसंती देवी, रुक्मणि देवी, घनश्याम महतो आदि लोग उपस्थित थें।

उपायुक्त ने टाउन हॉल में डीएमएफटी न्यास परिषद की बैठक की तैयारियों का लिया जायजा

बोकारो, संवाददाता

जिला उपायुक्त अजय नाथ झा ने शनिवार को प्रस्तावित डीएमएफटी न्यास परिषद की बैठक को लेकर टाउन हॉल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बैठक स्थल की व्यवस्थाओं, सुरक्षा प्रबंधन, संचालन प्रक्रिया और तकनीकी संसाधनों का बारीकी से जायजा लिया। निरीक्षण के क्रम में डीसी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि बैठक के मद्देनजर सभी तैयारियां समय पर पूर्ण की जाएं। उन्होंने साफ-सफाई, बैठने की व्यवस्था, विद्युत प्रणाली, ध्वनि व्यवस्था और अन्य सुविधाओं को पूरी तरह दुरुस्त रखने का आदेश दिया। डीसी ने कहा कि डीएमएफटी न्यास परिषद की बैठक जिला विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, इसलिए सभी विभाग यह सुनिश्चित करें कि किसी प्रकार की कमी न रहे। निरीक्षण के दौरान डीडीसी शताब्दी मजूमदार, अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, अपर नगर आयुक्त संजीव कुमार, एनडीसी प्रभाष दत्ता, डीएमओ रवि कुमार, डीपीआरओ रवि कुमार, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह समेत अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

जन-जन तक सरकार की पहुंच, अधिकार सबको मिले हो सुनिश्चित : सुधीर मंगलेश

बोकारो, संवाददाता

दुलमी प्रखंड के सोसो पंचायत व पोटमदगा पंचायत सचिवालय में आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम एवं सेवा का अधिकार सप्ताह के तहत कार्यक्रम में मुख्य अतिथि दुलमी प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष श्री सुधीर मंगलेश सीओ किशोरी यादव ने दीप प्रज्वलित कर शिविर का विधिवत शुभारंभ किया। सहित कई पदाधिकारी उपस्थित रहे। शिविर में बड़ी संख्या में आए ग्रामीणों को विभिन्न सरकारी योजनाओं की विस्तृत एवं उपयोगी जानकारी प्रदान की गई। मुख्य अतिथि सुधीर मंगलेश ने कहा सरकार का उद्देश्य है कि प्रत्येक जनसेवा अब आपके द्वार पर उपलब्ध हो। इस शिविर के माध्यम से ग्रामीणों की जरूरतों और समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है।

आम जनता को योजनाओं का लाभ बिना किसी परेशानी के मिले यही हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि जॉब कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, आय एवं निवास प्रमाण पत्र, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, दाखिल-खारिज, वृद्धा-विधवा-दिव्यांग पेंशन सहित अनेक सेवाओं से संबंधित आवेदनों का ऑन-द-स्पॉट निवारण किया जा रहा है, जिससे ग्रामीणों को बारम्बार प्रखंड कार्यालय नहीं जाना पड़े। मौके पर चिकित्सक प्रभारी राजकुमार चौधरी आत्मा से अनुपमा टोप्पो मुखिया उर्मिला देवी रजू देवी, पंचायत समिति गोपाल प्रसाद उपमुख्यमता देवी पंचायत सेवक शिवशंकर महतो, राजीव कुमार, बबलू कुमार प्रकाश चटर्जी, ममता कुमारी रोजगार सेवक राजेश दास रामकुमार सिन्हा कलाम अंसारी अजय भोक्ता लालचंद ठाकुर मनोज कुमार मृत्युंजय कुमार व्योम प्रखंड एवं सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित थे।

ढोरी के फोरमैन सुबोध कुमार को दी गई भावभीनी विदाई

बोकारो, संवाददाता

सीसीएल एएडीओसीएम केअंतर्गत ढ़ोरी इस्ट पंप साइड में कार्यरत फोरमैन सुबोध कुमार 30 नंवबर को रिटायर होने वाले है. शुक्रवार को सह कर्मियो विदाई समारोह का आयोजन किया। जिसमें फोरमैन सुबोध कुमार को अंग वस्त्र और पुष्प-गुच्छ भावभीनी विदाई दी गई। के सभी कर्मचारियों को उनके सम्मान में विदाई दी गई।

इस अवसर पर वरीय मजदूर नेता साघू बाउरी और फोरमैन बादल पांडेय ने कहा कि फोरमैन सुबोध कुमार ने पूरी तरह से इमानदारी से अपनी सेवाएं दी हैं काम करते समय उन्होंने अपने सीनियर को अपने काम से कभी निराश नहीं किया। साथ ही फील्ड में काम करने वाले कर्मचारियों के साथ उनके पारिवारिक संबंध बने, जिसका लाभ विभाग को भी मिला। इस अवसर पर फोरमैन अर्जुन रविदास सहित गोपाल नायक, प्रदीप कुमार सिंह, ललन नोनिया, अंमित कुमार, रोजन दिगार, मुकेश कुमार, राज कुमार बाउरी, रामाकांत, बादल चंद्र महतो, रामेश्वर महतो, मोहिलाल बाउरी, राजेश बाउरी अनिल करमाली, बप्पी आदि दर्जनो लोग मौजूद थे।

10 लाख महिलाओं के खातों में डाले गए 10-10 हजार

हमने जो भी वादे किए हैं सभी पूरे करेंगे। पहले वाली सरकार ने कोई काम नहीं किया। केंद्र सरकार भी हमारी पूरी मदद कर रही है। महिलाओं के लिए पहले भी किया, अब भी कर रहे हैं। आगे भी करते रहेंगे।

नीतीश कुमार
मुख्यमंत्री, बिहार

पटना। दिल्ली में कांग्रेस ने गुरुवार को हार पर मंथन किया। बैठक में कैंडिडेट्स के बीच जमकर हंगामा हुआ। एक दूसरे को गोली मारने तक की धमकी दी गई। बिहार चुनाव में हार का ठीकरा तेजस्वी पर भी फोड़ा गया। कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम के इस्तीफे की भी खबर है। इधर, सरकार बनने के बाद पहली बार आज नीतीश कुमार महिलाओं के खातों में 10-10 हजार रुपए ट्रांसफर किए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत 10 लाख और जीविका दीदियों के खाते में 10-10 हजार रुपए की राशि ट्रांसफर की इस कार्यक्रम में बिहार के अलग-अलग जिलों से जीविका दीदियां जुड़ीं। एक दीदी ने कहा कि, मैंने भगवान से प्रार्थना की थी कि इस बार चुनाव में नीतीश भइया ही जीतें। देखिए आप जीत गए। ये सुनकर मुख्यमंत्री मुस्कुरा दिए। मंत्री विजय चौधरी ने कहा, आपने प्रार्थना की इसके लिए सरकार भी आपको धन्यवाद देती है। बाकी दीदियों ने भी मुख्यमंत्री को योजना के लिए धन्यवाद दिया। इस दौरान महिलाओं को संबोधित करते हुए नीतीश कुमार ने कहा, पहले 1 करोड़ 46 लाख महिलाओं में राशि दी जा चुकी है। कुल मिलाकर 1 करोड़ 56 लाख महिलाओं को इसका फायदा पहुंचाया गया है।

जो महिलाएं अपना अच्छा काम करेंगी उन्हें 2 लाख तक की मदद दी जाएगी। जो महिलाएं बची हैं उन्हें अगले महीने तक राशि दे दी जाएगी इससे पहले नीतीश सुबह अचानक सचिवालय पहुंचे। उन्होंने घूम-घूमकर ऑफिस देखे। विभागों का निरीक्षण किया और अधिकारियों को निर्देश दिए। दिल्ली में बिहार विधानसभा चुनाव में करारी हार की समीक्षा बैठक में जमकर हंगामा हुआ। कांग्रेस के बड़े नेताओं की मौजूदगी में प्रत्याशियों के बीच गाली-गलौज से लेकर गोली मारने की धमकी दी गई। इसके बाद राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे ने बिहार चुनाव में कांग्रेस के प्रत्याशियों के साथ बैठक की। बैठक के बाद पार्टी की ओर से आधिकारिक बयान आया। पार्टी ने कहा-बिहार चुनाव में हमारे वोट चोरी हो गए फिर भी कांग्रेस का वोट बढ़ गया है। कुछ कैंडिडेट्स ने हार का ठीकरा तेजस्वी पर भी फोड़ा। चर्चा है कि, पार्टी नेतृत्व की ओर से उम्मीदवारों की रिपोर्ट लेने से पहले ही प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने इस्तीफा दे दिया। हालांकि, पार्टी नेतृत्व की ओर से इस इस्तीफे पर अभी तक कोई फैसला नहीं हुआ है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष का पक्ष जानने की कोशिश भास्कर की ओर से की गई, लेकिन उन्होंने कॉल रिसीव नहीं की।

पालीगंज सब्जी बाजार का स्थान बदला गया

पटना। जिले के पालीगंज में लंबे समय से चली आ रही यातायात जाम और सड़क पर अव्यवस्था की समस्या को देखते हुए एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। बाजार रोड पर लगने वाले दैनिक सब्जी बाजार को अब पानी टंकी के पास एक नए स्थान पर स्थानांतरित कर दिया गया है। इस कदम से क्षेत्र में यातायात सुगम होने और धूल की समस्या कम होने की उम्मीद है। पुराने बाजार में भीड़ और जाम से भारी परेशानी पुराना सब्जी बाजार सुबह से शाम तक भारी भीड़ और वाहनों की लंबी कतारों का कारण बनता था, जिससे मुख्य सड़क का अधिकांश हिस्सा अवरुद्ध रहता था। नए स्थल पर बाजार अधिक खुला और व्यवस्थित है, जिससे विक्रेताओं और खरीदारों दोनों को सुविधा होगी। मुख्य सड़क हुई पूरी तरह खुली बाजार के पुराने स्थान पर होने से विशेष रूप से स्कूल जाने वाले बच्चों, कार्यालय कर्मचारियों और दैनिक यात्रियों को आवागमन में भारी कठिनाई का सामना करना पड़ता था। स्थानांतरण के बाद मुख्य सड़क पूरी तरह से खुली दिखाई दी है, जिससे आवाजाही आसान हो गई है। बाजार हटते ही धूल की समस्या में आई कमी पहले सब्जी बाजार के बीच से गुजरने पर धूल-कणों की अधिकता रहती थी, जिससे स्वास्थ्य संबंधी चिंताएं बढ़ रही थीं। बाजार हटने से सड़कें साफ-सुथरी दिख रही हैं और हवा में धूल का स्तर भी कम हुआ है, जिससे पर्यावरण और स्वास्थ्य दोनों को लाभ हुआ है। विक्रेताओं को मिल रही बेहतर सुविधा सब्जी विक्रेता शंभु महतो ने बताया कि उन्हें नए स्थान पर सारी सुविधाएं मिल रही हैं। दुकानदार दीपक ने भी कहा कि यहां पर्याप्त जगह होने के कारण लोग बढ़िया से खरीदारी कर पा रहे हैं। विक्रेताओं का कहना है कि खुले स्थान के कारण दुकानें आसानी से लगाई जा रही हैं और खरीदारों को भी भीड़भाड़ का सामना नहीं करना पड़ेगा। स्थानीय लोगों ने बदलाव को लेकर राहत व्यक्त कीस्थानीय लोगों ने इस कदम पर राहत व्यक्त की है। स्थानांतरण के बाद सुबह से ही दुकानदार नए स्थल पर पहुंचने लगे और बाजार सुसंगठित तरीके से स्थापित हो गया। बाजार के स्थानांतरण के दौरान उमेश कुमार, राजीव, अविनाश कुमार और प्रियांशु उपस्थित रहे, जिन्होंने व्यवस्था सुनिश्चित करने में सहयोग किया।

पटना के मुन्नाचक में रिसेप्शन पार्टी के दौरान हर्ष फायरिंग

पटना। के चित्रगुप्त नगर में गुरुवार देर रात हर्ष फायरिंग का मामला सामने आया है। शादी के रिसेप्शन पार्टी में हर्ष फायरिंग के दौरान एक मासूम को गोली लगी है। फिलहाल, घायल को अस्पताल में एडमिट कराया गया है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दूल्हा पक्ष के लोगों से घटना को लेकर पूछताछ की गई।मुन्नाचक में रिसेप्शन पार्टी की घटना यह घटना गुरुवार देर रात लगभग 11:30 बजे का बताया जा रहा है। मुन्नाचक में रिसेप्शन पार्टी चल रही थी। इसी दौरान दूल्हा पक्ष की ओर से एक युवक हवाई फायरिंग करने लगा। तकरीबन 6 से 7 राउंड उसने फायरिंग की। इसी बीच एक गोली 6 साल के बच्चे के पांव में लग गई, जिसे परिजन अस्पताल लेकर भागे। इस घटना के बाद रिसेप्शन पार्टी में भगदड़ मच गई। आरोपी की हुई पहचान अवर सदर अभिनव कुमार ने बताया, 'मुन्नाचक में गुलशन नाम के शख्स की रिसेप्शन पार्टी चल रही थी। इसी दौरान पार्टी में शामिल एक शख्स ने हवाई फायरिंग किया। गोली एक 6 वर्षीय मासूम के पांव में लग गई। फिलहाल, आरोपी फरार है और उसकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।

100 की स्पीड में स्कॉर्पियो ने घोड़े-घुड़सवार को उड़ाया

बेगूसराय। में शादी के बाद घोड़े के साथ लौट रहे घुड़सवार को स्कॉर्पियो ने उड़ा दिया। मौके पर ही घोड़े और घुड़सवार की मौत हो गई। मृतक की पहचान सिहमा गोसाई टोला के 21 साल के वशिष्ठ कुमार के रूप में हुई है।वशिष्ठ के साथ 2 और घुड़सवार शादी से लौट रहे थे। उन्होंने बताया कि स्कॉर्पियो की स्पीड 90-100 के आसपास थी। हम दोनों साइड में चल रहे थे। वशिष्ठ सड़क के बीच में था, सामने से सफेद रंग की स्कॉर्पियो आई उसे उड़ा दिया।टक्कर लगते ही वो हवा में 10 फीट उछलते हुए सड़क पर गिरा। वो घोड़े के ऊपर बैठा था, इसलिए घोड़ा भी 5 फीट दूर जा गिरा। हादसे के बाद हमने जाकर देखा तो दोनों की मौत हो चुकी है।स्कॉर्पियो का ड्राइवर गाड़ी छोड़कर भाग गया। इसके बाद डायल 112 को इसकी सूचना दी। खजड़ की मदद से घोड़े को सड़क से हटाया गया।पुलिस ने लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। स्कॉर्पियो को जब्त कर लिया गया है। हादसा मटिहानी थाना क्षेत्र में गुरुवार रात हुआ।वशिष्ठ के चाचा राजेश कुमार ने बताया कि, 'वो 2 भाइयों में बड़ा था। परिवार का कमाऊ सदस्य था। घोड़ा के सहारे परिवार का भरण पोषण करता था। वह शादी सहित समारोह में प्रदर्शन के लिए घोड़ा लेकर जाता था। उससे जो पैसा मिलता था, उससे उसका घर चलता था।गुरुवार को अपने गांव के पांच लोगों के साथ घोड़ा लेकर पर्रा गांव एक शादी में गए थे। रात में बारात दरवाजे पर लगने के बाद वह घर लौट रहा था। रास्ते में पर्रा के पास सामने से आ रही ओवर स्पीड स्कॉर्पियो ने कुचल दिया। तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने टक्कर मार दी।टक्कर इतनी जोरदार थी कि घोड़ा और वशिष्ठ दोनों सड़क पर गिर गया। स्कॉर्पियो का भी अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। इस बीच ड्राइवर मौके से भाग निकला। साथ चल रहे घुड़सवारों ने डायल-112 पर फोन किया। वीरपुर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। लाश को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया।' पंचायत के पूर्व मुखिया ने जताया दुख वहीं, हादसे की जानकारी मिलने के बाद बीजेपी नेता और सिहमा पंचायत के मुखिया संजीव सिंह सदर हॉस्पिटल पहुंचे। परिवार का ढांढस बंधाया। घटना पर दुख जताते हुए कहा कि वशिष्ठ अच्छा घुड़सवार था। काफी मिलनसार था। तेज रफ्तार ने उसकी जान ले ली। प्रशासन से पीड़ित परिवार के लिए मुआवजे की मांग करते हैं।

सीवान जेल से रची गई ज्वेलरी लूटकांड की साजिश

सीवान। के रघुनाथपुर में ज्वेलरी शॉप से 30 लाख की लूट हुई। कृष्णा ज्वेलर्स खुलने के थोड़ी देर बाद 2 बाइक से 6 अपराधी आए। कृष्णा ज्वेलर्स के मालिक कृष्णा सोनी ने बताया कि वो गुरुवार की दोपहर 12 बजे के आसपास बेटे अंकित के साथ दुकान पर थे। दो महिलाएं ज्वेलरी खरीद रही थीं। 12:05 पर दो अपाचे बाइक पर सवार 6 युवक दुकान पर पहुंचे। एक ने पिस्तौल कनपटी पर लगा दी। दूसरे ने बेटे को जान से मार देने की धमकी देकर अलमीरा की चाबी छीन ली। फिर बंधक बनाकर 2 मिनट में सारे आभूषण बोरे में भर लिए। हमने शोर मचाया तो एक अपराधी दुकान में ही गोली चलाने लगा। टारी बाजार रघुनाथपुर मुख्यालय से सिर्फ 100ट दूर और घनी आबादी वाला इलाका है।प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि जब बदमाश हथियार लहराते हुए आए, तब आसपास पुलिस तो दूर, कोई सुरक्षा व्यवस्था नजर नहीं आई। अपराधियों को माल समेटने और फायरिंग करते हुए भागने में कुल 2-3 मिनट लगे, लेकिन पुलिस के पहुंचने में काफी देर हो गई।जेल से रची गई साजिशगुरुवार को दिनदहाड़े रघुनाथपुर थाना क्षेत्र के टारी बाजार में हुई लूट की यह पूरी घटना जेल से जुड़ी है। जेल में बंद कुख्यात रणजीत इस लूट का मास्टरमाइंड है। उसे जमानत के लिए रुपए चाहिए थे। इसी को जुटाने के लिए उसने जेल से ही इस लूट की प्लानिंग की। अपने गुर्गों की मदद से उसने लूट कराई।फास्ट फूड दुकानदार दुर्गा प्रसाद ने बताया कि, मैं अपने ठेले पर काम कर रहा था तभी 2 बाइक पर सवार 6 नकाबपोश बदमाश पहुंचे। 3 अपराधी दुकान में घुस गए और 3 बाहर खड़े होकर लगातार हवाई फायरिंग करते रहे।उन्होंने मुझ पर भी गोली चलाई, लेकिन मैं ठेले के नीचे बैठ गया जिससे जान बच गई। स्थानीय लोगों ने हिम्मत दिखाते हुए अपराधियों पर ईंट-पत्थर फेंके, जिसके बाद बदमाश चैनपुरहसनपुरा की ओर भागने लगे। कुछ युवकों ने साहस का परिचय देते हुए पीछा किया और एक अपराधी को पकड़ने में कामयाबी हासिल की। दुकान के मालिक कृष्णा सोनी ने बताया कि, 'मैं अपने बेटे अंकित और 2 ग्राहकों के साथ बैठा था, तभी 3 हथियारबंद अपराधी अंदर घुसे और कान पर बंदूक तानते हुए गहने और पैसे की मांग की। मैंने डर के मारे सब कुछ उनको सौंप दिया। लुटेरे 20 हजार कैश और लगभग 30 लाख के सोने-चांदी के आभूषण बोरे में भरकर ले गए। लूटे गए सामान में करीब 300 ग्राम सोना और 4-5 किलो चांदी शामिल है। शादी का सीजन होने के कारण दुकान में घर की महिलाओं के गहने भी रखे गए थे, जिन्हें भी अपराधी उठा ले गए।' बेटे अंकित सोनी ने बताया कि, 'मैं मोबाइल पर किसी से बात कर रहा था तभी एक अपराधी के द्वारा आकर गाल पर जोड़ से थप्पड़ मारा और गोली मारने की बात बोली, जिसके बाद मेरे पापा ने गोली नहीं मारने की विनती की, मेरे पापा ने डरकर कहा मैं सब कुछ तुम्हें दे दूंगा। इसके बाद वे लोग ज्वेलरी और कैश एक बोरा में भरकर मौके से फरार हो गए। घटना के बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी गई और कुछ युवकों ने पीछा किया और एक अपराधी को पकड़ लिया।' SP मनोज कुमार तिवारी ने बताया कि दुकान मालिक के बयान के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है। घटनास्थल का निरीक्षण किया गया है और एसडीपीओ के नेतृत्व में टीम गठित कर छापेमारी चल रही है। अब तक एक अपराधी की गिरफ्तारी हुई है और उसके बयान के आधार पर अन्य की तलाश जारी है। हालांकि, स्थानीय लोगों का कहना है कि बार-बार होने वाली आपराधिक घटनाओं के बावजूद पुलिस केवल बयानबाजी तक सीमित रहती है। घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं और अपराधी बेखौफ होते जा रहे हैं। घटना के बाद दुकान मालिक ने तुरंत पुलिस को सूचना दी, लेकिन स्थानीय लोगों में नाराजगी इस बात को लेकर है कि पुलिस की सक्रियता बेहद कमजोर रही। बाजार इतना घना होने के बावजूद अपराधी बिना किसी खौफ के हवाई फायरिंग करते हुए भाग निकले। लोगों का कहना है कि गश्त की व्यवस्था केवल कागजों में है, जमीन पर नहीं। अगर पुलिस की पेट्रोलिंग ठीक रहती तो अपराधियों का इस तरह खुलेआम वारदात कर निकल जाना नामुमकिन होता।

आलम ने जबरन संबंध बनाए, गौमांस खाने को कहता था

महिला बोली- पेपर पर लिखवाया- 3 महीने मेरी हो; उसकी पत्नी कहती- इसे पीटो, मुस्लिम बनाओ

आलम मेरे साथ जबरन संबंध बनाता था। विरोध करने पर मारपीट करता था। उसकी पत्नी सब जानती थी। वो कहता था 3 महीने की डील हुई है तुमको मैं जो कहूंगा करना होगा

पीड़ित महिला

अररिया। में एक शादीशुदा महिला ने आलम नाम के शख्स पर जबरन शारीरिक संबंध बनाने का आरोप लगाया है। महिला का कहना है कि आलम उसे जबरन घर से ले गया और एक महीने अलग-अलग जगहों पर बंधक बनाकर रखा।महिला का आरोप है कि आलम उसे गौमांस खाने को कहता था। नमाज भी पढ़वाता था। जब मैं भगवान का नाम लेती थी तो वो थप्पड़ मारता था।आलम की पत्नी कहती थी, इसके इसके साथ शारीरिक संबंध बनाओ और मुस्लिम बनाओ। महिला का कहना है कि आलम मेरे पति का दोस्त है। उसने दोस्ती की आड़ में पति के मोबाइल से मेरा नंबर ले लिया था। वो 2 बार मुझे दिल्ली भी ले गया था।अररिया व्यवहार न्यायालय में गुरुवार को फारबिसगंज थाना क्षेत्र की एक विवाहित महिला ने 8 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया है। महिला का कहना है कि, नरपतगंज थाना क्षेत्र के पलासी गांव निवासी आरोपी मो. आलम आजाद ने उसे फोन पर झांसा दिया कि उसकेपति ने उसे बुलाया है।विश्वास में आकर वह घर से निकली तो आलम आजाद उसे जबरन अपनी कार में बैठाकर सुपौल जिले के वीरपुर प्रखंड के भीमपुर गांव ले गया। जहां उसने दो दिन तक मेरे साथ रेप किया। महिला का कहना है मैं पढ़ी नहीं हूं। इसका फायदा उठाकर उसने मुझसे एक पेपर पर साइन करवा लिया। किसी ने मुझे बताया कि उसने तुमसे उस कागज पर साइन करवा है, जिसमें लिखा है कि तुम 3 महीने तक उसके साथ रहने को तैयार हो। मैंने जब इसका विरोध किया तो वो मुझसे मारपीट करने लगा। वो कहता था कि 3 महीने के लिए तुम मेरी हो।2 बार दिल्ली ले गया, वहां भी संबंध बनाया महिला का कहना है कि कुछ दिनों तक उसने मुझे अपने घर में रखा। उसकी बीवी भी वहीं रहती थी। जब भी मैं आलम के साथ संबंध बनाने से मना करती थी वो मारपीट करता था। उसकी पत्नी कहती थी इसको गौमांस खिलाकर मुस्लिम बनाओ।मेरे विरोध करने पर वो मेरे बच्चों और पति को मार देने की धमकी देता था। एक दिन वो फारबिसगंज से मुझे सहरसा ले गया। वहां से वो मुझे दिल्ली ले गया। दिल्ली में भी वो मेरे साथ जबरदस्ती करता था। कुछ दिनों पहले वो मुझे दिल्ली से लेकर फिर अपने घर लौटा। बुधवार(26 नवंबर) को मैंने आलम से कहा कि मुझे जाने दो वरना मैं अब सुसाइड कर लूंगी। मैंने आलम से यह भी कहा कि मैं किसी से कुछ नहीं कहूंगी ना ही तुम्हारी किसी से शिकायत करूंगी। इसके बाद उसने मुझे जाने दिया। गुरुवार को मैंने कोर्ट में उसके खिलाफ केस किया है। 2 बच्चों की मां है प्रेमिकामहिला का कहना है कि, 2009 में मेरी शादी हुई थी। मेरे दो बेटे हैं। महिला के मुताबिक उसके पति पूर्णिया में एंबुलेंस चालक हैं। वो अररिया में 2 बेटों और सास के रहती है। पति पूर्णिया में ही रहते हैं, वो छुट्टी मिलने पर आते हैं। महिला ने बताया कि, आलम मेरे पति के साथ कभी कभी घर आता था। उसने एक दिन मेरे पति के मोबाइल से मेरा नंबर निकाल लिया। उसके बाद वो फोन करने लगा। बिना बताए वो मेरे घर भी आ जाता था। मैंने इसके लिए उसे मना भी किया था, लेकिन वो नहीं मानता था। उसने मेरे साथ गलत किया है। मुझे इंसाफ मिलने चाहिए।

संक्षिप्त डायरी

प्राइवेट फायर एंड सेफ्टी एकेडमी को बुलडोजर से तोड़ा

दरभंगा। में जमीन विवाद में फायरिंग और तोड़फोड़ की गई है। एक पक्ष के लोगों ने प्राइवेट फायर एंड सेफ्टी एकेडमी को बुलडोजर चलाकर तोड़ दिया। कॉलेज में स्टूडेंट भी रह रहे थे। 4-5 छात्रों के घायल होने की भी सूचना है। तोड़फोड़ की सूचना पर कॉलेज के संचालक रहबर आलम अपने बेटों के साथ मौके पर पहुंचे। उन पर भी फायरिंग की बात सामने आ रही है। घटनास्थल से 2 खोखे बरामद हुए हैं। तोड़फोड़ फायरिंग की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों का गुस्सा भड़क उठा। तारसराय मुरिया-रैयाम-जीरो माइल सहित पांच जगहों पर सड़क जाम कर दिया। दोषियों की गिरफ्तारी और तत्काल कार्रवाई की मांग पर अड़े रहे। करीब डेढ़ घंटे तक रोड जाम रखा। इस दौरान दोनों लेन में वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। घटना बालपट्टी थाना क्षेत्र के मुड़िया की है। संचालक रहबर आलम ने कहा कि मुड़िया निवासी सद्दाम और नेमतुल्लाह (राजा भट्ठा मालिक का बेटा) ने कॉलेज पर हमला किया है। 10 साल से मुझे परेशान किया जा रहा है। जेसीबी लाकर मेरे पूरे घर को तबाह कर दिया गया। अगर 24 घंटे में कार्रवाई नहीं हुई तो हम लोग धरने पर बैठ जाएंगे। कई छात्र भी घायल हुए हैं। जाम की सूचना पर सदर एसडीपीओ राजीव कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पहुंचे। लोगों को समझा बुझाकर मामले को शांत कराया। उन्होंने बताया कि मामला जमीनी विवाद का प्रतीत होता है। एक पक्ष की ओर से जबरन तोड़फोड़ की गई है, जो साफ दिख रहा है। आवेदन के आधार पर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। अगर फायरिंग की पुष्टि होती है, तो संबंधित आरोपियों पर अतिरिक्त धाराएं लगाई जाएंगी। मौके से दो खोखा बरामद होने की बात भी स्वीकार की है। जांच के बाद ही स्पष्ट होगा कि घटना पूर्व नियोजित थी या किसी ने बदमाशी की नीयत से अंजाम दिया है। पुलिस की तैनाती बढ़ा दी गई है।

ऑटो में लड़के इधर-उधर छूते हैं, गंदे कमेंट्स करते हैं

पटना। 'बिहार के डिप्टी CM सम्राट चौधरी ने गृह मंत्री बनते ही एक बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने महिलाओं और छात्राओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पिंक पुलिस की तैनाती का ऐलान किया है। अब स्कूल और कॉलेजों के पास पुलिस तैनात रहेगी। डिप्टी CM ने कहा कि अब रोमियो की खैर नहीं। इस फैसले से पटना के कॉलेजों में पढ़ रही छात्राएं काफी खुश हैं। उन्होंने बताया कि ऑटो में लोग हमें छूने की कोशिश करते हैं। सीने पर दुपट्टा होने के बाद भी गंदी नजरों से देखते हैं। सरकार के इस फैसले से लड़कियों में कॉन्फिडेंस आएगा, वह डरा हुआ महसूस नहीं करेंगी। इसके साथ ही हमें ऐसा लगेगा कि कोई गार्जियन के जैसा हमें सपोर्ट कर रहा है।संगम कुमारी ने बताया, 'सम्राट चौधरी का यह फैसला बहुत सही है। इस फैसले से लड़कियों के अंदर कॉन्फिडेंस आएगा और वो डरी हुई महसूस नहीं करेंगी। मैंने एक लड़की होते हुए कई बार असुरक्षित महसूस किया है। कॉलेज से जब ऑटो में बैठती हूं और अकेले रहती हूं तो ड्राइवर सुनसान रास्तों से ले जाने की कोशिश करता है। लड़कों का नेचर पता नहीं होता है कि वह किस नजर से देख रहे हैं।' अनुराधा ने कहा, 'सम्राट चौधरी ने लड़कियों की सेफ्टी को लेकर बहुत अच्छी बात बोली है। हम लोगों को भी कॉलेज के बाहर निकलने पर काफी प्रॉब्लम होती है। कई बार तो लड़कों के कमेंट सुनकर अनसुना करना पड़ता है। अगर सरकार हमें सेफ्टी दे रही है तो हम उनका आभार व्यक्त करते हैं।' किया मंडल ने कहा, 'महिलाओं को कॉलेज से निकलने के बाद कई सारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। यह फैसला गर्ल्स सेफ्टी के लिए काफी जरूरी है। मेरी एक सहेली कॉलेज से लाल ड्रेस पहनकर बिना दुपट्टा के जा रही थी तो एक लड़के ने कमेंट करते हुए कहा कि देखो लाल परी जा रही है। यह सारी बातें काफी डिस्टर्ब करती हैं।' अनींदिता दिव्या ने कहा, 'मैं सरकार के इस फैसले से पूरी तरह सहमत हूं। हमें बाहर बहुत कुछ सुनने को मिलता है जो हम अपने घर पर नहीं बता सकते हैं। अगर कोई गार्जियन के जैसे मेरे सपोर्ट में रहेंगे तो इससे हमें बाहर निकलने में बहुत कॉन्फिडेंस मिलेगा और डर भी नहीं लगेगा।डिप्टी CM सम्राट चौधरी ने महिलाओं और छात्राओं की सुरक्षा को अपनी प्राथमिकता बताते हुए कहा कि 'एंटी रोमियो स्क्वॉड' यूपी मॉडल पर तैयार किया जाएगा। हर स्कूल-कॉलेज के छुट्टी के समय पिंक पुलिस तैनात रहेगी और किसी भी तरह की छेड़खानी पर सीधे कार्रवाई होगी। डिप्टी CM ने साफ कहा था कि अगर किसी भी महिला से छेड़खानी हुई तो आरोपी तो गिरफ्तार होगा ही, लेकिन लापरवाही करने वाली पुलिस पर भी कार्रवाई होगी।

पूर्णिया में 2 टन प्रतिबंधित थाई मांगुर मछली बरामद

पूर्णिया। में डंगराहा ओपी की पुलिस और मत्स्य विभाग ने दो मिनी ट्रक पर लदे 2 टन प्रतिबंधित थाई मांगुर मछली को नष्ट कराया है। मत्स्य विभाग पटना से पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि क्षेत्र से प्रतिबंधित मछलियों की बड़ी खेप गुजरने वाली है। ओपी पुलिस ने नाकाबंदी कर दोनों मिनी ट्रकों को पकड़ा और इस पर लदे 2 टन मछलियों को नष्ट कराया। पुलिस ने मौके से पश्चिम बंगाल के मालदा जिले के रहने वाले ड्राइवर मो.आमिन, सुरजापुर निवासी मो. इमदाउल हक, देवाशी दास और अनिमेश गुप्ता को पकड़ा। बाद में पीआर बाउंड पर छोड़ दिया गया। मामला बायसी थाना क्षेत्र के डंगराहा ओपी से जुड़ा है। गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई बायसी थानाध्यक्ष संजीव कुमार ने बताया कि मत्स्य विभाग की ओर से जानकारी मिली थी कि मिनी ट्रक में भरकर प्रतिबंधित मछली की खेप डंगराहा ओपी क्षेत्र से होकर गुजर रही है। मिली सूचना पर पुलिस हरकत में आई।

राष्ट्रपति बोलीं: आगे बढ़ने नहीं, भीतर झांकने की जरूरत

सीएम योगी ने कहा: आतंकवादी मन की गंदी प्रवृत्तियों से बनते हैं

लखनऊ। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू आज (28 नवंबर) को लखनऊ में हैं। उन्होंने सुल्तानपुर रोड पर गुलजार उपवन में ब्रह्माकुमारीज के समागम में राजयोग प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन किया। राष्ट्रपति 20 साल से ब्रह्माकुमारीज से जुड़ी हैं। उन्होंने समागम में कहा- आज के समय में आगे बढ़ने की नहीं, अपने भीतर झांकने की जरूरत है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में मूल्य शिक्षा भी इसी दिशा में एक कदम है। जी-20 समिट भारत में 2023 में आयोजित की गई थी। उसकी थीम थी वन वर्ल्ड, वन अर्थ, वन फैमिली। इन सब प्रयासों का उद्देश्य विश्व की एकता का संदेश देना रहा। यही काम ब्रह्माकुमारीज का है। संस्था का काम प्रशंसनीय है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के साथ राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और सीएम योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे। सीएम योगी ने कहा कि मन की गंदी प्रवृत्तियां आतंकवाद बनाती हैं। अगर मन संतुष्ट नहीं रहेगा, तो वह विचलित रहेगा, भ्रमित रहेगा। इसका उदाहरण आतंकवाद है। यही वजह है कि पीएम मोदी ने 21 जून को विश्व योग दिवस शुरू कराया। कार्यक्रम में भाग लेने के लिए आज लखनऊ में करीब 1000 स्वच्छ मेहमान पहुंचे। इनमें 400 से अधिक बिजनेसमैन, 100 से ज्यादा डॉक्टर, 300 से ज्यादा प्रशासनिक अधिकारियों को विशेष निमंत्रण भेजा गया है। इसके अलावा, देशभर से 5000 ब्रह्माकुमारीज सदस्य भी शामिल होंगे। भीड़ और ट्रैफिक प्रबंधन के लिए कई विशेष टीमें तैनात की गई हैं। राष्ट्रपति ने कहा- ब्रह्माकुमारीज द्वारा शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयास प्रशंसनीय हैं। ब्रह्माकुमारीज विश्वविद्यालय केवल माउंट आबू में नहीं बल्कि गांव-गांव में इनके भाई-बहन समाज में शांति, प्रेम के संवाहक बनकर जन-जन तक यह संदेश पहुंचा रहे हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी ने कहा- भारत की प्राचीन सभ्यता और संस्कृति ने विश्व को वसुधैव कुटुंबकम्-का संदेश दिया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में मूल्य शिक्षा इसका एक कदम है। जी 20 समिट भारत में 2023 में आयोजित की गई थी। जिसकी थीम थी वन वर्ल्ड, वन अर्थ, वन फैमिली। इस सब प्रयासों का उद्देश्य विश्व को एकता का संदेश देना है। राष्ट्रपति ने कहा कि आज आवश्यक है कि हम आगे बढ़ने की ही नहीं साथ ही स्वयं के भीतर झांकने, देखने की भी यात्रा शुरू करें। जब हम स्वयं से संवाद करते हैं जो हमें पता चलता है कि शांति और सुख कोई बाहरी चीज नहीं वह हमारा आंतरिक अवस्था और गुण है। ब्रह्माकुमारीज के राज्यस्तरीय योग समागम के उद्घाटन में राष्ट्रपति के कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग आए हुए हैं। राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने कहा- आज के इस कार्यक्रम में हम सब शामिल हैं। आज हमारे बीच देश की राष्ट्रपति महामहिम मौजूद हैं। मैं उनका स्वागत व अभिनंदन करती हूं। आज राष्ट्रपति महोदया के आगमन से इस कार्यक्रम ने ऐतिहासिक रूप ले लिया है। हम इस क्षण को कभी नहीं भूलेंगे। यह संस्था आज अनेक राष्ट्रीय निर्माण गतिविधियों में अपना काम कर रही है। हम सभी के लिए यह गर्व का विषय है कि देश की सबसे बड़ी संस्था इस पर काम कर रही है।आज जब मानवता गिरी हुई है तो ऐसे में यह संस्था देश में मनाया को जगाने का काम कर रही है। जब मनुष्य स्वयं को देखना शुरू करता है तो जाति-पाति भेदभाव से मनुष्य दूर हो जाता है।हम सब एक-दूसरे से सहयोग की अपेक्षा रखते हैं। हम सब संकल्प लेते हैं कि हम अपने अंतर्आत्मा को जगाएंगे और राष्ट्रहित में काम करेंगे। सीएम योगी ने कहा- राष्ट्रपति की जनसेवा की भावना से पार्षद से लेकर आज देश की राष्ट्रपति तक सफर रहा है। मैं उत्तर प्रदेश के नागरिकों की तरफ से राष्ट्रपति महोदय का स्वागत करता हूं। हमारे बीच उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेलजी भी मौजूद है। मैं उनका भी आभार देता हूं। जो व्यक्ति मन की संतुष्टि पर काबू पा सकता है वह दुनिया को देख सकता है। अच्छे कार्य कर सकता है। अगर आपने यह नहीं किया तो आपका मन विचलित रहेगा, भ्रमित रहेगा। इसका उदाहरण आज आतंकवाद के रूप में दिख रहा है। याद करिए जब देश के प्रधानमंत्री 2014 में अपना पद संभाल था तो 21 जून की तिथि को विश्व योग दिवस की मान्यता दिलाई। यह सिर्फ इसीलिए था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राष्ट्रपति का जीवन एक शिक्षक के रूप प्रेरक रहा है। शिक्षक, जनसेवक से लेकर राष्ट्रपति भवन तक की उनकी यात्रा संघर्ष की एक मिसाल रही है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि व्यक्ति के बंधन और मोक्ष का कारण उसका मन है। आज दुनिया में जो भी आतंकवाद, उपद्रव है इसके पीछे मन की चंचल प्रवृत्तियां हैं। योगी ने कहा कि मन का एक सकारात्मक पक्ष है जो सकारात्मक प्रवृत्तियों की ओर ले जाता है, वहीं एक नकारात्मक मन नकारात्मक प्रवृत्तियों की ओर ले जाता है। योगी ने कहा कि ब्रह्माकुमारी से जुड़े सभी पदाधिकारी राजयोग के माध्यम से सकारात्मक माहौल का निर्माण कर रहे हैं। यह केंद्र पूरे उत्तर प्रदेश के लिए राजयोग प्रशिक्षण के लिए एक आदर्श प्रस्तुत करेगा। वर्ष 1936 से ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विश्व विद्यालय इसी विश्व एकता और विश्वास को लाने के लिए कार्य कर रहा है। जब तक हम अपने अंदर मनोविकारों को दूर नहीं करेंगे, इन पर विजय प्राप्त नहीं करेंगे तब तक हमारे अंदर एकता और विश्वास नहीं आएगा। भारत को विश्वगुरु बनाने के लिए इस ईश्वरीय विश्वविद्यालय ने यह अभियान शुरू किया है। राधा दीदी ने कहा- हमने बचपन में सुना था कि हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, आपस में सब भाई-भाई। यह सिर्फ एक किताब तक ही रह गया था जिसको हम साकार करने के लिए परमात्मा से शक्ति के प्रति करते हुए उसको सशक्त बनाने के लिए काम कर रहे हैं। कोई भाषा, कोई वस्त्र, न कोई रंग रूप एकता का पाठ नहीं पढ़ा सकता।

मुलायम परिवार की छोटी बहू का गृह प्रवेश, मां ने उतारी आरती

इटावा। मुलायम सिंह यादव परिवार की सबसे नई नवेली दुल्हन ने इटावा में धूमधाम से गृह प्रवेश किया। गृह प्रवेश से पहले नवदंपति आर्यन यादव और सेरिंग, पूर्व सीएम मुलायम सिंह यादव की समाधि पर पहुंचे। दोनों ने उनका आशीर्वाद लिया और फिर अन्य रस्मों के लिए घर पहुंचे। परिवार ने परंपरागत तरीके से दोनों का स्वागत किया। नई दुल्हन सेरिंग का गृह प्रवेश कराने के लिए आर्यन की मां प्रेमलता यादव पूजा की थाली सजाए खड़ी थीं। उन्होंने अपनी नई बहू सेरिंग की बलाएं उतारीं और घर में प्रवेश कराया। इसके बाद आधी रात तक घर में जश्न हुआ। आर्यन, सपा प्रमुख अखिलेश यादव के चचेरे भाई हैं। 25 नवम्बर को सैफई में आर्यन और सेरिंग की शादी हुई थी। इसमें 50 हजार से अधिक गेस्ट पहुंचे थे। आर्यन यादव और सेरिंग की शादी 25 नवम्बर को सैफई में भव्य तरीके से हुई थी। समारोह में अखिलेश यादव, डिंपल यादव, चाचा रामगोपाल यादव, शिवपाल यादव, सांसद अफजाल अंसारी, मोहिबुल्लाह नदवी समेत सपा के सांसद-विधायकों के अलावा योगी सरकार के मंत्री दिनेश सिंह भी पहुंचे थे। गृह प्रवेश के पहले आर्यन अपनी पत्नी सेरिंग को लेकर सैफई में मुलायम सिंह यादव की समाधि पर पहुंचे। दोनों ने पुष्पांजलि अर्पित की। आर्यन ने सेरिंग को मुलायम सिंह यादव से जुड़ी यादें और उनके व्यक्तित्व के बारे में बताया। दोनों करीब 15 मिनट तक वहां थे। इसके बाद सैफई गांव पहुंचे। गांव में सभी बड़े बुजुर्गों के घर पहुंचे और दोनों ने पैर छूकर आशीर्वाद लिया। जगह-जगह नवदंपति की आरती उतारी गई। नई दुल्हन को गिफ्ट्स भी मिले। गुरुवार शाम 7.30 बजे के बाद गृह प्रवेश का मुहूर्त था। आर्यन-सेरिंग शाम करीब साढ़े सात बजे फ्रेंड्स कॉलोनी स्थित अपने घर पहुंचे। वहां पूरा मोहल्ला उनके स्वागत को तैयार था। ढोल-नगाड़ों, मंगल गीतों के बीच जमकर आतिशबाजी की जा रही थी। पूरे घर को फूलों और लाइटिंग से विशेष रूप से सजाया गया था। रात करीब साढ़े आठ बजे दूल्हा-दुल्हन को गृह प्रवेश कराया गया। आर्यन- सेरिंग के मुख्य द्वार पर कदम रखते ही घर की महिलाओं ने तिलक लगाया, मां ने पहले आरती उतारी।

एसआईआर फॉर्म भरने के को लेकर ग्राम प्रधान विजय बहादुर राय ने किया जागरूक

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। निर्वाचन आयोग के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान एसआईआर की जानकारी और फॉर्म भरने के काम तेजी से हो रहे हैं। शुक्रवार को कसया तहसील क्षेत्र के ग्राम धुरिया में घर घर घूमकर एसआईआर फॉर्म भरने के लिए ग्रामप्रधान विजय बहादुर राय ने लोगों से संपर्क किया और उनके फार्म इकट्ठा किए तथा जिनका फॉर्म नहीं भरा गया है उन्हें जितना जल्द हो सके एसआईआर फॉर्म। भरकर जमा करने के लिए ने जागरूक किया। ग्रामप्रधान श्री राय ने कहा कि यह एसआईआर फॉर्म लोकतंत्र को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण है। प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि वह अपने- अपने घर के सदस्यों का फॉर्म भरना सुनिश्चित करें ताकि कोई मतदाता सूची से वंचित न रहे। इसके बाद वह बूथ पर पहुंचे और बीएलओ सुभद्रा कनौजिया, रुक्मिणी देवी, पुष्पा यादव से प्रगति जानी। इस दौरान ग्रामीण मौजूद रहे। इसी क्रम में शक्ति केंद्र संयोजक गुड्डू गुप्ता ने बूथ नंबर 271, 272 पर एसआईआर फार्म भरने में बीएलओ और लोगों की मदद की। इस अवसर पर बूथ प्रवासी डा छेदी शर्मा, शक्ति केंद्र संयोजक अनिरुध्द गुड्डू गुप्ता, बूथ अध्यक्ष धीरज गुप्ता, बीएलए 2 योगेंद्र गुप्ता एवं अन्य भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

राष्ट्रपति ने खुली जीप से जंबूरी परेड का निरीक्षण किया

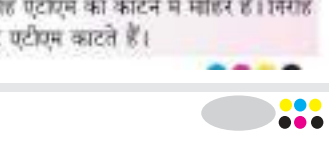

लखनऊ। डिफेंस एक्सपो ग्राउंड में चल रहे 19वीं राष्ट्रीय जंबूरी और डायमंड जुबली समारोह का आज आखिरी दिन है। राष्ट्रपति मुर्मु बतौर मुख्य अतिथि समारोह में शामिल हो रही हैं। उन्होंने खुली जीप में सवार होकर परेड का निरीक्षण किया। 32 हजार स्काउट-गाइड की सलामी ली। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, सीएम योगी आदित्यनाथ, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने द्रौपदी मुर्मू का स्वागत किया। 23 नवंबर से 19वीं राष्ट्रीय जंबूरी में देश और एशिया-प्रशांत क्षेत्र से आए 32,000 से अधिक स्काउट्स एंड गाइड्स हिस्सा ले रहे हैं। इस दौरान साहसिक गतिविधियों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, नवाचार और नेतृत्व विकास से जुड़े विभिन्न सत्रों ने जंबूरी को एक व्यापक और जीवंत स्वरूप प्रदान किया है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा- युवा ऊर्जा के अनुशासन, धैर्य और उनके द्वारा चुनौती को समझने के सामर्थ्य को यहां पर देखने को मिला। मुझे बहुत अच्छा लगा कि 19वीं जंबूरी उत्तर प्रदेश में हुआ। उत्तर प्रदेश को 61 वर्षों के बाद जंबूरी आयोजित करने का अवसर प्राप्त हुआ। जंबूरी ने प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ को याद दिला दिया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जीप में सवार होकर जंबूरी परेड का निरीक्षण किया। समारोह में विभिन्न राज्यों और विदेशी दलों ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के समक्ष मार्च पास्ट किया। राष्ट्रपति ने परेड दलों की मार्च पास्ट सलामी स्वीकार की। लखनऊ में CM योगी आदित्यनाथ ने युवाओं से एक भारत-श्रेष्ठ भारत बनाने और वैश्विक चुनौतियों से निपटने का आह्वान किया। सीएम बोले- युवाओं को प्रकृति प्रेम, पर्यावरण के प्रति संवेदनशील होना होगा, स्वच्छता पर विशेष ध्यान देना होगा। राष्ट्रीय एकता के लिए सर्वस्व न्योछावर करने को तैयार रहना होगा। यह कार्य अगर हम सभी मिलकर करेंगे, तो देश की कोई चुनौती शेष नहीं रहेगी। लखनऊ में आयोजित स्काउट-गाइड के 19वें राष्ट्रीय जंबूरी में तकनीक और कला का अद्भुत संगम देखने को मिला। गुलाबी ठंड के बीच करीब 350 ड्रोन ने एक साथ आसमान में उड़ान भरी, जिससे मैदान में मौजूद दर्शकों में भारी उत्साह देखा गया।23 नवंबर को राष्ट्रीय जंबूरी का उद्घाटन प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल द्वारा किया गया था। जंबूरी के विभिन्न आयोजनों में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, दोनों उपमुख्यमंत्री एवं कई अन्य गणमान्य अतिथियों ने भी शिरकत की थी। अपने संबोधन और सहभागिता से स्काउट्स एंड गाइड्स का उत्साहवर्धन किया। विश्वभर के स्काउट-गाइड इकट्ठा होकर सेलिब्रेशन करते हैं। इसी सेलिब्रेशन को जंबूरी कहा जाता है। 1920 से जंबूरी की शुरुआत हुई। यह चार साल में एक बार एक हफ्ते के लिए आयोजित किया जाता है। जंबूरी के दौरान सभी स्काउट-गाइड अपने देश, क्षेत्र की परंपराओं के अनुसार प्रदर्शन करते हैं। साथ ही स्काउट-गाइड के नियमों के अनुसार जो उन्हें प्रशिक्षण दिया जाता है, उसके एडवेंचर भी दिखाते हैं। पहला जंबूरी यूनाइटेड किंगडम में हुआ था। उसके बाद चौथा जंबूरी भारत में इलाहाबाद (अब प्रयागराज) में हुआ था। उसके बाद से नेशनल जंबूरी भी मनाया जाने लगा। 19वें नेशनल जंबूरी की मेजबानी यूपी (लखनऊ) को मिली है।

फतेहपुर में लेखपाल की मौत से नाराज लेखपालों ने किया कार्य बहिष्कार

मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंप मुख्य आरोपी पर एफआईआर दर्ज करने की मांग

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। फतेहपुर के लेखपाल की आत्महत्या प्रकरण से नाराज लेखपालों ने उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ के आह्वान पर कसया तहसील परिसर में एक दिन का कार्य बहिष्कार किया और धरना दिया और मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन एसडीएम कसया को सौंपते हुए घटना के आरोपियों पर कड़ी करवाई की मांग की। शुक्रवार को तहसील इकाई कसया के अध्यक्ष राधेश्याम सिंह की अध्यक्षता में लेखपालों ने धरना दिया और एसआईआर को लेकर बनाए जा रहे दबाव के खिलाफ आवाज बुलंद किया। जिलाध्यक्ष नीलेश रंजन राव ने कहा कि प्रशासन की संवेदनहीनता और काम के दबाव से फतेहपुर में लेखपाल की जान चली गई जो काफी दुःखद है। सरकार मामले में दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही करे। ज्ञापन में बताया गया कि 2024 बैच के लेखपाल सुधीर कुमार की 25 नवम्बर को शादी थी लेकिन एसआईआर काम की अधिकता को लेकर उसे छुट्टी नहीं दी गई और 22 नवंबर को एसआईआर बैठक में न उपस्थित होने पर निलंबित कर दिया गया। 25 नवंबर को कानूनगो एसडीएम सक्सेना और नायब तहसीलदार के निर्देश पर सुधीर के घर पहुंचे और कार्य पूरा करने के निर्देश दिए नहीं तो सेवा समाप्त होगी। आए दिन फटकार, निलंबन और छुट्टी न मिलने व बर्खास्तगी की धमकी से डिप्रेशन में आए सुधीर यह कदम उठा बैठा। उक्त घटना आत्महत्या नहीं अपितु असंवेदनहीनता कारित हत्या प्रतीत होती है। एफआईआर दर्ज न होने पर परिजनों ने शव का अंतिम संस्कार रोक दिया। तब तहरीर बदलवा कर राजस्व निरीक्षक के विरुद्ध रपट दर्ज करा दिया और मुख्य आरोपी एसडीएम संजय कुमार सक्सेना का नाम शामिल नहीं किया गया। प्रशासन द्वारा कपट पूर्वक केस को कमजोर किया जाता है। जिससे मृतक के परिजन आहत है। लेखपालों ने मांग किया कि मुख्य आरोपी एसडीएम सक्सेना का नाम एफआईआर में अज्ञात की जगह दर्ज किया जाय, एसआईआर की अंतिम तिथि आगे बढ़ाई जाए। कम समय में काम पूरा करने का दबाव कर्मचारियों का स्वास्थ्य और जीवन खतरे में डाल रहा है। अधीनस्थ कर्मचारियों, लेखपालों के साथ सद्व्यवहार, संवाद स्थापित करने और लेखपाल संघ पदाधिकारियों के साथ शासन की नियमित बैठकों के निर्देश अधिकारियों, उपजिलाधिकारियों को दी जाय। सामान्य/उप निर्वाचन, मतदाता पुनर्निरीक्षण के दौरान अपरिभाषित ड्यूटी हेतु प्रोत्साहन राशि के रूप में एक माह के वेतन बराबर मानदेय दिलाने के लिए निर्वाचन विभाग के कर्मचारियों के साथ सूचीबद्ध किया जाय। संचालन महामंत्री डॉ सुनील कुशवाहा ने किया। इस दौरान पूर्व जिलाध्यक्ष संजीव कुमार मिश्रा, धर्मेंद्र प्रताप सिंह, रत्न मंजरी, वेद प्रकाश गोंड, सुनील यादव, शैलेन्द्र दुबे, राजू प्रजापति, अंग ध्वज पासवान, अजय सिंह, अशोक कन्नौजिया सहित संगठन से जुड़े लेखपाल मौजूद रहे

संक्षिप्त डायरी

पत्रकार मुन्ना राय के पिता के निधन पर शोक

संवाददाता

कुशीनगर। तमकुहीराज तहसील क्षेत्र के ग्राम लाबनिया निवासी पत्रकार मुन्ना कुमार राय के पिता विद्या राय पूर्व प्रवक्ता रसायन विज्ञान पावनगर इंटर कॉलेज उम्र (77 वर्ष) का बीते गुरुवार को निधन हो गया। जानकारी होते पर जनपद के पत्रकारों, रिश्तेदारों और शुभेच्छुओं ने गहरा शोक व्यक्त किया है। अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति के प्रदेश अध्यक्ष अजय प्रताप नारायण सिंह और जिलाध्यक्ष हृदयानन्द शर्मा ने श्री राय के निधन पर शोक व्यक्त किया। इसी क्रम में एबीपीएसएस के प्रदेश सचिव विनय कुमार उपाध्याय, प्रदेश संयोजक सांस्कृतिक प्रकोष्ठ आरके भट्ट, राज सिंह, अजय कुमार मिश्रा, असफाक अंसारी, बृज बिहारी त्रिपाठी, विजय कुमार राव, पत्रकार विनोद तिवारी, डी.के. पाण्डेय, सतीश कुमार पांडेय, सुधाकर उपाध्याय, कामख्या नारायण मिश्रा, नईम अंसारी, असलम अंसारी, अर्जुन केदार, विजय कुमार यादव, योगेश गोविंद राव, मनोज कुमार यादव, पवन कुमार शर्मा, दिनेश कुमार ओझा, आदित्य शाही, ज्ञानेश्वर बरनवाल, सौरभ मणि त्रिपाठी, सतीश कुमार सिंह, आदित्य दीक्षित, असलम अंसारी, मस्तराज शर्मा, उमर फारूक अंसारी, शीतल सिंह, जावेद, आशुतोष श्रीवास्तव, खेतू चौधरी, मसरूर रिजवी, उमाशंकर तिवारी, योगेंद्र पटेल, मणिंद्र कुमार, सरफराज आलम, संदीप जायसवाल, श्रीजेश यादव, संदीप सिंह, मोहन वर्मा, सोनू चौधरी, एहतेशाम जाफर मिंटू लारी, रवि त्रिपाठी, राजेश मिश्रा, योगेश गोविंद राव, अनिल कुमार सिंह, मनोज जायसवाल सहित प्रिंट और इलेक्ट्रानिक मीडिया के पत्रकारों ने शोक व्यक्त किया।

ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि सुधीर राव ने गहन मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम को परखा

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। भाजपा नेता व हाटा ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि सुधीर राव कुशीनगर विधानसभा क्षेत्र के रामपुर पट्टी के बूथ संख्या 86 पर मतदाता सूची से संबंधित एसआईआर (एसआईआर) फार्म की प्रगति का निरीक्षण किया और ग्राम वासियों का गणना प्रपत्र बीएलओ से आनलाइन सबमिट कराया।मौजूद कर्मचारियों से शत- प्रतिशत फार्म भरने के निर्देश दिए। राव ने बूथ संख्या 86 का दौरा किया। इस दौरान बूथ पर सभी कर्मचारी उपस्थित मिले इसी क्रम में, कुशीनगर विधानसभा क्षेत्र के बूथ संख्या 87, 88, 90 पर ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि ने एसआईआर फार्म की प्रगति जानी। उन्होंने क्षेत्रवासियों से संवाद कर मतदाता सूची से जुड़ी समस्याओं और सुधारों पर विस्तृत जानकारी ली।

यातायात नियमों के पालन, नशा बंदी एवं स्वच्छता को लेकर संगोष्ठी, जागरूकता रैली आयोजित

संवाददाता

कुशीनगर। उदित नारायण पी.जी. कॉलेज, एवं उदित नारायण इंटर कॉलेज पडरौना के संयुक्त तत्वावधान में 50 यूपी बटालियन एनसीसी द्वारा यातायात नियमों का पालन, नशा बंदी एवं स्वच्छता अपनाओ विषय पर संगोष्ठी एवं जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। कैडेट्स को संबोधित करते हुए एएनओ डॉ. लेफ्टिनेंट नरेंद्र त्रिपाठी ने सड़क सुरक्षा, गुटखा/तम्बाकू के दुष्प्रभाव और स्वच्छता के महत्व पर विस्तृत चर्चा की। संगोष्ठी के उपरांत एनसीसी कैडेटों ने रैली निकाली जिसे प्राचार्य प्रो. ममता मणि त्रिपाठी ने रवाना किया। रैली कॉलेज परिसर से शहर के प्रमुख मार्गों पर निकली। कैडेट्स ने हेलमेट व सीट बेल्ट के उपयोग, गुटका थूकने की हानियों और सार्वजनिक स्थानों पर स्वच्छता बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में हवलदार सर्वजीत सिंह, सीनियर अंडर ऑफिसर स्वाति सिंह, तेज प्रताप, शिवांशु दिक्षित, किशन कुशवाहा, मुकेश कुमार तथा अन्य एनसीसी कैडेटों ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

मुरादाबाद एटीएम लूट: बदमाशों तक पहुंचने के लिए 50 हजार नंबरों की जांच

मुरादाबाद। एटीएम उखाड़ ले जाने में शामिल बदमाशों का मोबाइल नंबर हासिल करने के लिए शहर के 50 हजार डंप नंबरों को पुलिस ने उठाया है। सर्विलांस में लगी टीमें नंबरों को छांटने में जुटी हैं। पुलिस अधिकारियों का मानना है कि शहर में प्रवेश करने के बाद बदमाशों ने एक से तीन बजे के बीच आपस में बातचीत की होगी। इसका रिकार्ड हासिल करने के लिए चार टावरों के करीब 50 हजार डंप नंबरों को उठाया गया है। रात के समय काफी लोगों ने बातचीत की है लेकिन इन नंबरों में कुछ लोग बातचीत करते हुए शहर से निकले हैं। मूविंग करने वाले नंबरों पर पुलिस निगाह है। संभावना है कि शुक्रवार तक संदिग्ध नंबर पकड़ में आ जाएंगे। इसका रिकार्ड हासिल करने के लिए चार टावरों के करीब 50 हजार डंप नंबरों को उठाया गया है। रात के समय काफी लोगों ने बातचीत की है लेकिन इन नंबरों में कुछ लोग बातचीत करते हुए शहर से निकले हैं। मूविंग करने वाले नंबरों पर पुलिस निगाह है। संभावना है कि शुक्रवार तक संदिग्ध नंबर पकड़ में आ जाएंगे। हालांकि बुधवार को एक टावर के नंबरों को सर्विलांस टीम छांट चुकी है। इनमें चार नंबरों को अलग किया गया था। यदि नंबर पकड़ में आ गए तो बदमाशों की लोकेशन ट्रैकिंग करने पर आराम से मिल जाएगी। इस आधार पर गिरोह के लोगों की गर्दन पकड़ी जा सकती है। एटीएम उखाड़ ले जाने के मामले में एसपी सिटी ने बुधवार की रात में पुलिस टीमों से बातचीत कर प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने बताया कि घटना में स्थानीय बदमाश शामिल हो सकते हैं। इस दिशा में पुलिस को शीघ्र काम करना होगा। जेल में बंद बदमाशों से भी पुलिस की एक टीम पूछताछ करेगी। कोई क्लू मिलने पर पुलिसकर्मी उनसे साझा करेंगे। घटना को अंजाम देने वाले गिरोह तक शीघ्र पहुंचना ही हमारा लक्ष्य है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि हरियाणा के नूंह में एटीएम लुटेरों की कई गैंग सक्रिय है। जुलाई में महाराष्ट्र पुलिस ने एटीएम लूटकांड के मामले में एक दंपती को नूंह से गिरफ्तार किया था। वहां कई गिरोह एटीएम को काटने में माहिर हैं। गिरोह के लोग वाहनों का इस्तेमाल कर एटीएम काटते हैं।

कितना सही है नाश्ते में दही लेना

नाश्ते में हम सभी कुछ ऐसा खाना पसंद करते है, जो खाने में टेस्टी हो और हमारे शरीर को पूरा दिन काम करने की एनर्जी देता रहे। ऐसे में ज्यादातर लोग किसी ना किसी रूप में नाश्ते में दही खाना पसंद करते हैं। लेकिन क्या नाश्ते में दही लेना एक स्वस्थ विकल्प है?

पाचक होती है लेकिन नींद दिलाती है

- यदि आपके दिन शुरुआत ही दही के साथ हो रही है तो यह आपको एनर्जी देने के स्थान पर नींद दिला सकती है और शरीर में सुस्ती बढ़ा सकती है। इसलिए दही कभी भी आपके फरस्ट फूड का भाग नहीं होना चाहिए। हालांकि दही नाश्ते का एक शानदार हिस्सा है। यदि आप इसे खाते समय कुछ खास बातों का ध्यान रखते हैं तब,

समझे विरोधी बातों का अर्थ

- एक तरफ तो हम कह रहे हैं कि दही नाश्ते में खाना अच्छा है। वहीं दूसरी तरफ यह भी कह रहे हैं कि इसे खाने से सुस्ती बढ़ सकती है। दरअसल, ये दोनों ही बातें सही हैं। दही खाने पर आपको एनर्जी मिलेगी या सुस्ती आएगी, यह इस बात पर निर्भर करता है कि दही खाने का आपका तरीका क्या है।

इस तरह खाएं और इस तरह ना खाएं दही

- आप नाश्ते में चपाती, पराठा, चिल्ला आदि के साथ दही खा सकते हैं। एक कटोरी दही का सेवन नाश्ते में करना शरीर के लाभकारी होता है और पाचनतंत्र को सही करता है। साथ ही शरीर को दिनभर के लिए ऊर्जा देने में लाभकारी होता है।
- लेकिन नाश्ते में दही का सेवन तभी करना चाहिए जब आप सुबह के समय नाश्ते से पहले कुछ खा या पी चुके हों। जैसे, सुबह की शुरुआत आपने पानी के साथ की हो और फिर चाय-टोस्ट, स्प्राउट्स या ड्राईफ्रूट्स आदि खाए हों। इसके एक घंटे बाद यदि आप नाश्ते में दही का सेवन करते हैं तो आपको नींद नहीं आएगी। आपको गैस बनने की समस्या है तो इन 5 सब्जियों से बचना चाहिए

खाली पेट नहीं खानी चाहिए दही

- सुबह के समय आप नाश्ते में केवल मीठी दही का उपयोग कर सकते हैं। खट्टी दही खाने से परहेज करें। साथ ही नाश्ते में दही खाते समय आप इसमें एक चम्मच शक्कर मिला सकते हैं। यदि आपको शुगर की समस्या नहीं है तब।
- दिन की शुरुआत यदि किसी भी कारण देरी से हुई हो और आपके पास नाश्ता करने का समय ना हो तो भूलकर भी खाली दही ना खाएं। यदि आप खाली पेट दही खाते हैं तो आपको जबदस्त नींद आएगी और आप खुद को बहुत थका हुआ अनुभव करेंगे।
- ऐसा इसलिए होता है क्योंकि खाली पेट दही खाने से कुछ लोगों को ब्लड प्रेशर कम होने की समस्या हो जाती है। इससे शरीर में ब्लड का फ्लो कम होता है और ऑक्सीजन का स्तर घटने लगता है। यही कारण है कि बहुत तेज नींद आती है और बेहोशी जैसा अनुभव होता है।

आप चाहे मानसिक काम अधिक करते हैं या शारीरिक काम। यदि आपको काम करते समय बहुत जल्दी थकान होने लगती है तो इसका एक अर्थ यह होता है कि आपके शरीर में डिहाइड्रेशन की समस्या है। जी हां, केवल पोषण की कमी के कारण ही नहीं बल्कि शरीर में पानी की कमी के कारण भी जल्दी थकान होती है। जो लोग नियमित रूप से जरूरी पानी नहीं पीते हैं, उन्हें काम करते समय अधिक थकान होना और अन्य लोगों की तुलना में जल्दी थकान होने जैसी समस्याएं होती हैं। जानें, जल्दी थकान होने के अन्य कारण और उनके निवारण के तरीके

लगातार बनी रहती है थकान तो ऐसे रखें अपना ध्यान

जल्दी थकने की वजह

- आमतौर पर जो लोग बहुत जल्दी थकान होने की समस्या से पीड़ित होते हैं, उनके शरीर में कुछ खास तत्वों की कमी देखने को मिलती है.
- पानी की कमी
- खून की कमी
- विटमिन-बी12 की कमी
- फोलेट या फॉलिक एसिड की कमी देखने को मिलती है।

जल्दी थकान से बचने के तरीकों में ना केवल अपने खान-पान पर ध्यान देना है बल्कि यह भी ध्यान देना है कि जिस डायट का सेवन आप कर रहे हैं और जिन ड्रिंक्स को आप ले रहे हैं, क्या वे आपके शरीर की जरूरतों को पूरा कर रही हैं। यहां जानें कैसे रखा जाएगा इस बात का ध्यान.

तरल पदार्थों का सेवन

- जल्दी-जल्दी होने वाली थकान की समस्या से बचने के लिए जरूरी है कि आप तरल पदार्थों का सेवन बढ़ा दें। इनमें जूस, सूप, छाछ, दाल इत्यादि शामिल हैं। इसके साथ ही समय-समय सादा पानी पीते रहें। वयस्कों को हर दिन कम से कम 8 गिलास पानी पीना चाहिए।

तनाव को नियंत्रित करना सीखें

- जल्दी थकने की एक बड़ी वजह लगातार बना रहनेवाला तनाव भी होता है। तनाव का कारण चाहे जो भी लेकिन यह व्यक्ति को शारीरिक और मानसिक दोनों तरह से जल्द थका देता है। इसलिए तनाव से बचने के लिए हर दिन कुछ समय के लिए मेडिटेशन यानी ध्यान जरूर करें। यह आपको मानसिक रूप से फिट रखने का काम करेगा।

फलियों का सेवन करें

- हरी फलियां कई तरह की वरायटी में आती हैं। खास बात यह है कि मौसम की प्रकृति और उस दौरान शरीर की जरूरत के अनुसार हर सीजन में आनेवाली फलियां पोषक तत्वों से भरपूर होती हैं।
- हरी फलियां फाइबर युक्त होती हैं और इनका पाचन धीमी गति से होता है। इसलिए ये शरीर को लंबे समय तक ऊर्जा देने का काम करती हैं, जिससे शरीर पर थकान कम हावी होती है।

ड्राईफ्रूट्स

- ऐसा नहीं है कि ड्राईफ्रूट्स का सेवन केवल सर्दियों में ही करना चाहिए। बल्कि सीमित मात्रा में और दूध के साथ ड्राईफ्रूट्स का सेवन गर्मियों में भी हर दिन किया जा सकता है।
- क्योंकि ड्राईफ्रूट्स केवल हमारे शरीर को गर्माहट देने का ही काम नहीं करते हैं बल्कि पोषण देने का काम भी करते हैं। शरीर की कमजोरी को दूर करने में मीट भी अच्छी भूमिका निभाता है। लेकिन कोरोना संक्रमण के दौर में हम आपको मीट खाने की सलाह नहीं देना चाहते हैं। इस समय में आप थकान से बचने के लिए ड्राईफ्रूट्स यानी सूखे मेवों का सेवन कर सकते हैं।

शरीर में ऑक्सीजन की कमी के लक्षण और कारण

शरीर में ऑक्सीजन की कमी हो जाना कई रोगों का कारण बनता है। ऑक्सीजन का स्तर कम होने पर सबसे जल्दी और सबसे बुरा असर हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता पर पड़ता है। इस स्थिति में कोई भी वायरस और बैक्टीरिया हमारे शरीर पर हावी हो सकता है। शरीर में ऑक्सीजन की कमी के लक्षण और कारण क्या होते हैं.

शरीर में ऑक्सीजन की कमी के लक्षण

- शरीर में ऑक्सीजन की कमी होने से अर्थ है कि शरीर को अपनी नियमित क्रियाओं को सुचारू रूप से चलाने के लिए जितनी मात्रा में ऑक्सीजन चाहिए, उतनी मात्रा में ऑक्सीजन ना मिल पाना।
- जब शरीर में ऑक्सीजन की कमी होती है तो सबसे पहले व्यक्ति को थकान महसूस होती है, सांस लेने में दिक्कत होने लगती या सांस फूलने लगता है। इसके बाद शरीर में रक्त के प्रवाह की गति धीमी हो जाती है। इससे थकान और घबराहट बढ़ जाती है।

हो सकती हैं ये बीमारियां

- यदि शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा बहुत कम हो जाए तो ब्रेन डैमेज और हार्ट अटैक तक की स्थिति बन जाती है। शुगर के रोगियों में यदि ऑक्सीजन की कमी हो जाए तो उनकी शुगर अचानक बहुत अधिक बढ़ सकती है, जो कि एक जानलेवा स्थिति भी बन सकती है।
- ऑक्सीजन का स्तर अचानक से बहुत अधिक घट जाने पर शरीर में थायरॉइड हॉर्मोन का संतुलन गड़बड़ा जाता है। इस स्थिति में थायरॉइड का स्तर या तो बहुत अधिक बढ़ सकता है या बहुत अधिक घट सकता है।

शरीर में ऑक्सीजन की कमी के कारण

- शरीर में ऑक्सीजन की कमी के कई कारण होते हैं, जो व्यक्ति की लाइफस्टाइल पर निर्भर करते हैं। जो लोग बहुत अधिक आलस से भरपूर जीवनशैली जीते हैं यानी फिजिकल ऐक्टिविटी नहीं करते हैं, उनके शरीर में भी ऑक्सीजन की कमी हो जाती है।
- जो लोग बहुत अधिक शारीरिक श्रम करते हैं लेकिन उसके हिसाब से डायट नहीं लेते हैं, उनके शरीर में भी ऑक्सीजन की कमी हो सकती है।
- जिन लोगों के भोजन में आयरन की मात्रा कम होती है अगर वे लंबे समय तक इसी तरह का भोजन लेते रहें तो उनके शरीर में भी ऑक्सीजन की कमी हो सकती है। क्योंकि फेफड़ों सहित पूरे शरीर में ऑक्सीजन का प्रवाह करने में आयरन महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

चैन की नींद सोना है तो जरूर करें यह काम

अगर आप चाहते हैं कि रात में आपको सुकून की नींद आए, पैरों में कुलन और बेचैनी के कारण आपकी नींद में किसी तरह की बाधा ना आए तो आपको सोने से पहले एक खास काम करना होगा। यह काम आपके शरीर को राहत देने के साथ ही दिमाग को भी शांति देगा। आइए, जानते हैं कि आखिर क्या और कैसे करना है.

आपको क्या करना है?

- बिस्तर पर जाने से पहले आपको अपने पैर साफ पानी से धुलकर कॉटन के कपड़े से पोछकर साफ करने हैं। इसके बाद सरसों के तेल से अपने पैरों की मालिश करें। यह मालिश 2 से 3 मिनट की भी हो तो काफी है। यहां जानें इस तरह हर दिन मालिश करने से आपको किस तरह के लाभ होंगे.

पैर के तलुए में होते हैं सभी एक्युप्रेशर पॉइंट्स

- हमारे पैर के तलुओं में पूरे शरीर के एक्यूप्रेशर पॉइंट्स होते हैं। पैर के तलुओं पर मसाज करने से इन पॉइंट्स पर दबाव पड़ता है, जिससे शरीर का तनाव कम होता है और मानसिक शांति बढ़ती है। इसलिए आप अच्छी नींद आती है।

ताउम्र रहेंगे युवा

- अगर आप हर दिन सोने से पहले अपने पैर के तलुओं पर सरसों के तेल से मालिश करेंगे तो आप ताउम्र युवा बने रहेंगे। यहां युवा बने रहने से हमारा आशय है कि आपके दांत, आपकी दृष्टि और आपके शरीर के जोड़ों में किसी तरह का दर्द या समस्या नहीं हो पाएगी।

चश्मा नहीं लगेगा

- यदि आप सोने से पहले हर दिन अपने पैरों पर सरसों तेल से मालिश करते हैं तो आप अपनी कमजोर आइसाइट को भी ठीक कर सकते हैं। लेकिन ऐसा नहीं है कि आपको एक या दो हफ्तों में ही इसका असर देखने को मिल जाएगा।

पाचन को ठीक रखे

- आपको जानकर थोड़ी हैरानी हो सकती है। लेकिन यह सही है कि जो लोग नियमित रूप से अपने पैर के तलुओं पर मालिश करते हैं या किसी और से कराते हैं, उनका पाचनतंत्र अन्य लोगों की तुलना में काफी ठीक रहता है। साथ ही उन्हें पेट संबंधी रोग नहीं घेरते हैं।
- साथ ही ऐसे लोगों के शरीर पर थकान हावी नहीं हो पाती है। पैर के तलुओं की मसाज करने से शरीर के डैमेज सेल यानी क्षतिग्रस्त कोशिकाओं की जल्द मरम्मत होती है। इससे त्वचा भी चमकदार बनी रहती है। तो देर किस बात की, खूबसूरती और सेहत के लिए आज से ही शुरू करें पैर के तलुओं की मालिश।

ड्राई आई सिंड्रोम का संकेत हो सकता है आंखों में पानी आना

आंखे शरीर का सबसे जरूरी, खूबसूरत और नाजुक अंग है। सर्दी के मौसम में नमी और ठंडक के कारण आंखों में पानी आ जाता है लेकिन यह ड्राई आई सिंड्रोम का संकेत भी हो सकता है। इस बीमारी में आंखों से बहुत ज्यादा पानी आना, धुंधला दिखाई देना और चुभन महसूस होना, सूजन, रैशेज, लालपन जैसे लक्षण दिखाई देते है। इस बीमारी का समय पर इलाज न करने पर आंखों की रोशनी जा भी सकती है। ऐसे में इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए आप डॉक्टर की दवाइ के साथ-साथ कुछ घरेलू उपाय भी कर सकते हैं। इन घरेलू नुस्खों की मदद से आप बिना किसी नुकसान के इस परेशानी से छुटकारा पा सकते है।

गीला कपड़ा - आंखों को हाथों से इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है। आंखों में जलन, दर्द या खुजली होने पर साफ पानी में कपड़े को भिगोकर आंखों की सफाई करें। इससे किसी भी तरह की बीमारी का खतरा कम हो जाता है।

नारियल का तेल - नारियल तेल में मौजूद गुण आंखों की गंदगी को साफ करते हैं। रोजाना आंखों के नीचे और आस-पास नारियल के तेल की मालिश करें। आपको इस समस्या से निजात मिल जाएगा।

हर्बल टी - कोमोमाइल या पैपरमिंट चाय की पतियों को थोड़ी देर गर्म पानी में भिगो दें। इसके बाद थोड़ी-थोड़ी देर में आंखों की सिकाई करें। ध्यान रहें कि पानी ज्यादा गर्म न हो।

नमक - कई बार आंखों में जलन और खुजली के कारण पानी आने लगता है। ऐसे में आप 1 गिलास गर्म पानी में चुटकीभर नमक डालकर आंखों की सिकाई करें। दिन में 3 बार इसका इस्तेमाल खुजली और जलन की परेशानी को दूर कर देगा।

बेकिंग सोडा - साफ पानी में 1 चम्मच बेकिंग सोडा मिलाकर गर्म करें। पानी थोड़ा रह जाने पर इससे अपनी आंखों को धो लें। इससे आपको आराम मिल जाएगा।

ठंडा दूध - कॉटन बॉल को ठंडे दूध में डिप करके अपनी आंखों के आस-पास रगड़ें। इसके अलावा आप कॉटन बॉल को ठंडे दूध में भिगोकर रख भी सकते है। इन उपायों को सुबह-शाम करने से आपको आराम मिल जाएगा।

एलोवेरा - एलोवेरा जेल में 1 चम्मच शहद और 1/2 कप एल्डरबेरी चाय मिलाएं। रोजाना दिन में 2 बार इस मिश्रण से अपनी आंखों को धोएं। आपकी परेशानी कुछ समय में ही दूर हो जाएगी।

कच्चा आलू - एस्ट्रिंजेंट के गुणों से भरपूर कच्चा आलू आंखों में पानी आने की समस्या से जल्दी राहत देता है। आलू की पतली स्लाइस काट कर कुछ देर फ्रिज में रखें। इसके बाद इस ठंडी स्लाइस को 15 से 20 मिनट के लिए आंखों के ऊपर रख लें। 2-3 दिन तक इसका इस्तेमाल आपकी इस समस्या को दूर कर देगा।

मित्र नहीं हो सकता चीन भारत को सावधान रहना होगा

मनोज कुमार अग्रवाल

अरुणाचल हमेशा से भारत का अभिन्न है और रहेगा। भारत उसकी हर घटिया हरकत का मुंहतोड़ जवाब देने में समर्थ है। उसकी विस्तारवादी महत्वाकांक्षाएं जितनी बढ़ेंगी, भारत की संप्रभुता की रक्षा का संकल्प उतना ही मजबूत होगा। पिछले कुछ समय से दोनों देशों के बीच संबंधों में सुधार हुआ है, इसलिए अच्छा होगा कि वह अपनी घटिया हरकतों से बाज आए, ताकि रिश्तों में सुधार का जो सिलसिला चल रहा है, वह जारी रहे लेकिन चीन आदत से बाज आएगा इसमें संदेह की पर्याप्त गुंजाइश है।

अमेरिका के साथ व्यापार रिश्तों में कड़ुवाहट के बाद भारत का झुकाव चीन की ओर बढ़ा है लेकिन चीन चीन एक बार फिर अपनी विस्तारवादी नीति, उकसावे की भाषा और ऐतिहासिक तथ्यों की मनमानी व्याख्या के सहारे भारत की संप्रभुता को चुनौती देने की कोशिश कर रहा है, जिससे दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ने की संभावना बढ़ गयी है। शंघाई एयरपोर्ट पर भारतीय मूल की महिला पेमा वांगजोम थोंगडोक के साथ हुए व्यवहार पर भारत द्वारा दर्ज किए गए कड़े विरोध के बाद चीन की जो प्रतिक्रिया आई, वह न केवल अस्वीकार्य है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय मर्यादाओं का भी खुला उल्लंघन करती है। चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग का यह कहना है कि अरुणाचल प्रदेश चीन का हिस्सा है, एक बार फिर यह साबित करता है कि बीजिंग ने तथ्यों, अंतरराष्ट्रीय कानूनों और कूटनीतिक शालीनता से ऊपर अपनी साम्राज्यवादी सोच को रखा है। भारत की आपत्ति बिल्कुल वैध है, क्योंकि किसी भारतीय नागरिक को सिर्फ इसलिए इनवैलिड पासपोर्ट का हवाला देकर रोका जाए कि उसका जन्मस्थान अरुणाचल प्रदेश है, यह चीन की मानसिकता को उजागर करने के लिए काफी है। पूरे मामले की शुरुआत पेमा वांगजोम के उस सोशल मीडिया पोस्ट से हुई, जिसमें उन्होंने बताया कि 21 नवंबर को लंदन से जापान जाते समय शंघाई एयरपोर्ट पर चीनी इमिग्रेशन ने उनके पासपोर्ट को इनवैलिड बताकर रोका। केवल इसलिए कि जन्मस्थान की कॉलम में अरुणाचल प्रदेश, भारत लिखा था। यह घटना कोई तकनीकी त्रुटि नहीं, बल्कि चीन की लंबे समय से अपनाई गई रणनीति, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अरुणाचल की भारतीय पहचान को चुनौती देने का प्रयास का एक और उदाहरण है। भारत ने सही ढंग से चीन को इस कार्रवाई पर कड़ा विरोध दर्ज कराया और इसे बेतुका, अवैध और उत्पीड़क बताया। लेकिन जवाब में चीन ने न केवल अपनी गलती मानने से इंकार किया, बल्कि उल्टे अरुणाचल पर अपना दावा दोहराकर भारत को उकसाने की कोशिश की। अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न अंग है और यह बात ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और संवैधानिक रूप से निर्विवाद सत्य है। चीन द्वारा बार-बार उसके अस्तित्व को चुनौती देना केवल कूटनीतिक अशिष्टता नहीं, क्षेत्रीय अस्थिरता को भड़काने का प्रयास है। भारत का यह कहना बिल्कुल सही है कि एक यात्री को जन्मस्थान के आधार पर रोकना न सिर्फ बेतुका है बल्कि अंतरराष्ट्रीय विमानन व वीजा मानदंडों के खिलाफ भी है। चीन का यह रवैया बताता है कि उसकी विस्तारवादी नीतियों अभी भी बरकरार हैं, चाहे वह दक्षिण चीन सागर हो, ताइवान हो या फिर अरुणाचल प्रदेश। बार-बार ये बयान और ऐसे उत्पीड़क कदम इस बात का संकेत हैं कि बीजिंग वास्तविकता स्वीकारने को तैयार नहीं है। लेकिन भारत के लिए यह आवश्यक है कि वह कड़े व स्पष्ट कूटनीतिक रुख के साथ दुनिया के सामने चीन की मनमानी व आक्रामकता को उजागर करता रहे। इस घटना ने एक बार फिर साबित किया है कि सीमा विवाद से परे भी चीन की नीति में भारत विरोध की गहरी जड़ें हैं। दुनिया इसे समझ रही है और भारत को भी यह सुनिश्चित करना होगा कि वह अपने नागरिकों की सुरक्षा, सम्मान और अधिकारों के प्रश्न पर किसी भी प्रकार का समझौता न करे। यह इसलिए भी जरूरी है कि क्योंकि चीन आए दिन अरुणाचल पर अपना दावा करता रहता है। दरअसल चीन अरुणाचल प्रदेश के 90,000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को अपना बताता है. वह इस क्षेत्र को चीनी भाषा में जांगनान कहता है और बार-बार दक्षिण तिब्बत का जिक्र करता है। चीन के मैप या मानचित्र में अरुणाचल प्रदेश को चीन का हिस्सा दिखाया गया है। वो कभी-कभी इसका तथाकथित अरुणाचल प्रदेश के रूप में उल्लेख करता है। चीन समय-समय पर भारतीय क्षेत्र पर अपने एकतरफा दावे को पुष्ट करने का प्रयास करता रहता है। सिर्फ इतना ही नहीं, अरुणाचल प्रदेश के स्थानों को चीनी नाम देना देता रहा है। इसी साल मई महीने में अरुणाचल प्रदेश में कुछ स्थानों के नाम बदलने का बेतुका काम किया था। विस्तारवादी चीन ने अरुणाचल में 27 जगहों के नाम बदले थे। चीन ने ये नाम चीनी यानी मैंडेरिन भाषा में रखे थे। चीन ने इन जगहों की सूची ग्लोबल टाइम्स अखबार की वेबसाइट पर जारी की थी। चीन ने बीते आठ सालों में अरुणाचल प्रदेश की 90 से ज्यादा जगहों के नाम बदले हैं। चीन द्वारा अरुणाचल के नाम बदलने पर भारत ने भारत ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की थी कहा था कि चीन का ये एक व्यर्थ और निरर्थक प्रयास है। अरुणाचल प्रदेश भारत का हिस्सा था, है और हमेशा रहेगा। दरअसल पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना में मैकमोहन लाइन की कानूनी स्थिति को लेकर विवाद है। यह तिब्बत और ब्रिटिश भारत के बीच की सीमा है, जिस पर 1914 के शिमला सम्मेलन में सहमति बनी थी, जिसे आधिकारिक तौर पर ग्रेट ब्रिटेन, चीन और तिब्बत के बीच सम्मेलन कहा जाता है। शिमला सम्मेलन में चीन का प्रतिनिधित्व चीन गणराज्य के एक महादूत द्वारा किया गया था। उसे 1912 में किंग राजवंश के पतन के बाद महादूत घोषित किया गया था। वर्तमान साम्यवादी सरकार 1949 में ही सत्ता में आई थी। चीनी प्रतिनिधि ने शिमला कन्वेंशन पर सहमति नहीं जताते हुए कहा कि तिब्बत को अंतरराष्ट्रीय समझौता करने का कोई अधिकार नहीं है। शिमला में मुख्य ब्रिटिश वार्ताकार हेनरी मैकमोहन थे। उन्हीं के नाम पर मैकमोहन लाइन का नाम रखा गया। यह लाइन भूटान की पूर्वी सीमा से चीन-म्यांमार सीमा पर इसु रजी दर्रे तक खींची गई थी। चीन मैकमोहन लाइन के दक्षिण में अरुणाचल प्रदेश में स्थित क्षेत्र पर अपना दावा करता है। अपने दावों का आधार तवांग और ल्हासा के मठों के बीच ऐतिहासिक संबंधों को भी मानता है। चीन इसे एक तरह की दबाव की रणनीति के रूप में देखता है। यह बीजिंग की प्रोपेगेंडा वाली विचारधारा का हिस्सा है, जिसके तहत जब भी कोई भारत का कोई सेलेब्रिटी अरुणाचल प्रदेश का दौरा करता है, तो वह नाराजगी भरे बयान जारी करता है। हालांकि अरुणाचल प्रदेश के साथ भारत की संप्रभुता की मान्यता पूरी दुनिया में स्थापित है। अंतरराष्ट्रीय मानचित्रों में भी अरुणाचल प्रदेश भारत के हिस्से के तौर पर देखा जाता है। विदेशी मीडिया में भी इस बात को लेकर कभी किसी तरह की कोई कंफ्यूजन नहीं रही, लेकिन चीन तिब्बत के साथ-साथ अरुणाचल प्रदेश पर भी दावा करने की कोशिश करता रहा है। दूसरी तरफ भारत ने हमेशा शांतिपूर्ण कूटनीति और अंतरराष्ट्रीय कानूनों का सम्मान करते हुए सीमा विवादों के समाधान की कोशिश की है। पर चीन हर बार नाम बदलने, गलत दावे करने, मैप प्रकाशित करने और अब व्यक्तिगत नागरिकों को परेशान करने जैसी हरकतों से तनाव बढ़ाने की भूमिका निभाता रहा है। लेकिन चीन को समझना होगा कि इस प्रकार की घटिया हरकत से उसको कुछ हासिल होने वाला नहीं है। अरुणाचल हमेशा से भारत का अभिन्न है और रहेगा। भारत उसकी हर घटिया हरकत का मुंहतोड़ जवाब देने में समर्थ है। उसकी विस्तारवादी महत्वाकांक्षाएं जितनी बढ़ेंगी, भारत की संप्रभुता की रक्षा का संकल्प उतना ही मजबूत होगा। पिछले कुछ समय से दोनों देशों के बीच संबंधों में सुधार हुआ है, इसलिए अच्छा होगा कि वह अपनी घटिया हरकतों से बाज आए, ताकि रिश्तों में सुधार का जो सिलसिला चल रहा है, वह जारी रहे लेकिन चीन आदत से बाज आएगा इसमें संदेह की पर्याप्त गुंजाइश है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

संपादकीय

कोच और कप्तान जिम्मेदारी समझें

अपने ही घर में, अपने ही मैदान पर प्रिंस शुभमन गिल की अगुवाई वाली भारतीय क्रिकेट टीम जब कोलकाता के ईडन गार्डन में दक्षिण अफ्रीका के हाथों पहले टेस्ट में तीसरे ही दिन बुरी तरह पराजित होकर पैवेलियन लौटी थी, तभी क्रिकेट के जानकारों ने साफ कर दिया था कि गुवाहाटी में खेले जाने वाले दूसरे टेस्ट में भी अफ्रीकी गेंदबाजों की रफ्तार के आगे भारतीय टीम बिखर जाएगी। मगर वह इतनी बुरी तरह बिखर जाएगी, ऐसी कल्पना शायद क्रिकेट के पंडितों ने भी नहीं की थी! खेलों में हार और जीत चलती रहती है, लेकिन संघर्ष करके हारने वाली टीम अक्सर जीतने वाले से भी अधिक सम्मान पाती है। भारतीय टीम के साथ ऐसा नहीं हुआ।

टीम इंडिया के साथ संभवतः यह विडंबना है कि वह चाहे जीते या हारे, दोनों ही परिस्थितियों में रिकॉर्ड अपने नाम करती ही है। गुवाहाटी टेस्ट में हार के बाद उसके नाम टेस्ट क्रिकेट में 408 रनों से सबसे बड़ी हार का कीर्तिमान भी दर्ज हो गया। विराट कोहली, रोहित शर्मा और आर अश्विन के संन्यास के बाद भी टीम इंडिया के पास बेहतरीन खिलाड़ी मौजूद थे, लेकिन नए अनुभवहीन कप्तान और कोच के अड़ियल रवैये के चलते खिलाड़ियों को मैदान में कभी खुलकर खेलने का मौका ही नहीं मिला। इसी कारण अपने ही घर में भारत को इस तरह करारी शिकस्त मिली है। जब जीत का सेहरा कप्तान और कोच, दोनों बराबर बांटते हैं, तो हार की जिम्मेदारी भी उनको समान रूप से स्वीकार करनी चाहिए। खिलाड़ियों पर दोषारोपण कर देने मात्र से कप्तान और कोच अपनी जिम्मेदारी से नहीं बच सकते।

अचंभित यही है कि टीम इंडिया के कोच अक्सर हाथ बांधे, मुंह चढ़ाए बैठे रहते हैं। उन्हें शायद ही कभी खिलाड़ियों को मुस्कराकर प्रेरित करते या उनमें जोश भरते देखा गया है। वह अपना चेहरा इतना 'गंभीर' बनाए रखते हैं कि युवा खिलाड़ियों से सजी टीम अपना नैसर्गिक खेल ही नहीं खेल पाती। यह तस्वीर अब बदलनी चाहिए। कोच और कप्तान को मिलकर ऐसी रणनीति बनानी चाहिए, जिससे टीम इंडिया फिर से अर्श पर पहुंचती दिखे।

यह सच है कि अपने ही घर में एक छोटे कद के अफ्रीकी कप्तान ने टेस्ट क्रिकेट में हमें इतनी बड़ी हार दी है कि उसके घाव जल्द भर नहीं पाएंगे, लेकिन उम्मीद का दामन हमें छोड़ना नहीं चाहिए। अगर आज हम फर्श पर हैं, तो कल फलक पर फिर चमकेंगे। कोच और कप्तान चाहें, तो आपस में मिलकर यह भरोसा क्रिकेटप्रेमियों को दे सकते हैं।

चिंतन-मनन

धन का भार

पाटलिपुत्र में नाभिकुमार की गिनती सबसे संपन्न लोगों में होती थी। लेकिन अपार धन-संपत्ति होते हुए भी उन्होंने कभी दान नहीं दिया था। कई लोगों ने उन्हें इस बारे में कहा था पर उन्होंने ध्यान नहीं दिया। एक रात उनके घर चोर ने सेंध लगाई। उसने सावधानी से घर का कीमती सामान एकत्र किया और उसकी एक बड़ी पोटली बनाई। पोटली सिर पर रखते ही वह गिर गई और आवाज होते ही नाभिकुमार की आंखें खुल गईं।

ह चोर के पास आए और पोटली उठाने में उसकी मदद करने लगे। चोर को डर से कांपते हुए देखकर नाभिकुमार ने उससे कहा-डरो मत, तुम यह सब ले जा सकते हो। मगर तुम भी मेरे ही जैसे लगते हो। मैंने भी अपने जमा धन से किसी और के लिए कुछ नहीं निकाला। इसलिए मेरा धन भी मुझ पर भार की तरह है। अगर तुम भी मेरी तरह नहीं करते और पोटली में से थोड़ा सामान निकाल लिए होते तो तुम्हारे लिए इसे उठाना आसान हो जाता। खैर, तुम अब यह सामान ले जा सकते हो। चोर यह सुनकर दंग रह गया।

उसने प्रायश्चित करने के उद्देश्य से कहा- आप यह सब वापस ले लीजिए और मुझे क्षमा कीजिए। नाभिकुमार ने कहा- तुम्हें एक ही शर्त पर क्षमा किया जा सकता है। तुम इसमें से कुछ धन ले लो और कोई काम-धंधा शुरू कर दो। इस प्रकार मेरा धन परोपकार के काम में लग जाएगा और तुम्हारा जीवन भी सुधर जाएगा। चोर ने वैसा ही किया। नाभिकुमार उस दिन से हर किसी की सहायता करने लगे।

फिलीस्तीन की धुन्ध में उगती आशा की किरण

दिलीप कुमार पाठक

फिलिस्तीनी लोगों के साथ अंतर्राष्ट्रीय एकजुटता दिवस, जो प्रतिवर्ष 29 नवंबर को मनाया जाता है, संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव 181 के स्मरण में मनाया जाता है। यह फिलिस्तीनी अधिकारों और आत्मनिर्णय के लिए चल रहे संघर्ष को रेखांकित करता है, विशेष रूप से गाजा में मानवीय संकट के बीच। यह दिवस अंतर्राष्ट्रीय समर्थन, न्याय और फिलिस्तीनी राज्य के दर्जे को मान्यता देने का आह्वान करता है। गाजा में पिछले वर्षों में हजारों लोगों की जान जा चुकी है, यह इलाका अपने इतिहास के सबसे गम्भीर आर्थिक संकट से गुजर रहा है, और नाजुक युद्धविराम के बावजूद बच्चों की मौत का सिलसिला थम नहीं रहा है, यहां से आती हुई तस्वीरें देखकर किसी भी संवेदनशील इन्सान का ह्रदय टूट जाता है, युद्धविराम लागू होने के बाद भी लगभग 67 बच्चों की मौत हो चुकी है ' गाजा में लाखों लोग भीषण भूख और अकाल का सामना कर रहे हैं, और बच्चे गंभीर कुपोषण से जूझ रहे हैं '

10 अक्टूबर 2025 को युद्धविराम समझौता हुआ, जिससे 20 बंधकों की सुरक्षित वापसी हो सकेगी तथा गाजा में सहायता बढ़ सकेगी। 13 अक्टूबर को, ICRC ने 20 बंधकों को इजरायली अधिकारियों और 1,808 फिलिस्तीनी बंदियों को गाजा और पश्चिमी तट तक सुरक्षित पहुँचाया। उस दिन कुल 1,718 बंदियों और 250 कैदियों को रिहा किया गया, और ICRC ने सभी के रिहाई-पूर्व साक्षात्कार आयोजित किए। मृत बंधकों और फिलिस्तीनी बंदियों के अवशेषों का स्थानांतरण जारी है।

फिलिस्तीन के लिए यह तिथि इसलिए चुनी गई क्योंकि यह संयुक्त राष्ट्र महासभा के प्रस्ताव 181 की याद में मनाया जाता है, जिसमें 1947 में फिलिस्तीन को अलग-अलग यहूदी और अरब राज्यों में विभाजित करने का प्रस्ताव रखा गया था। यह दिवस 1978 से मनाया जा रहा है और फिलिस्तीनी लोगों के आत्मनिर्णय और अंतर्राष्ट्रीय कानून के तहत उनके अधिकारों के लिए चल रहे संघर्षों को उजागर करता है। इस वर्ष का स्मरणोत्सव, जो 29 नवंबर, 2025 को आयोजित होगा, गाजा में चल रहे मानवीय संकट के कारण एक अत्यंत मार्मिक समय पर हो रहा है, जो हाल के संघर्षों के कारण और भी बदतर हो गया है। फिलिस्तीनियों के लिए सम्मान, अधिकार, न्याय और आत्मनिर्णय के मूल उद्देश्य पहले से कहीं अधिक मायावी प्रतीत होते हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ प्रमुख ने हमास द्वारा किए गए हमलों और फिलिस्तीनियों को दी गई सामूहिक सजा, दोनों की निंदा की और तत्काल मानवीय राहत की मांग की। संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों की ओर से सम्पूर्ण मानवीय सहायता की आवश्यकता के संबंध में कुछ महत्वपूर्ण संदेश सुने गए, विशेष रूप से यूएनआरडब्ल्यूएस की ओर से, जो लाखों फिलिस्तीनियों को बुनियादी सेवाएं प्रदान करती है।

फिलिस्तीनी लोगों के अधिकारों के प्रयोग संबंधी समिति के अध्यक्ष शेख नियांग ने कहा कि पिछले दिनों में गाजा में 52,000 से ज्यादा फिलिस्तीनी मारे गए हैं और इनमें आधे से ज्यादा महिलाएं और बच्चे हैं। यह द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से अभूतपूर्व मानवीय आपदा थी। संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष ने संप्रभु राज्यों की पारस्परिक मान्यता के साथ इजरायल-फिलिस्तीनी संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान का आह्वान किया। अंतर्राष्ट्रीय दिवस पर न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय और दुनिया भर के अन्य कार्यालयों में कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इनमें विशेष बैठकें शामिल होंगी जहाँ वैश्विक नेता और कई देशों के प्रतिनिधि फिलिस्तीनियों के प्रति अपनी एकजुटता व्यक्त करेंगे और उनके अधिकारों को मान्यता देने का आग्रह करेंगे।

पूर्व में फिलिस्तीनी शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र राहत एवं कार्य एजेंसी आज जॉर्डन, लेबनान, सीरिया, गाजा पट्टी और पश्चिमी तट में रहने वाले लगभग 59 लाख पंजीकृत फिलिस्तीनी शरणार्थियों को महत्वपूर्ण सेवाएं प्रदान करती है। UNRWA 663 से ज्यादा स्कूलों के माध्यम से शिक्षा, 125 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के माध्यम से व्यापक स्वास्थ्य सेवा, और कमजोर आबादी के लिए खाद्य सहायता और नकद सहायता जैसी राहत सहायता प्रदान करती है। यह एजेंसी संघर्षों में आपात स्थितियों में आश्रय और आवश्यक वस्तुएं प्रदान करके भी प्रतिक्रिया देती है। यह अपने द्वारा संचालित 58 मान्यता प्राप्त शरणार्थी शिविरों में अपने बुनियादी ढांचे में निरंतर सुधार कर रही है। लगभग 30,000 कर्मचारियों, जिनमें से स्वयं फिलिस्तीनी शरणार्थी हैं, के साथ यह अल्पकालिक मानवीय आवश्यकताओं और दीर्घकालिक विकास लक्ष्यों, जैसे कि लाखों फिलिस्तीनियों को चल रहे संघर्षों और कठिनाइयों के बावजूद शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और अन्य आवश्यक सेवाएं प्रदान करने, दोनों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

यह बेहद जरूरी है कि इस युद्धविराम समझौते का पालन किया जाए। हमें स्थिरता और पुनर्निर्माण के लिए एक स्थायी प्रतिबद्धता देखने की जरूरत है, जिसमें सभी पक्ष गाजा में नागरिकों, सहायताकर्मियों और चिकित्सा सुविधाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करें, जिससे फिलिस्तीन में भी खुशियों की सुबह हो '

(लेखक पत्रकार हैं)

मासूम चेहरों के पीछे छिपा आतंकवाद, क्रूरता और विध्वंस

डॉ. अंशुल उपाध्याय

आतंकवाद जाति और मजहब के नाम पर गहरा धब्बा है। जो लोग भी इस कृत्य में शामिल होते है उनकी जीवन प्रत्याशा अपने आप ही कम जाती हैं। एक ओर जहां आतंकी नेटवर्क को चलाने के लिए बालकों के दिमाग में जहर और नफरत भरकर उनको कम उम्र में ही इस काम में धकेल दिया जाता है। वहीं दूसरी ओर युवाओं को रुपए और उनके परिवार का पोषण का झूठा वादा करके आतंकी बनने के लिए घसीट लिया जाता है।

अव्वल दर्जे की मनोवैज्ञानिक ट्रेनिंग का नतीजा होते हैं आतंकी

बदलते परिवेश में मनोवैज्ञानिक तरीके से युवक और युवतियों का धीरे-धीरे ब्रेनवाश करके 15 से 16 वर्ष की आयु तक उन्हें एक ट्रेंड और क्रूर आतंकी बना दिया जाता है। फिर ये मासूम एक ऐसे व्यक्ति बन जाते है जिसका खुद का दिमाग चलना ही बंद हो जाता है। और जो भी उन्हें आदेश या टारगेट दिए जाते है वे अपना दिमाग बिना चलाए आंख मूंद कर उन टारगेटों को पूरा करने के लिए निकल जाते हैं। फिर चाहे उन्हें सुसाइड बंबर बनकर अपने ही शरीर के चीथड़े ही क्यों ना उड़ाने पड़े। आतंकवादियों को जरा भी इस बात का इल्म नहीं होता कि उन्होंने उनके इस काम से कितने मासूमों को मारा है ।

इतनी क्रूरता आखिर किस लिए सिर्फ? सरकार को दिखाने के लिए या जनता को डराने के लिए? या फिर अपने नाकाम मानसून को पूरा करने के लिए? इस पर मैं बस इतना कहूंगी कि ये घटनाएं सिर्फ एक क्रूर मनुष्य के दिमाग से जन्म लेती है और विचलित, ब्रेन लॉक मनुष्य के द्वारा अंजाम तक पहुंचाई जाती हैं। जिनका मकसद सिर्फ समाज में आतंकवाद डर को फैलाना होता है।

कश्मीर की आड़ में अपने खूनी मंसूबों को अंजाम देते हैं आतंकी

आतंकवादी ऐसे लक्ष्य विहीन लोग होते है जो,कश्मीर की आड़ में कश्मीर को ही खोखला कर रहे है। कश्मीर में रहने वाला शायद ही कोई ऐसा परिवार होगा जिसने आतंक के इस डरावने चेहरे का सामना न किया हो। पाकिस्तान में बैठे कुछ लोग अगर कश्मीर की आजादी की बात कर रहे है तो इसमें कोई भी दो मत नहीं है कि जितना वह आतंक और नरसंहार फैला रहे है उसके बाद उनसे शांति और करुणा की बात करना बेफिजूल ही है ।

ये न केवल अपने खूनी मंसूबों को ही अंजाम दे रहे हैं। बल्कि हथियारों का निर्माण और उनकी तस्करी करने वालों को भी सीधा फायदा पहुंचा रहे हैं। हथियारों की तस्करी करने वाले ये लोग तो अमीर देशों में बैठे हुए हैं। और आतंकवादी बनाने के लिए इस्तेमाल किया जाता हैं मिडिल क्लास और निम्न तबगे के लोगों का। जबकि इन आतंकियों के जो हुक्मरान होते हैं वह खुद अपने बच्चों और परिवार को तो लग्जरी लाइफ देते हैं और आम जन को बली चढ़ाने के लिए आतंकवाद की आग में झोंक देते हैं।

दिल्ली में विस्फोट के पीछे का काला सच

वर्तमान घटना क्रम की बात करे तो, दिल्ली लाल किले के पास हुए जोरदार कार धमाके में डॉ. उमर नबी ने करीब 30-40 किलोग्राम विस्फोटक का इस्तेमाल किया था। पुलिस इस बात की आशंका जता रही हैं। कि इस धमाके में अमोनियम नाइट्रेट का इस्तेमाल हुआ है।सूत्रों के मुताबिक आतंकी ने विस्फोट को और खतरनाक बनाने के लिए अमोनियम नाइट्रेट के अलावा दूसरे पदार्थों का भी इस्तेमाल भी किया होगा। जिसकी जांच अभी चल रही है। इन्हीं केमिकल पदार्थों के द्वारा ही धमाका काफी जोरदार हुआ था और इसकी गूंज काफी दूर तक सुनाई दी थी। मार्च 2020 में गिरफ्तार अलीपुर महिला सुधार गृह में बंद परवीन जो मौलाना मसूद अजहर की बहन, है और लश्कर - ए -तैयबा की एक हैंडलर भी है से पूछ ताछ में पता चला है कि वह खुद जैश की महिला शाखा की प्रमुख सईदा अजहर के निर्देशों पर काम करती थी। परवीन कथित तौर पर आतंकवादियों के लिए ऑनलाइन भर्ती का काम संभालती थी और उसकी गतिविधियों पर नजर रखती थी है।

आज आतंकी सिर्फ पहाड़ों में छिपे बंदूकधारी नहीं रह गए है, बल्कि यहां तो यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाले डॉक्टर, इंजीनियर और टेक-सेवी नौजवानों को भी आतंकी बनाया जा रहा हैं। भारत के भीतर व्हाइट कॉलर टेरर का ऐसा नेटवर्क तैयार किया गया है, जो मेडिकल पेशे की आड़ में देश को अस्थिर करने की साजिश रच रहा था।

घटना के बाद परिवार द्वारा शव का बहिष्कार

फिदायीन आतंकी डॉ. उमर नबी जिसके इस विस्फोट में टुकड़े टुकड़े हो गए थे, उसके शव के कई टुकड़े मोर्चरी में रखे हुए हैं। डीएनए से उसके शव की पहचान भी हो गई है। फिर भी उमर का शव लेने के लिए अभी किसी ने भी दावा नहीं किया है। ये वही डॉ. उमर है जो पहले विस्फोटक से लदी कार लेकर दिल्ली के वीआईपी इलाकों में घूमता रहा और बाद में इसने इस भयानक विस्फोट को अंजाम दिया। उमर की उम्र 43 वर्ष ही थी और वह अल फलाह यूनिवर्सिटी फरीदाबाद से जुड़ा हुआ था। हालांकि सुरक्षा एजेंसियां उसके परिवार से लगातार पूछताछ कर रही हैं। पर विचार करने वाली बात यही है की, ऐसे नौजवान जो आतंक के हत्थे चढ़ जाते है अपने पीछे अपने पूरे परिवार को जीवन भर के लिए बदनामी और सामाजिक बहिष्कार का हिस्सा बना जाते है।

(लेखिका फॉर्मर यू.जी.सी. सीनियर रिसर्च फैलो (रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन), दिल्ली रह चुकी हैं।)

Printed and Published by Manish KUMAR KASHYAP,Run by Vananchal Media & Wefare Trust, behalf of Palace of Publication,BALIHARI ROAD, NEAR - KALYAN BHAWAN NEW AREA MORABADI RANCHI- 834008,Ranchi- Jharkhand, and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222,Jharkhand And Published at Palace of Publication,Ranchi- Jharkhand,, PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773 Editor- Editor SHAHOOD ALAM. Email:vananchaleye@gmail.com

महिला-प्रधान फिल्म होगी

कल्याणी प्रियदर्शन की अगली फिल्म

तमिल अभिनेत्री कल्याणी प्रियदर्शन लगातार चर्चाओं में बनी हुई हैं। हाल ही में रिलीज हुई उनकी फिल्म लोका ने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त कमाई की और उन्हें पैन-इंडिया स्टार के रूप में मजबूती भी दी। इस सफलता के बाद दर्शक और फैंस अब उनके अगले प्रोजेक्ट के बारे में जानने के लिए उत्सुक हैं। इस कड़ी में उनकी नई फिल्म की आधिकारिक जानकारी सामने आई है, जो उनके करियर के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है। कल्याणी प्रियदर्शन की अगली फिल्म की खास बात यह है कि यह महिला-प्रधान कहानी है। फिल्म की पूरी कहानी एक महिला पात्र के इर्द-गिर्द घूमेगी और उसकी भावनाओं, संघर्षों और सफर को मुख्य रूप से दिखाया जाएगा। अभिनेत्री ने फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। फिल्म का निर्देशन थिरियम एस. एन. कर रहे हैं, जो इस फिल्म के जरिए निर्देशन की दुनिया में कदम रख रहे हैं। वहीं, फिल्म का निर्माण पोटेंशियल स्टूडियोज कर रहा है। यह फिल्म उनका सातवां प्रोजेक्ट है और इससे पहले वे माया, मानगरम, मॉन्स्टर, तानक्करन, इरुगापत्रु और ब्लैक जैसी फिल्मों का निर्माण कर चुके हैं। इन सफल फिल्मों के चलते दर्शकों का विश्वास इस बैनर पर पहले से ही बना हुआ है, और उम्मीद की जा रही है कि उनकी यह नई फिल्म भी उसी गुणवत्ता को आगे बढ़ाएगी। कल्याणी प्रियदर्शन की कामयाबी और पोटेंशियल स्टूडियोज की लगातार सफल फिल्मों की सीरीज ने इस नए प्रोजेक्ट को पहले ही एक बड़े स्तर पर पहुंचा दिया है। दर्शक यह देखने के लिए उत्साहित हैं कि कल्याणी इस बार किस तरह का किरदार निभाएंगी। फिल्म में कल्याणी के साथ देवदर्शिनी और नान महान अल्ला फेम विनोद किशन भी मुख्य भूमिकाओं में दिखाई देंगे। फिल्म की शूटिंग चेन्नई में शुरू हो चुकी है। फिल्म के डायलॉग्स प्रवीण भास्कर, श्री कुमार और खुद निर्देशक थिरियम ने मिलकर लिखे हैं। संगीत की कमान तमिल फिल्म जगत के उभरते हुए संगीतकार जस्टिन प्रभाकरन ने संभाली है, जिनकी धुनें हमेशा दर्शकों पर गहरा प्रभाव छोड़ती हैं।

नैचुरोपैथी का समर्थन करने के बाद हुई ट्रोलिंग पर सोनाली बेंद्रे ने तोड़ी चुप्पी

सोनाली बेंद्रे कैंसर सर्वाइवर हैं। उन्होंने 2018 में इस खतरनाक बीमारी के खिलाफ जंग लड़ी। अभिनेत्री ने हाल ही में अपने एक सोशल मीडिया पोस्ट में दावा किया कि कैंसर से जंग में नेचुरोपैथ भी उनके लिए काफी मददगार साबित हुई। इसके बाद वे मेडिकल प्रोफेशनल्स के निशाने पर आ गईं। डॉक्टर साइरिएक एबी फिलिप्स ने उनकी कड़ी आलोचना की है। उन्होंने सोनाली की पोस्ट पर सवाल उठाते हुए कहा कि, आपका कैंसर कीमोथेरेपी, रेडिएशन और सर्जरी से ठीक हुआ, ना कि नेचुरोपैथी से। आलोचनाओं और सवाल के बाद सोनाली बेंद्रे ने चुप्पी तोड़ी है और सोशल मीडिया पर एक और पोस्ट शेयर किया है।

सोनाली ने नेचुरोपैथी को लेकर क्या कहा था?

सोनाली बेंद्रे ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर साझा किए गए एक पोस्ट में लिखा था, साल 2018 में जब मुझे कैंसर का पता चला तो मेरे नेचुरोपैथ ने मुझे ऑटोफैगी नाम की एक स्टडी के बारे में बताया। इसने मेरी रिकवरी में बहुत बड़ी भूमिका निभाई, इसलिए मैंने इसे पढ़ा, सीखा, प्रयोग किया और धीरे-धीरे इसे अपने रूटीन में शामिल कर लिया। मैं तब से इसे फॉलो कर रही हूं। सोनाली के इस सवाल पर डॉक्टर्स ने सवाल उठा दिए। डॉक्टर साइरिएक एबी फिलिप्स ने एक लंबा-चौड़ा पोस्ट शेयर कर किया। बता दें कि डॉक्टर साइरिएक एबी फिलिप्स भारतीय हेपेटोलॉजिस्ट हैं, जो सोशल मीडिया पर द लिवर डॉक के नाम से जाने जाते हैं।

विरोध के बाद सोनाली ने तोड़ी चुप्पी

विरोध के बाद सोनाली ने अब एक अन्य पोस्ट शेयर किया है। इसमें उन्होंने अपनी बात रखते हुए कहा है, हम सभी का सहमत होना जरूरी नहीं है, लेकिन हमें एक-दूसरे को सिर्फ इसलिए खारिज करने से बचना चाहिए क्योंकि हम अलग-अलग तरीकों की तरफ झुकते हैं। सोनाली लिखती हैं, मैंने कभी डॉक्टर होने का दावा नहीं किया, लेकिन मैं पक्का कोई नीम-हकीम भी नहीं हूं। मैं एक कैंसर सर्वाइवर हूं, जिसने इस बीमारी से होने वाले डर, दर्द, अनिश्चितता और फिर से बनने की प्रक्रिया को झेला है।

सोनाली बेंद्रे का फिल्मी करियर

सोनाली बेंद्रे का कहना है, मैं हमेशा अपनी यात्रा ईमानदारी और विनम्रता के साथ शेयर करूंगी। कभी किसी नुस्खे के तौर पर नहीं, बल्कि अपने अनुभव के तौर पर। बता दें कि सोनाली मेटास्टेटिक कैंसर के खिलाफ जंग लड़ चुकी हैं। अभिनेत्री के करियर की बात करें तो उन्होंने आग (1994) से डेब्यू किया था। वे सरफरोश (1999), हम साथ-साथ हैं (1999), हमारा दिल आपके पास है (2000), लज्जा (2001) और कल हो ना हो (2003) जैसी फिल्मों में काम कर चुकी हैं।

शाहरुख की फिल्म 'किंग' में अक्षय ओबेरॉय की हुई एंट्री

शाहरुख खान की आगामी फिल्म किंग की एक-एक अपडेट का दर्शकों को बड़ी बेसब्री से इंतजार रहता है। अब फिल्म को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। जानकारी आ रही है कि इस फिल्म में एक और कलाकार का नाम जुड़ गया है। जानिए उस अभिनेता के बारे में। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अभिनेता अक्षय ओबेरॉय ने आधिकारिक तौर पर पुष्टि कर दी है कि वह शाहरुख खान की बहुप्रतीक्षित एक्शन फिल्म 'किंग' का हिस्सा हैं। आपको बताते चलें कि कई दिनों से चर्चा चल रही थी, अभिनेता इस फिल्म में नजर आने वाले हैं। हालांकि अब इसपर मुहर लगती दिख रही है। फिल्म किंग को सिद्धार्थ आनंद डायरेक्ट कर रहे हैं। फिल्म में दीपिका पादुकोण, रानी मुखर्जी, अनिल कपूर और अभिषेक बच्चन जैसे बड़े नाम भी अहम किरदारों में नजर आएंगे। यह फिल्म 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

मल्टीस्टारर धुरंधर में अहम किरदार में नजर आएंगी गीतिका गंजू

आदित्य धर के डायरेक्शन में बनी मोस्ट अवेटेड मल्टीस्टारर फिल्म 'धुरंधर सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है। एक्शन से भरपूर फिल्म में एक्ट्रेस गीतिका गंजू अहम किरदार में नजर आएंगी। गीतिका का मानना है कि धुरंधर एक ऐसी फिल्म है, जिसे दर्शक काफी पसंद करेंगे। गीतिका गंजू का मानना है कि बहुत कम ऐसी फिल्में आती हैं जो कहानी कहने का तरीका बदल देती हैं और दर्शकों के दिलों पर गहरी छाप छोड़ने में सफल होती हैं। धुरंधर भी ऐसी ही फिल्म है। एक्ट्रेस गीतिका ने को-एक्टर रणवीर सिंह, संजय दत्त, अक्षय खन्ना, आर. माधवन, अर्जुन रामपाल और सारा अर्जुन जैसे स्टार्स के साथ काम करने को शानदार बताया। एक्ट्रेस ने कहा, धुरंधर एक जबरदस्त फिल्म बनने के साथ सिनेमाघरों में छाने को तैयार है। भारत में इस जॉनर को शायद पहले कभी इतनी सच्चाई और स्टाइल के साथ नहीं दिखाया गया। मैं इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनकर बहुत खुश और उत्साहित हूं। फिल्म की तारीफ करते हुए गीतिका ने स्पष्ट कहा, मेरा मानना है कि कुछ ऐसी फिल्म आती है, जो कहानी कहने का तरीका बदल देती है, धुरंधर वैसी ही फिल्म है। गीतिका ने बताया, आदित्य धर और लोकेश धर ने फिल्म के लिए खूब मेहनत की है, जिसका नतीजा स्क्रीन पर दिखेगा। आदित्य धर ने कहानी को बेहद बोल्ड और रियल तरीके से पेश किया है। गीतिका ने आगे कहा कि फिल्म का हर एक एक्टर खास है। राकेश बेदी, रणवीर सिंह और सारा अर्जुन के साथ काम करना उनके लिए यादगार रहा। रणवीर सिंह को एक्शन में देखने का अनुभव शानदार रहा। गीतिका गंजू ने अपनी एक्टिंग से खास पहचान बनाई है। आमिर खान प्रोडक्शंस की 'लाल सिंह चड्ढा', 'म्यूजिक मेरी जान', 'आर्या सीजन 2' और 'तनाव सीजन 2' जैसे सफल प्रोजेक्ट में उन्होंने अपनी छाप छोड़ी है।

रणवीर सिंह से लेकर संजय दत्त तक

खलनायक के रूप में नजर आए ये बड़े स्टार्स

बॉलीवुड के कई मशहूर अभिनेताओं ने फिल्मों में विलेन का किरदार निभाया है। अपकमिंग फिल्म धुरंधर में अर्जुन रामपाल खलनायक के किरदार में नजर आने वाले हैं। इससे पहले भी कई अभिनेताओं ने फिल्मों में पारंपरिक खलनायक से अलग लुक रखा और अभिनय किया। दर्शकों ने इन्हें खूब पसंद किया। कई विलेन ऐसे रहे जो नायकों पर भारी पड़े और उनकी वजह से फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छी चली।

फिल्म सिंघम अगेन (2024) में अर्जुन कपूर ने डेंजर लंका का नेगेटिव किरदार निभाया है। उनका किरदार एक चालाक और तेज दिमाग वाला है। फिल्म में अजय देवगन, अक्षय कुमार, रणवीर सिंह और कई कलाकारों ने अभिनय किया लेकिन अर्जुन कपूर के किरदार को दर्शकों ने काफी पसंद किया। फिल्म शैतान (2024) में आर माधवन ने वनराज कश्यप का नेगेटिव किरदार निभाया। यह फिल्म गुजराती फिल्म वश पर आधारित थी। इसमें दिखाया गया है कि एक अजनबी एक लड़की को वश में करने के लिए काले जादू का इस्तेमाल करता है। इसमें आर माधवन के किरदार ने दर्शकों का ध्यान खींचा था। साल 2023 में रिलीज हुई फिल्म एनिमल को दर्शकों ने काफी पसंद किया। इसमें रणबीर कपूर के किरदार के अलावा बॉबी देओल के नेगेटिव किरदार अबरार अहमद को पसंद किया गया। फिल्म में उनके कम संवाद, चमकीली आंखें और शांत गुस्से ने दर्शकों को हैरान कर दिया था। विलेन के रूप में बॉबी देओल को दर्शकों ने पसंद किया। फिल्म पद्मावत (2018) में रणवीर सिंह ने विलेन अलाउद्दीन खिलजी का किरदार निभाया। इस फिल्म में नायक से ज्यादा खलनायक को दमदार दिखाया गया। अलाउद्दीन खिलजी का किरदार बेरहम, जुनूनी और डरावना था। साल 2012 में रिलीज हुई फिल्म अग्निपथ में संजय दत्त ने विलेन का किरदार निभाया। कानों में कुंडल और बिना बालों के संजय दत्त के लुक को काफी पसंद किया गया। फिल्म में वह ड्रग डीलर बने हैं। ऋतिक रोशन के अपोजिट संजय दत्त ने एक डरावना लेकिन आकर्षक अभिनय किया।

भगवान शिव का किरदार निभाने को लेकर बोले मोहित मलिक

मोहित मलिक ने डोली अरमानों की और कुल्फी कुमार बाजेवाला जैसे टीवी शोज से घर-घर में अपनी पहचान बनाई। वह दो दशक से भी ज्यादा समय से एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में काम कर रहे हैं। दर्जनों टीवी शोज और वेब सीरीज कर चुके मोहित मलिक किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। इस वक्त वह माइथोलॉजिकल शो महागाथा शिव परिवार की - गणेश कार्तिकेय में काम कर रहे हैं, जिसमें वह भगवान शिव का किरदार निभा रहे हैं। मोहित मलिक ने अपने इस किरदार के अलावा 8 घंटे की शिफ्ट पर छिड़ी बहस पर बात की।

मोहित मलिक पहली बार माइथोलॉजिकल शो में काम कर रहे हैं। वह गाथा शिव परिवार की-गणेश कार्तिकेय में भगवान शिव के रूप में नजर आ रहे हैं। इस शो में काम करने की वजह पर वह कहते हैं, इस शो मेकर्स का नजरिया अलग था। उन्होंने मुझे कंवीस किया कि वह इसका प्रेजेंटेशन वैसे ही करेंगे जैसा उन्होंने मुझे बताया है। फिर इसमें शिव का रूप भी एकदम अलग है। वह उस तरह का टिपिकल नहीं है जैसा लोग अब तक देखते आए हैं। शिव और उनके परिवार को इंसानी रूप में दिखाया गया है। बकौल मोहित, शिव के आशुतोष रूप का प्रभाव मेरे ऊपर सबसे ज्यादा पड़ा है क्योंकि वह बहुत भोला है, दयालु हैं और सबको जल्दी से माफ कर देते हैं। मैं उनसे सबसे ज्यादा कनेक्ट करता हूं।

AI का एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री पर कैसा रहेगा प्रभाव?

मोहित ने इस दौरान मनोरंजन जगत में AI पर भी बात की। जब हमने पूछा कि AI एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री को किस तरह प्रभावित करेगा? तो मोहित ने कहा, मुझे नहीं लगता है कि कभी पूरी तरह AI से फिल्में और शोज बनेंगे। हालांकि यह बहुत अच्छी तकनीक है लेकिन उसे एक सीमित मात्रा में ही इस्तेमाल करना चाहिए। मुझे नहीं लगता कि मैं कभी AI बेस्ड महाभारत देखूंगा क्योंकि मुझे असली परफॉर्मेंस, असली लोग, असली इमोशंस चाहिए। ऑडियंस भी एक्टर से कनेक्ट होती है। इसलिए मुझे नहीं लगता कि कभी पूरे AI बेस्ड शो बनेंगे।

पैसे को लेकर आपका पहला सबक क्या है?

मेरी जिंदगी में पैसा कभी इतना महत्वपूर्ण नहीं रहा। मैं हमेशा से अच्छा काम करना चाहता था। बस इतना था कि मैं अपना घर खरीद लूं और गाड़ी ले लूं। लेकिन अब लगता है कि थोड़ा सा बैलेंस होना चाहिए क्योंकि अब मेरे पास परिवार है। जैसे पहले मैं रोल को तवज्जो देता था और सोचता था कि उसके लिए पैसों से समझौता कर लूंगा। लेकिन अब मैं पैसों को लेकर समझौता नहीं करता। अब मैं जो डिजर्व करता हूं, वह मांगता हूं और वह मिल भी रहा है।

8 घंटे नहीं 12 घंटे की वर्किंग शिफ्ट ठीक

मोहित मलिक ने एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में काम के घंटों को लेकर कहा, हमारे यहां आमतौर पर 12 घंटे की शिफ्ट होती है और मुझे उससे कोई समस्या नहीं है। जो लोग यह कहते हैं कि बस आठ घंटे की वर्क शिफ्ट होनी चाहिए, तो यार आप प्रोड्यूसर और डायरेक्टर के बारे में भी तो सोचो। एक एक्टर सेट पर आता है, फिर एक घंटा वह मेकअप करवाता है। तो आठ घंटे में कितना ही काम होगा। मुझे 12 घंटे ठीक लगते हैं। मैं उससे ज्यादा शूटिंग नहीं करता। हां, ये जरूर है कि शूटिंग के घंटे 14 नहीं होने चाहिए। 14 घंटे आप बतौर एक्टर काम कर भी नहीं सकते। 12 घंटे से ज्यादा काम करना आसान नहीं होता। मगर आठ घंटे से प्रोड्यूसर का बहुत नुकसान होगा।

आपकी पहली कमाई क्या थी?

मेरी पहली कमाई दिल्ली में थी और उससे मैंने कुछ खरीदा नहीं था। मैंने अपनी दादीजी को जाकर चेक दे दिया था। उसके बाद तो मैंने शुरू में कपड़े खरीदना और जो लड़कों के शौक होते हैं, वह पूरे किए थे।

आपका सेविंग मंत्र क्या है?

सेविंग मंत्र है कि लगभग 30-40 फीसदी कमाई में से बचाना होता है। जाहिर है कि सेविंग करना बहुत जरूरी है क्योंकि हम जिस ऐक्टिंग की इंडस्ट्री में हैं, वह बहुत ही अनिश्चित है। हालांकि हम देखते हैं कि हमारा मासिक खर्च कितना है और हम कितना बचा सकते हैं।

आपने अब तक सबसे महंगा खर्च क्या किया है?

सबसे महंगा तो मैंने अपना घर ही लिया है मुंबई में।

आपका रिटायरमेंट प्लान क्या है?

मैंने उसे लेकर कोई प्लान नहीं बनाया है। इसलिए चाहता हूं कि जब तक जिंदा रहूं, एक्टिंग करता रहूं।

आप युवाओं को क्या सलाह देना चाहेंगे?

पैसे की सेविंग बहुत जरूरी है। और उसी के साथ जिंदगी एंजॉय करनी भी जरूरी है। सिर्फ सेविंग के चक्कर में आज की जिंदगी मत गंवाओ। तो जितना कमा रहे हो, उसमें से थोड़ा एंजॉय करने के लिए खर्च करो। मगर पूरा मत खर्च करो। थोड़ा सेविंग भी करो।

आरसीबी के बाद एक और आईपील फ्रेंचाइजी बिकने के लिए तैयार, वैल्यूएशन में उछाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग अपने इतिहास के सबसे बड़े ओनरशिप बदलाव का गवाह बन सकता है। लीग में शुक्रवार को उस समय खलबली मच गई, जब जाने-माने इंडस्ट्रियलिस्ट हर्ष गोयनका ने X (पूर्व में ट्विटर) पर दावा किया कि दो लोकप्रिय फ्रेंचाइजी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) और राजस्थान रॉयल्स (RR) बिक्री के लिए उपलब्ध हैं। हालांकि इन दावों पर आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन इस खबर ने क्रिकेट जगत और निवेशकों के बीच बड़ी चर्चा छेड़ दी है। माना जा रहा है कि टीम मालिक मौजूदा ऊंची वैल्यूएशन का फायदा उठाते हुए फ्रेंचाइजी बेचने पर विचार कर रहे हैं।

हर्ष गोयनका के दावे से तेज हुई अटकलें

हर्ष गोयनका ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि न सिर्फ एक, बल्कि दो IPL टीमें खरीददार तलाश रही हैं। उन्होंने संभावित नए मालिकों के तौर पर पुणे, अहमदाबाद, मुंबई, बेंगलुरु और USA के ग्रुपों के शामिल होने की संभावना जताई। इस बयान ने आग में घी का काम किया और IPL की ओनरशिप स्ट्रक्चर पर बड़े सवाल खड़े कर दिए।

राजस्थान रॉयल्स: क्या वाकई बिक्री की तैयारी में है फ्रेंचाइजी?

RR को लेकर स्थिति अभी पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। राजस्थान रॉयल्स की ओनरशिप रॉयल मल्टीस्पोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के पास है। इसके मेजॉरिटी शेयरहोल्डर मनोज बडाले हैं, जिन्हें रेडबर्ड कैपिटल पार्टनर्स का मजबूत समर्थन प्राप्त है। न फ्रेंचाइजी और ना ही ओनरशिप ग्रुप ने बिक्री पर कोई बयान जारी किया है। यानी RCB के विपरीत राजस्थान के मामले में दावे अब भी अफवाहों के दायरे में हैं। इसके बावजूद गोयनका के पोस्ट के बाद चर्चाएं काफी बढ़ गई हैं।

RCB: सबसे पारदर्शी और पक्की बिक्री प्रक्रिया

RCB के मामले में तस्वीर काफी साफ है। टीम की पेरेंट कंपनी यूनाइटेड स्पिरिट्स लिमिटेड (USL) ने 5 नवंबर 2025 को टीम पर अपने निवेश का स्ट्रेटेजिक रिव्यू घोषित किया। यह रिव्यू 31 मार्च 2026 तक पूरा होगा और इसमें तीन संभावनाएं हैं, टीम की पूरी बिक्री, आंशिक हिस्सेदारी बेचना और फ्रेंचाइजी का पूरा स्ट्रक्चर बदलना। रिपोर्ट्स के अनुसार, टीम मालिक डियाजियो RCB की वैल्यूएशन $2 बिलियन (लगभग रू.17,000-18,000 करोड़) के करीब आंक रहे हैं। अगर यह डील फाइनल होती है, तो RCB दुनिया की सबसे महंगी स्पोर्ट्स फ्रेंचाइजी में शामिल हो जाएगी।

नए खरीददार कौन हो सकते हैं?

नए ओनर के संभावित नामों में कई हाई-प्रोफाइल इंडस्ट्री लीडर्स दिखाई दे रहे हैं। चर्चित नामों में अदार पूनावाला भी शामिल हैं, जिनकी रुचि इस बिक्री में बताई जा रही है। कई अन्य ग्लोबल इन्वेस्टमेंट फर्म्स भी इस रेस में उतर सकती हैं। एनालिस्ट्स की राय में RCB की बिक्री 2026 IPL सीजन से पहले भी पूरी हो सकती है।

IPL पर पड़ सकता है बड़ा असर

अगर RCB और RR दोनों टीमों का मालिकाना हक बदलता है, तो IPL के इकोसिस्टम में बड़े बदलाव संभव हैं। नए मालिक फ्रेंचाइजी में ताजा निवेश ला सकते हैं। टीम मैनेजमेंट, रणनीतियों और खिलाड़ी खरीद के तरीके में बदलाव दिख सकता है। ब्रांड आइडेंटिटी और फैन कनेक्ट पर भी प्रभाव पड़ सकता है, खासकर RCB जैसी लोकप्रिय टीम में। इन संभावित बदलावों के कारण IPL का अगला चरण नए बिजनेस मॉडल, नई रणनीतियों और नई प्रतिस्पर्धा के साथ और भी रोमांचक हो सकता है।

विराट और रोहित को धोनी ने डिनर पर बुलाया, अपनी कार में होटल तक छोड़ा

रांची (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ रविवार 30 नवंबर को होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के पहले मैच के लिए रांची पहुंच गये हैं। रांची भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी का गृहनगर है। ऐसे में उन्होंने विराट और ऋषभ के लिए अपने घर पर एक पार्टी रखी। ऐसे में ये तीन दिग्गज डिनर पार्टी में एकसाथ नजर आये। धोनी इसके बाद रोहित और विराट को स्वयं अपनी कार में होटल तक छोड़ने पहुंचे। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर आया है और प्रशंसकों ने इसको काफी पसंद किया है। इस वाकये को खूब पसंद कर रहे हैं।

गौरतब है कि विराट ने अपने करियर की शुरुआत धोनी की कप्तानी में खेलकर ही की थी। धोनी के कार्यकाल के दौरान विराट कप्तान के तौर पर तैयार हुए थे। धोनी के कप्तानी छोड़ने के बाद विराट ने ही हर प्रारूप में टीम की कप्तानी संभाली थी। इससे भारतीय क्रिकेट शीर्ष स्तर पर पहुंचा। धोनी ने आज से पांच साल पहले 15 अगस्त 2020 को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। वहीं विराट कोहली ने टेस्ट और टी20 क्रिकेट से संन्यास ले लिया है पर वह एकदिवसीय क्रिकेट खेल रे हैं। विराट कोहली बुधवार को ही लंदन से रांची पहुंचे थे और इसके अगले दूसरे ही दिन यानी वह धोनी से मिलने उनके घर पहुंचा। लंबे समय बाद इन तीनों को देखकर प्रशंसक भी उत्साहित हैं।

2027 विश्वकप तक कोच बने रहेंगे गंभीर : बीसीसीआई

मुम्बई (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारतीय क्रिकेट टीम की करारी हार के बाद जहां प्रशंसकों और कई पूर्व क्रिकेटरों ने मुख्य कोच गौतम गंभीर को हटाने की मांग की है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीसी) ने ऐसी किसी भी संभावना से इंकार करते हुए गंभीर पर भरोसा बनाये रखा है। बीसीसीआई के अनुसार अभी टीम बदलाव के दौर से गुजर रही है और ऐसे में उन्हें अपने काम को करने दिया जाएगा।

गंभीर 2027 विश्वकप तक टीम के साथ बने रहेंगे। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज के दौरान पिच, अंतिम ग्यारह और खिलाड़ियों के बल्लेबाजी क्रम को को लेकर भी गंभीर की रणनीति पर सवाल उठे हैं। गंभीर की ही कोचिंग में भारतीय टीम को न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सभी मैचों में हार का सामना करना पड़ा है।

रिपोर्ट के अनुसार अभी वह तीनों ही प्रारूपों में मुख्य कोच बने रहेंगे।

बीसीसीआई ने गंभीर को तीन साल के लिए भारतीय टीम का मुख्य कोच बनाया है। उनका कार्यकाल 2027 विश्व कप तक चलेगा। गंभीर के मार्गदर्शन में भले ही भारतीय टीम का टेस्ट रिकॉर्ड अच्छा नहीं रहा है। मगर उनकी कोचिंग में ही टीम ने चैंपियंस ट्रॉफी और एशिया कप जीत है।माना जा रहा है कि गंभीर के कोच रहते ही टीम टी20 में आक्रामक होकर उभरी है जिससे उसका प्रदर्शन बेहतर हुआ है। रिपोर्ट में ये बातें भी सामने आई हैं कि गंभीर से होने वाली बैठक में टीम के प्रदर्शन को सुधारने को लेकर बात की जाएगी और जरूरी फैसले भी लिए जाएंगे।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी : सुपर ओवर में हरियाणा ने पंजाब को हराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। कप्तान अंकित कुमार और निशांत सिंधु के अच्छे प्रदर्शन से हरियाणा ने शुक्रवार को हुए सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025 के एलीट ग्रुप सी क्रिकेट मुकाबले में पंजाब को सुपर ओवर में हरा दिया। जिमखाना क्रिकेट मैदान में खेले गए इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए, हरियाणा की टीम ने 20 ओवरों में 9 विकेट पर 207 रन बनाए। शुरुआती विकेट गिरने के बाद अंकित ने निशांत के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 34 गेंदों में 74 रन बनाकर टीम को बेहतर स्थिति में पहुंचा दिया। अंकित ने 26 गेंदों में 4 छक्कों और 5 चौकों के साथ 51 रन बनाये।

वहीं निशांत संधु ने यशवर्धन दलाल के साथ तीसरे विकेट के लिए 31 गेंदों में 62 रन बनाकर टीम को अच्छे स्कोर तक पहुंचाया। निशांत ने 33 गेंदों में 3 छक्कों और 8 चौकों के साथ 61 रन बनाये। यशवर्धन दलाल ने 27, जबकि सुमित कुमार ने 28 रन बनाये।

वहीं पंजाब की ओर से अश्विनी कुमार ने ने 3 विकेट जबकि अभिषेक शर्मा, रमनदीप सिंह, हरप्रीत बरार और मयंक मार्कंडेय ने 1-1 विकेट लिया।

इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए पंजाब की टीम ने 20 ओवरों में ही 7 विकेट पर 207 रन बना दिये। शुरुआत में ही सलामी बल्लेबाजों के विकेट खोने के बाद साहिल ओरोड़ा ने अनमोलप्रीत सिंह के साथ तीसरे विकेट के लिए 68 रन बनाकर पारी को संभाला। साहिल ने 18 गेंदों में 11 रन बनाये

नवल वढेरा ने अनमोलप्रीत सिंह के साथ चौथे विकेट के लिए 49 रन बनाकर टीम को 145 के स्कोर तक पहुंचाया। अनमोलप्रीत ने 37 गेंदों में 5 छक्कों और 8 चौकों के साथ सबसे अधिक 81 रन बनाये। इनके अलावा, सनवीर सिंह ने 16 गेंदों में नाबाद 30 रन बनाए और टीम को और टीम को 207 रनों पर पहुंचा दिया और मैच बराबरी पर आया गया।

हरियाणा की ओर से अंशुल कंबाज, युजवेंद्र चहल और सामंत जाखड़ ने 2-2 विकेट लिए।।

इसके बाद सुपर ओवर में विजेता का फैसला हुआ। यहां पंजाब ने 3 गेंदों में दो विकेट खोकर एक रन बनाया। वहीं हरियाणा की टीम ने पहली गेंद पर ही चौके लगाकर मैच जीत लिया।

क्या दूसरी शादी करने जा रहे चहल ?

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर चल रहे स्पिनर युजवेंद्र चहल लगता है दूसरी शादी करने जा रहे हैं । इसका अंदाजा चहल की उसे पोस्ट से लगता है जिसमें उन्होंने कहा है कि वह शादी के लिए लड़की की तलाश में है । चहल की पहली शादी साल 2020 में डांसर धनश्री वर्मा से हुई थी पर अब दोनो का तलाक हो गया है । दोनों की ये शादी ज्यादा दिन तक चल नहीं पाई और साल 2022 में ही दोनों अलग हो गये थे । वहीं मार्च 2025 में इनका तलाक हो गया। वहीं अब चहल ने सोशल मीडिया में तस्वीर पोस्ट कर बताया कि वह शादी के लिए लड़की की तलाश में हैं। उन्होंने अपनी कई तस्वीरें पोस्ट करते हुए लिखा, ‘शादी के लिए तैयार हूं, बस एक लड़की चाहिए ।’ उनकी इस पोस्ट से प्रशसंकों की धड़कन बढ़ गयी है । कुछ ने जश्न मनाया है जबकि कुछ उन्हें पुरानी बातें याद दिला रहे हैं इसके अलावा कुछ ने आरजे महवश को भी टैग किया है । वहीं धनश्री ने एक शो में बताया था कि उनकी शादी लव और अरेंज दोनों थी । पहले अरेंज मैरिज की तरह शुरू हुई थी । वह बिना डेटिंग के शादी करना चाहता था और मैं शादी के बारे में सोच भी नहीं रही थी । लेकिन जब उससे मिली और उसने मुझे मनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी तब मैं शादी के लिए मान गई थी ।

ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा ने कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी मिलने पर जाहिर की खुशी

नई दिल्ली । ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा ने भी भारत को कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी मिलने पर खुशी जाहिर की है। उन्होंने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट पर लिखा, ‘भारत को 2030 में शताब्दी राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी का सम्मान मिला है, जो एक सच्चे खेल राष्ट्र बनने की हमारी यात्रा में एक सशक्त कदम है। यह ऐतिहासिक क्षण प्रत्येक भारतीय खिलाड़ी, खेल प्रशंसक और नागरिक को अपार गर्व से भर देता है।’ भारत के गुजरात प्रांत का अहमदाबाद शहर 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी करेगा। हाल में ग्लासगो में कॉमनवेल्थ गेम्स फेडरेशन (सीजीएफ) की आम बैठक में राष्ट्रमंडल के 74 सदस्य देशों ने इन खेलों की मेजबानी के लिए अहमदाबाद के नाम पर आधिकारिक मुहर लगा दी। राष्ट्रमंडल खेलों की महासभा की बैठक में सदस्य देशों के प्रतिनिधियों ने इन खेलों के लिये अहमदाबाद में मेजबानी के लिए भारत के प्रस्ताव का अनुमोदन किया।

राहुल की कप्तानी में अब एकदिवसीय सीरीज में दक्षिण अफ्रीका का मुकाबला करेंगी भारतीय टीम

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम अब केएल राहुल की कप्तानी में 30 नवंबर से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेलेगी। भारतीय टीम का लक्ष्य इस सीरीज में जीत के साथ ही टेस्ट सीरीज में मिली 2-0 की करारी हार से उबरना रहेगा। नियमित कप्तान शुभमन गिल की गर्दन में अकड़न के कारण इस सीरीज में राहुल की कप्तानी में टीम कैसा प्रदर्शन करती है ये देखना होगा। इस सीरीज में जीत के लिए भारतीय बल्लेबाजों और गेंदबाजों को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। लेफ्ट-राइट मिश्रण, मध्यक्रम और गेंदबाजी ऑर्डर मिट्टी पर असर डाल सकते हैं। इस सीरीज में अनुभवी बल्लेबाजों रोहित शर्मा और विराट कोहली की वापसी से भारतीय टीम को लाभ होगा हालांकि उसे दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों विशेषकर स्पिनरों से सावधान रहना होगा।

वहीं टेम्बा बावुमा की कप्तानी में दक्षिण अफ्रीकी टीम अपने जीत के सिलसिले को बरकरार रखना चाहेगी। टेस्ट सीरीज में मिली जीत से उसका मनोबल बढ़ा हुआ है जिसका लाभ उसे मिलेगा। एकदिवसीय सीरीज का कार्यक्रम इस प्रकार है। पहला एकदिवसीय मैच- 30 नवंबर 2025, रांची में दोपहर 1:30 बजे से खेला जाएगा। दूसरा एकदिवसीय मैच- 3 दिसंबर 2025 को रायपुर में खेला जाएगा।तीसरा एकदिवसीय मुकाबला- 6 दिसंबरको विशाखापत्तनम में होगा। तीनों ही मैच दोपहर 1 बजकर 30 मिनट से खेले जाएंगे

दोनों ही टीमें इस प्रकार हैं

भारत : केएल राहुल (कप्तान व विकेटकीपर), रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, तिलक वर्मा,ऋषभ पंत (विकेटकीपर), वाशिंग्टन सुंदर, रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, नितीश कुमार रेड्डी, हर्षित राणा, रुतुराज गायकवाड़, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह, ध्रुव जुरेल।

दक्षिण अफ्रीका: टेम्बा बावुमा (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, कॉर्बिन बॉश, मैथ्यू ब्रीट्जके, डेवाल्ड ब्रेविस, नांद्रे बर्गर, क्विंटन डी कॉक, टोनी डी जोरजी, रुबिन हर्मन, केशव महाराज, मार्को जैनसन, एडेन मार्करम, लुंगी एंगिडी, रयान रिकेल्टन, प्रेनेलन सुब्रायेन।

यूनिसेफ गुडविल एम्बेसडर डेविड बेकहम भारत की यात्रा पर, बच्चों से मिले

मुंबई । यूनिसेफ गुडविल एम्बेसडर सर डेविड बेकहम इस सप्ताह भारत की यात्रा के दौरान बच्चों और युवाओं से मिले और हर बच्चे के लिए समान अवसर, समावेशन और सशक्तिकरण की अपील की । बेकहम ने कहा, ‘मैं आज मैं जिन बच्चों और युवाओं से मिला, उनके जोश, हिम्मत और जुनून को देखकर मैं बहुत खुश हूं । ये कम उम्र में ही बदलाव के लिए संघर्ष कर रहे हैं और अपने भविष्य पर अपनी बात रख रहे हैं । ये वास्तव में प्रेरणादायक हैं और कई चुनौतियों को पार कर यहां तक पहुंचे हैं । उनका सफर हमें यह याद दिलाता है कि हमें बच्चों और युवाओं में इन्वेस्ट करते रहना चाहिए ।’ मुंबई के एफ्रेज फुटबॉल ग्राउंड्स में बेकहम ने 12 वर्षीय खुशी और 10 वर्षीय रोहित से मुलाकात की, जिन्हें फुटबॉल ने अपनी ओर आकर्षित किया । फुटबॉल ने उन्हें जीवन कौशल सीखने, आत्मविश्वास, आनंद और अपनापन का अनुभव दिया । खुशी ने कहा, ‘मैं हमेशा बहुत शांत और अलग- थलग रहती थी । फुटबॉल खेलने से मुझे खुलने और बेहतर संवाद करने में मदद मिली । मैंने दूसरों के साथ बातचीत करना और निर्णय लेना सीखा ।’ बेकहम ने यूनिसेफ के सपोर्ट वाले एक प्रोजेक्ट के छोटे बच्चों से भी मुलाकात की, जिसका उद्देश्य मुंबई को रहने और खेलने के लिए बेहतर स्थान बनाना है, जहां हर नागरिक अपने समुदाय का समर्थन करने के लिए एकजुट होता है । 9 साल के तीर्थ, जो वेस्ट कम्पोस्ट चैंपियन हैं, ने कहा, ‘जब मैंने देखा कि हमारे स्कूल का कचरा कम्पोस्ट में बदल रहा है और पौधों को बढ़ने में मदद कर रहा है – तो मुझे एहसास हुआ कि हम सिर्फ सफाई नहीं कर रहे हैं ; हम धरती को वापस जीवन दे रहे हैं ।’ यूनिसेफ इंडिया प्रतिनिधि सिंथिया मैककैफ्री ने कहा, ‘पिछले 20 सालों से यूनिसेफ के गुडविल एंबेसडर के तौर पर, सर डेविड बेकहम ने लगातार दुनिया के बच्चों और उनके सामने आने वाली सबसे बड़ी चुनौतियों की ओर ध्यान दिलाया है । वह भारत और दुनिया भर के बच्चों के लिए एक प्रेरणा हैं और उनकी सराहना उन्हें अपने सपनों को पूरा करने और अपनी पूरी क्षमता तक पहुँचने के लिए प्रोत्साहित करेगी ।

पूर्व क्रिकेटर अनिरुद्ध श्रीकांत मॉडल संयुक्ता के साथ शादी के बंधन में बंधे

चेन्नई । आईपीएल टीम चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के पूर्व क्रिकेटर अनिरुद्ध श्रीकांत मॉडल संयुक्ता शनमुगनाथन के साथ शादी के बंधन में बंध गये हैं । चेन्नई में पारंपरिक हिंदू रस्मों से ये शादी हुई । इसमें दोनों के परिवार और करीबी दोस्त शामिल हुए । दोनों की शादी की तस्वीरें सामने आते ही प्रशंसकों ने इस जोड़े को बधाई दी है । संयुक्ता और अनिरुद्ध की शादी बेहद सादगी और पारंपरिक माहौल में संपन्न हुई । इनकी शादी की तस्वीरें इंटरनेट पर आते ही तेज़ी से वायरल हो गईं, प्रशंसकों ने इन्हें ने अपनी शुभकामनाएं भेजी हैं । इसके अलावा, दोनों ने एक विशेष वीडियो भी पोस्ट किया, जिसमें परिवार, उनके बेटे और करीबी दोस्तों के साथ बिताए भावुक और खुशियों भरे पल शामिल थे । संयुक्ता और अनिरुद्ध ने अपने रिश्ते की झलक पहली बार दिवाली के दौरान दी थी, जब उन्होंने एक साथ तस्वीर पोस्ट की थी । इस तस्वीर ने तुरंत ही सोशल मीडिया पर चर्चा शुरू कर दी और दोनों की संभावित सगाई और शादी को लेकर उत्सुकता बढ़ गई थी जो शादी से के साथ ही समाप्त हो गयी ।

सैंटियागो नीवा बने भारतीय महिला मुक्केबाजी टीम के नये मुख्य कोच, 2028 ओलंपिक के लिए तैयार करेंगे टीम

नई दिल्ली । स्वीडन के सैंटियागो नीवा भारतीय महिला मुक्केबाज टीम के नये मुख्य कोच बनाये गये हैं । भारतीय मुक्केबाजी संघ (बीएफआई) ने नीवा को मुख्य कोच बनाने की घोषणा करते हुए कहा है कि उनके आने से मुक्केबाजी टीम और बेहतर होगी । नीवा साल 2017 से 2021 तक भारतीय टीम के हाई परफॉर्मेंस डायरेक्टर भी रहे हैं । इस दौरान उनका कार्यकाल काफी अच्छा रहा है । नीवा के ही मार्गदर्शन में भारतीय पुरुष मुक्केबाजों ने 2019 विश्वचैंपियनशिप में पदक जीते थे । तब अमित पंघाल ने रजत जबकि मनीष कौशिक ने कांस्य पदक जीता था । इसके बाद भारतीय टीम ने 2020 टोक्यो ओलंपिक में सबसे बड़ी टीम उतारी । इसमें लवलीना बोरगोहेन ने कांस्य पदक जीता । लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक को देखते हुए नीवा का लक्ष्य सभी वजन वर्ग में भारतीय महिला खिलाड़ियों को बेहतर बनाना रहेगा । नीवा के पास दो दशकों से ज्यादा का कोचिंग अनुभव है, उन्होंने विश्व मुक्केबाजी में काफी अच्छी भूमिका निभाई है । राष्ट्रीय महिला टीम ने हाल ही में ग्रेटर नोएडा में आयोजित विश्व कप फाइनल्स 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए सात स्वर्ण, एक रजत और दो कांस्य पदक जीते । इस मौके पर नीवा ने कहा, मैं भारत वापस आकर बहुत उत्सुक हूं । मेरे पिछले कार्यकाल के पांच साल बहुत शानदार रहे हैं । मैं इस नए अध्याय का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं । उम्मीद है कि हम साथ मिलकर बड़ी सफलता हासिल करेंगे । भारतीय महिला टीम में बहुत क्षमता है । ओलंपिक में हम इतिहास रचना चाहेंगे ।

टी20 वर्ल्ड कप में भारत को हराना मेरे करियर का सबसे गर्व का पल था: बाबर आजम

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और स्टार बल्लेबाज बाबर आज़म ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की सबसे यादगार उपलब्धि का खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि कप्तान के तौर पर भारत के खिलाफ टी20 वर्ल्ड कप 2021 में मिली ऐतिहासिक जीत उनके पेशेवर सफर का सबसे गर्व भरा पल है। यह वही मुकाबला था जिसने पाकिस्तान के विश्व कप इतिहास में पहली बार भारत के खिलाफ जीत दर्ज की थी। इस यादगार मैच ने न केवल बाबर के नेतृत्व को नई पहचान दी, बल्कि पाकिस्तान क्रिकेट की मनोवैज्ञानिक बाधा भी तोड़ी।

भारत के खिलाफ पहली वर्ल्ड कप जीत

बाबर आजम ने केविन पीटरसन के YouTube शो द स्विच पर बातचीत में बताया कि 2021 टी20 वर्ल्ड कप की वह रात उनके करियर का निर्णायक पल थी। इससे पहले पाकिस्तान 12 वर्ल्ड कप मैचों में भारत को कभी नहीं हरा पाया था। दुबई में खेले गए इस मुकाबले में पाकिस्तान ने भारतीय टीम को 10 विकेट से मात देकर नया इतिहास रचा। बाबर ने कहा कि कप्तान के रूप में भारत को हराना उनके लिए किसी भी ट्रॉफी जितने सम्मान का एहसास था।

बाबर और रिज़वान की रिकॉर्ड साझेदारी

टॉस जीतने के बाद पाकिस्तान ने पहले गेंदबाज़ी का फैसला किया और शाहीन अफरीदी की शानदार गेंदबाजी के दम पर भारत को 151 रन पर रोक दिया। विराट कोहली की फिफ्टी के अलावा कोई भारतीय बल्लेबाज बड़ा स्कोर नहीं कर पाया। लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान की ओपनिंग जोड़ी मोहम्मद रिजवान (79*) और बाबर आजम (68*) ने बिना विकेट खोए मैच खत्म कर दिया। यह जीत सिर्फ एक नतीजा नहीं, बल्कि पाकिस्तान क्रिकेट के लिए मनोबल बढ़ाने वाला मोमेंट था।

बाबर की करियर-डिफाइनिंग इनिंग्स

बाबर ने अपनी कुछ खास इनिंग्स का भी ज़िक्र किया। उनके अनुसार, दक्षिण अफ्रीका दौरा उनके क्रिकेटिंग माइंडसेट के लिए टर्निंग पॉइंट था, जहां उन्होंने डेल स्टेन और कागिसो रबाडा की आक्रमक गेंदबाज़ी के खिलाफ महत्वपूर्ण पारियां खेलीं।2019 वर्ल्ड कप में न्यूज़ीलैंड के खिलाफ उनकी मैच-विनिंग इनिंग को वह अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ पारियों में से एक मानते हैं।

कप्तानी छूटने के बाद बाबर का नया लक्ष्य

2023 ODI वर्ल्ड कप और 2024 टी20 वर्ल्ड कप में खराब प्रदर्शन के बाद बाबर को कप्तानी से हटाया गया। हालांकि हाल ही में टीम में वापसी के बाद बाबर ने कहा कि उनका मुख्य लक्ष्य पाकिस्तान को ICC खिताब दिलाना है। उन्होंने बताया कि वे फिटनेस और स्किल्स पर पहले से ज्यादा मेहनत कर रहे हैं ताकि देश के लंबे इंतजार को खत्म किया जा सके।

ICC ट्रॉफी जीतना है सबसे बड़ा सपना

बाबर का मानना है कि पाकिस्तान काफी करीब आ चुका है और सही तैयारी तथा फोकस के साथ टीम बड़े टूर्नामेंट जीत सकती है। उन्होंने कहा, ‘मैं चाहता हूं कि पाकिस्तान ICC ट्रॉफी उठाए। इसके लिए मैं खुद को और बेहतर बनाने में जुटा हूं।’

संक्षिप्त समाचार

पेरू के पूर्व राष्ट्रपति विजकार्रा को 14 साल की जेल

लीमा, एजेंसी। पेरू की एक अदालत ने पूर्व राष्ट्रपति मार्टिन विजकार्रा को एक दक्षिणी राज्य के गवर्नर के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान भ्रष्टाचार योजना में उनकी भूमिका के लिए 14 साल जेल की सजा सुनाई है। विजकार्रा को तत्काल कारावास की सजा सुनाई गई और सार्वजनिक पद से नौ वर्ष का प्रतिबंध लगा दिया गया। अदालत ने निष्कर्ष निकाला कि विजकार्रा ने मोकेगुआ के गवर्नर के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान दो प्रमुख परियोजनाओं - एक सिंचाई प्रणाली और एक अस्पताल के निर्माण - के लिए ठेके देने के बदले में कंपनियों से अवैध भुगतान प्राप्त किया था। अभियोजकों ने विजकार्रा पर निर्माण कंपनियों से लगभग 611,000 डॉलर की रिश्वत लेने का आरोप लगाया। अभियोजकों ने 15 वर्ष की जेल की सजा का अनुरोध किया था।

पाकिस्तान : खैबर पख्तूनख्वा में चेक पोस्ट पर आतंकवादी हमले में 3 पुलिसकर्मी मारे गए

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में बुधवार को एक जांच चौकी पर आतंकवादियों के हमले में तीन पुलिस कर्मियों की मौत हो गई। जिला पुलिस अधिकारी खान जेब ने बताया कि यह हमला हांगू जिले के काजी तालाब पुलिस चेकपोस्ट पर हुआ, जब आतंकवादियों ने पास के पहाड़ से सुरक्षाकर्मियों पर गोलीबारी की। पुलिस ने तुरंत जवाबी कार्रवाई की, जिसके बाद भीषण गोलीबारी शुरू हो गई। हालांकि, गोलीबारी में तीन पुलिसकर्मी मारे गए। जेब ने बताया कि हमलावरों की तलाश के लिए इलाके में भारी पुलिस बल तैनात किया गया। मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी ने हमले की कड़ी निंदा की और बिना किसी देरी के अतिरिक्त सुरक्षा बलों को घटनास्थल पर भेजने का आदेश दिया।

नेपाल : जेन-जी और यूएमएल कैडरों में झड़प, एक हफ्ते के अंदर दूसरी बार हिंसा

धनगढ़ी, एजेंसी। नेपाल के धनगढ़ी शहर में बुधवार को जेन-जी समूह और केपी शर्मा ओली के नेतृत्व वाली पार्टी सीपीएन-यूएमएल के कार्यकर्ताओं के बीच टकराव हो गया। एक सप्ताह के भीतर हिंसा की यह दूसरी घटना है। इस झड़प में प्रदर्शनकारी एक जेन-जी को हल्की चोट आई है। यूएमएल नेता महेश बसनेत के शहर में आने से पहले जेन-जी शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे थे। पुलिस ने बताया कि तनाव तब बढ़ा, जब बाइक पर आए यूएमएल कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शनकारियों पर हमला कर दिया। बसनेत नेशनल यूथ एसोसिएशन नेपाल के एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए धनगढ़ी जा रहे थे। कैलाली जिला पुलिस कार्यालय के अनुसार, पिछले सप्ताह बारा जिले में हुई हिंसा को देखते हुए पुलिस ने पहले ही सुरक्षा कड़ी कर दी थी। रविवार को कुछ जेन-जी ने बिराटनगर हवाई अड्डे के पास महेश बसनेत की गाड़ी पर स्याही फेंक दी थी। इससे कुछ ही दिन पहले सिमरा चौक पर यूएमएल महासचिव शंकर पोखरेल और बसनेत को रोकने की कोशिश कर रहे जेन-जी कार्यकर्ताओं और यूएमएल कार्यकर्ताओं के बीच हिंसक झड़प हुई थी, जिसमें छह युवा घायल हो गए थे। इस दौरान पथराव हुआ था। हवाई अड्डे पर तोड़फोड़ के कारण उड़ानों को कई घंटों के लिए रोकना पड़ा था।

इस्राइल ने लौटाए 15 और फलस्तीनियों के शव, सीजफायर के दूसरे चरण पर चर्चा के लिए मिले तीन देशों के अधिकारी

तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइल ने पंद्रह और फलस्तीनियों के शव सौंप दिए हैं। संघर्षविराम समझौते का पहला चरण खत्म होने के करीब है और अधिकारी दूसरे चरण पर चर्चा करने के लिए एकत्र हुए हैं। गाजा में अस्पताल के अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। यह घटनाक्रम तब सामने आया है, जब फलस्तीनी लड़ाकों ने इस्राइली बंधक ड्रोर ओर के अवशेष लौटाए हैं। इस्राइली सेना का कहना है कि हमास के सात अक्तूबर 2023 के हमले में उनकी मौत हो गई थी। समझौते के तहत इस्राइल हर एक बंधक के बदले 15 फलस्तीनी शव लौटाने के लिए तैयार हुआ है। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, ताजा आदान-प्रदान के बाद इस्राइल अब तक कुल 345 फलस्तीनी शव गाजा वापस भेज चुका है। ये आदान-प्रदान पिछले महीने शुरू हुए थे। गाजा में अभी भी दो लोग हमास की कैद में हैं। इनमें एक इस्राइली और एक थाई नागरिक है। तुर्किये, कतर और मिस्र के अधिकारियों ने बुधवार को काहिरा में मुलाकात की, ताकि संघर्षविराम के दूसरे चरण पर बात की जा सके। दोनों पक्षों की ओर से एक दूसरे पर संघर्षविराम के उल्लंघन के आरोप लगाए जा रहे हैं। इसके बावजूद यह संघर्षविराम अब तक बना हुआ है। समझौते के अगले चरणों में एक अंतरराष्ट्रीय बल को तैनात करना और गाजा के लिए एक अंतरराष्ट्रीय प्रशासनिक ढांचा बनाना शामिल है, जो पुनर्निर्माण कार्य की निगरानी भी करेगा। सशस्त्र अंतरराष्ट्रीय स्थिरीकरण बल का काम सुरक्षा बनाए रखना और हमास का निरस्त्रीकरण सुनिश्चित करना होगा। यह इस्राइल की मुख्य मांग है।

व्हाइट हाउस के पास फायरिंग, 2 नेशनल गार्ड्स गंभीर घायल

अफगानिस्तानी हमलावर गिरफ्तार, ट्रम्प ने यहां के शरणार्थियों के आने पर रोक लगाई

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका में बुधवार शाम व्हाइट हाउस से दो ब्लॉक दूर हुई फायरिंग में नेशनल गार्ड्स के दो मेंबर्स गंभीर रूप से घायल हो गए। इस मामले में एक आरोपी को हिरासत में लिया गया है। एफबीआई अधिकारियों के मुताबिक, हमले में शामिल संदिग्ध की पहचान रहमानुल्लाह लाकनवाल के तौर पर हुई है। वो अगस्त 2021 में अफगानिस्तान से अमेरिका आया था। उसने 2024 में शरणार्थी के दर्जे के लिए अप्लाई किया था और उसे इसी साल मंजूरी मिली थी। हमला फैरागट वेस्ट मेट्रो स्टेशन के पास हुआ, जहां लाकनवाल कुछ समय तक इंतजार करता रहा और फिर अचानक 2:15 बजे के आसपास उसने गोलीबारी शुरू कर दी। न्यूयॉर्क पोस्ट के मुताबिक, उसने पहले एक महिला गार्ड को सीने में गोली मारी और फिर सिर में। इसके बाद उसने दूसरे गार्ड पर फायर किया। उसी समय पास ही मौजूद तीसरे गार्ड ने दौड़कर हमलावर को काबू कर लिया। गिरफ्तार होने से पहले लाकनवाल को चार गोलियां लगीं और उसे लगभग बिना कपड़ों के एम्बुलेंस में ले जाया गया।

ट्रम्प बोले- यह मानवता के खिलाफ अपराध है : अमेरिकी जस्टिस डिपार्टमेंट इस मामले को आतंकवादी हमले के तौर पर जांच रहा है। हमले के बाद राष्ट्रपति ट्रम्प ने पेंटागन को निर्देश दिया कि वॉशिंगटन डीसी में सुरक्षा बढ़ाने के लिए 500 एक्स्ट्रा नेशनल गार्ड्स भेजे जाएं। ट्रम्प ने कहा कि आरोपी इसकी भारी कीमत चुकाएगा। एपी की खबर के मुताबिक एक अधिकारी ने नाम ना छापने की शर्त पर बताया कि एक गार्ड को सिर में गोली लगी है। राष्ट्रपति ट्रम्प ने संदिग्ध को जानवर कहा है। उन्होंने कहा कि वो इसकी बहुत भारी कीमत चुकाएगा।

ट्रम्प ने ट्रुथ पर लिखा- हमारी महान नेशनल गार्ड और सुरक्षा बलों पर गर्व है। मैं और मेरी पूरी टीम उनके साथ है। यह पूरे राष्ट्र के खिलाफ अपराध है। यह मानवता के खिलाफ अपराध है।

अभी तक आरोपी का मकसद साफ नहीं : रिपोर्ट के मुताबिक, लाकनवाल ऑपरेशन एलाइज वेलकम प्रोग्राम के तहत अमेरिका में आया था। उसे वॉशिंगटन के बेलिंगहैम बसाया गया था। पुलिस का कहना है कि लाकनवाल ने अकेले ही यह हमला किया और अब तक इसका मकसद साफ नहीं है। एनबीसी और वॉशिंगटन पोस्ट का कहना है कि एफबीआई इस मामले को आतंकी हमले के रूप में जांच कर रही है। ट्रम्प ने पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन पर की आलोचना करते हुए दावा किया कि संदिग्ध को बाइडेन प्रशासन के समय अमेरिका लाया गया था।

क्या था मकसद : राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास के सामने हुई इस गोलीबारी को लेकर डीसी के मेयर म्यूरिल बाउजर ने जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने बताया कि आरोपी ने यह टार्गेटेड अटैक किया था। घटनास्थल पर मौजूद अधिकारियों के मुताबिक आरोपी यहां ऐसे ही टहलते हुए आकर एक मोड़ पर रुका और उसने हैंडगन निकालकर फायरिंग करनी शुरू कर दी। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस फायरिंग का शिकार दोनों नेशनल गार्ड्स सदस्यों के सिर में गोली लगी है, जिससे उनकी हालत गंभीर है। इस गोलीबारी के बाद आसपास मौजूद अन्य सदस्यों ने तुरंत ही वहां आकर हालात को काबू में किया। एफबीआई प्रमुख काश पटेल ने भी घटनास्थल पर पहुंचकर जानकारी ली। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि आरोपी को हिरासत में लिया गया है। मामले की जांच जारी है। उसका क्या मकसद था इसके बारे में फिलहाल जांच के बाद ही पता चलेगा।

अफगानिस्तान में अमेरिकी सैनिकों संग किया काम : एपी की रिपोर्ट के मुताबिक, इस मामले की जानकारी रखने वाले दो कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने बताया कि रहमानुल्लाह पिछले काफी समय से वाशिंगटन में ही रह रहा है, लेकिन अभी उसकी और जानकारी निकाली जा रही है। एनबीसी ने रहमानुल्लाह के एक करीबी रिश्तेदार के हवाले से बताया कि रहमानुल्लाह और उसकी पत्नी के कुल पांच लड़के हैं। 2021 में अमेरिका आने से पहले वह अफगानिस्तान में अमेरिकी सैनिकों के साथ काम करता था। लकनवाल ने 10 साल तक अफगान सेना में काम किया। उस दौरान वह कंधार के एक अड्डे पर तैनात रहा।

एक और अफ्रीकी देश में तख्तापलट, सेना ने कब्जाया राष्ट्रपति भवन

बिसाऊ, एजेंसी। पश्चिम अफ्रीकी देश गिनी बिसाऊ में सैन्य तख्तापलट हो गया है। सैनिकों ने राष्ट्रीय टीवी पर आकर बताया कि उन्होंने सत्ता पर कब्जा कर लिया है। इससे पहले राष्ट्रपति भवन में गोलियां चलने की आवाज सुनाई दी थी। गिनी बिसाऊ में सैन्य तख्तापलट ऐसे समय हुआ है, जब तीन दिन पहले ही वहां आम चुनाव हुए। गिनी बिसाऊ के राष्ट्रपति ने भी फ्रांसीसी मीडिया से बताया कि उन्हें पद से हटा दिया गया है और गिरफ्तार कर लिया गया है।

सेना ने राष्ट्रीय टीवी पर जारी किया बयान : गिनी बिसाऊ की सेना के प्रवक्ता डिनीस एन चामा ने एक बयान जारी कर बताया कि 'सैन्य कमांड ने राष्ट्रपति को पद से हटा दिया है। नए आदेश तक सभी लोकतांत्रिक संस्थान भी बर्खास्त रहेंगे।' सेना के प्रवक्ता ने बताया कि देश को अस्थिर करने की साजिश रची जा रही थी और चुनाव में भी धांधली की गई थी। उन्होंने कहा कि कुछ राष्ट्रीय नेता, ड्रग माफिया और कुछ विदेशी नागरिकों के साथ मिलकर साजिश रच रहे थे। हालांकि सैन्य प्रवक्ता ने ज्यादा जानकारी नहीं दी। सेना द्वारा गिनी बिसाऊ के सभी बॉर्डर सील कर दिए गए हैं और मीडिया संस्थानों की गतिविधियों को भी सीमित कर दिया गया है।

गिनी बिसाऊ में तख्तापलट का लंबा इतिहास : पश्चिमी अफ्रीकी देश गिनी बिसाऊ में इससे पहले भी चार बार तख्तापलट हो चुका है और कई बार तख्तापलट की

कोशिश हो चुकी है। बीते महीने भी तख्तापलट की कोशिश की गई थी। गिनी बिसाऊ ड्रग तस्करी का भी गढ़ बनकर उभरा है और यहां से बड़े पैमाने पर दक्षिण अमेरिकी और यूरोपीय देशों में ड्रग तस्करी की जाती है। गिनी बिसाऊ में रविवार को हुए चुनाव का अभी तक नतीजा जारी नहीं हुआ है, लेकिन राष्ट्रपति उमारो सिसोको एंबेलो और विपक्षी नेता फर्नांडो डियास डा कोस्टा दोनों ने ही जीत का दावा किया है।

कैसे हुआ तख्तापलट : बुधवार दोपहर में राष्ट्रपति भवन के पास गोलीबारी की आवाजें सुनाई दीं। मीडिया ने बताया कि राष्ट्रपति भवन जाने वाली सभी सड़कों को ब्लॉक कर दिया गया था और जगह-जगह हथियारबंद सेना के जवान तैनात थे। राष्ट्रपति भवन के अधिकारियों ने बताया कि हथियारबंद सेना के जवानों ने राष्ट्रपति भवन पर हमला किया और इस दौरान सेना के जवानों और राष्ट्रपति भवन के गार्ड्स के बीच गोलीबारी हुई। मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य निर्वाचन अधिकारियों को गिरफ्तार कर चुनाव आयोग के कार्यालय को सील कर दिया गया है। पश्चिम अफ्रीकी देशों में साल 2020 से कई तख्तापलट हो चुके हैं।

बांग्लादेश में झुग्गी-बस्ती में लगी आग से जलीं 1500 से ज्यादा झोपड़ियां, हजारों लोग बेघर हुए

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में स्थित भीड़भाड़ वाले कोरैल झुग्गी-बस्ती में लगी भीषण आग ने करीब 1,500 झोपड़ियों को जला दिया या नुकसान पहुंचाया। इसके चलते वहां रहने वाले हजारों लोग बेघर हो गए। हालांकि, किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

अधिकारियों के मुताबिक, आग मंगलवार शाम को लगी और लगभग 16 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद बुधवार को बुझाई जा सकी। अग्निशमन सेवा के ड्यूटी अधिकारी राशिद बिन खालिद ने बताया कि आग को पूरी तरह नियंत्रित करने में काफी समय लग गया। दमकल सेवा के निदेशक लेफ्टिनेंट कर्नल मोहम्मद ताजुल इस्लाम चौधरी ने कहा कि करीब 1,500 झोपड़ियां जलकर राख हो गईं या गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हुईं, जिससे बड़ी संख्या में लोग बेघर हो गए।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, कोरैल स्लम में करीब 60,000 परिवार रहते हैं, जिनमें से कई जलवायु परिवर्तन से प्रभावित होकर आए शरणार्थी हैं। 160 एकड़ (65 हेक्टेयर) में फैला यह बस्ती ढाका के पॉश गुलशन और बनानी क्षेत्रों के बीच स्थित है और इसके चारों ओर ऊंची-ऊंची इमारतें हैं।

बताया जाता है कि आग लगने के बाद बस्ती में भारी धुआं फैल गया और निवासी रातभर अपनी झोपड़ियों को आग की लपटों में घिरते देखते रहे। बुधवार को लोग मलबे से अपनी बची-कुची चीजें निकालने की कोशिश करते दिखे। दमकलकर्मियों ने बताया कि बेहद संकरी गलियां होने के कारण मौके तक पहुंचना उनके लिए बेहद चुनौतीपूर्ण रहा।

ढाका, जिसकी आबादी 2024 तक लगभग 1.02 करोड़ है, में सैकड़ों झुग्गी बस्तियां हैं, जहां ग्रामीण क्षेत्रों से गरीबी और शोषण के कारण लोग आकर बसते हैं। जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न आपदाएं भी लोगों को शहर की इन बस्तियों में रहने को मजबूर करती हैं, जहां वे रिक्शा चलाने, घरेलू कामकाज और सफाई कार्य जैसे दिहाड़ी कार्यों से गुजारा करते हैं।

जर्मनी बोला- रूस जंग खत्म करने को तैयार नहीं

देश का रक्षा बजट बढ़ाने का ऐलान ; 2029 तक नाटो पर हमला कर सकते हैं पुतिन

बर्लिन, एजेंसी। जर्मनी ने रूस पर आरोप लगाया है कि वह यूक्रेन जंग खत्म करने के लिए किसी तरह का समझौता करने को तैयार नहीं दिख रहा है। बुधवार को जर्मनी के रक्षा मंत्री बोरिस पिस्टोरियस ने संसद में कहा कि रूस ने यूक्रेन के लिए तैयार की गई नई शांति योजना पर कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं दी है। उन्होंने कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बयानों में शांति की कोई इच्छा नहीं दिखती। बोरिस ने कहा, पुतिन की प्रतिक्रिया से साफ है कि वह किसी तरह का समझौता नहीं करना चाहते। बोरिस ने बताया कि इसी वजह से जर्मनी अपने रक्षा बजट में बढ़ोतरी करेगा। साथ ही यूक्रेन को सैन्य मदद भी बढ़ाएगा।

2029 तक नाटो पर हमला कर सकता है रूस : जर्मनी के विदेश मंत्री योहान वेडफुल ने मंगलवार चेतावनी दी है कि रूस अगले चार साल में किसी इलाइड देश पर हमला कर सकता है। उन्होंने यह बात बर्लिन फॉरेन पॉलिसी फोरम में कही। वेडफुल ने बताया कि जर्मन खुफिया एजेंसियों के मुताबिक रूस 2029 तक नाटो के खिलाफ युद्ध की तैयारी कर रहा है। उनका कहना है कि रूस की महत्वाकांक्षा सिर्फ यूक्रेन तक सीमित नहीं है। उसने पिछले कुछ सालों में अपनी सैन्य ताकत और हथियार उत्पादन काफी बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि रूस ने अपनी अर्थव्यवस्था और समाज को काफी हद तक युद्ध के हिसाब से ढाल दिया है। साथ ही, रूस जरूरत से ज्यादा सैनिकों की भर्ती कर रहा है। लगभग हर महीने एक नई डिविजन तैयार की जा रही है।

नाटो चीफ बोले- रूस शांति समझौते के बाद भी खतरा : नाटो महासचिव मार्क रुटे ने कहा है कि यूक्रेन युद्ध में अगर शांति समझौता भी हो जाए, तब भी रूस यूरोप के लिए लंबे समय तक खतरा बना रहेगा। उन्होंने यह बयान ब्रसेल्स में स्पेनिश अखबार एल पाइस को दिए इंटरव्यू में दिया।

रुटे ने यह भी कहा कि यूरोप का कोई भी देश यह न सोचे कि वह सुरक्षित है। उन्होंने कहा कि रूसी मिसाइलें कुछ ही मिनटों में किसी भी यूरोपीय शहर तक पहुंच सकती हैं। रुटे ने यूक्रेन मुद्दे पर ट्रम्प की कूटनीतिक कोशिशों की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि नया शांति प्रस्ताव आगे बातचीत की अच्छी शुरुआत है। उन्होंने कहा कि ट्रम्प ने नाटो देशों पर रक्षा खर्च बढ़ाने के लिए जो दबाव बनाया, वह बिल्कुल जरूरी था। उन्होंने नाटो के सदस्य देश स्पेन को आने वाले समय में अपना रक्षा बजट को बढ़ाने की भी सलाह दी।

दक्षिण कोरिया ने नूरी रॉकेट से सबसे बड़ा सैटेलाइट किया लॉन्च, स्पेस मिशन में मिली बड़ी कामयाबी

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया ने अपने महत्वाकांक्षी अंतरिक्ष कार्यक्रम के तहत गुरुवार तड़के अपना अब तक का सबसे बड़ा सैटेलाइट नूरी रॉकेट से लॉन्च किया। यह प्रक्षेपण देश के लिए बेहद अहम माना जा रहा है क्योंकि 2027 तक छह मिशन पूरे करने की राष्ट्रीय योजना में यह चौथा लॉन्च है। इस मिशन ने दक्षिण कोरिया की अंतरिक्ष तकनीक में बढ़ती क्षमता को एक बार फिर उजागर किया है। तीन चरणों वाला नूरी रॉकेट दक्षिण-पश्चिमी तट पर स्थित गोहुंग के अंतरिक्ष केंद्र से सुबह उड़ान भरा। एयरोस्पेस अधिकारियों के अनुसार, रॉकेट का उद्देश्य 516 किलोग्राम वजनी विज्ञान सैटेलाइट समेत 12 माइक्रो-सैटेलाइट्स को कक्षा में स्थापित करना है। लॉन्च के बाद अधिकारी लगातार निगरानी कर रहे हैं कि सभी सैटेलाइट्स सही ऊंचाई पर पहुंचते हैं या नहीं।

मुख्य सैटेलाइट की विशेषताएं : इस मिशन में भेजा गया मुख्य सैटेलाइट पृथ्वी से 600 किलोमीटर ऊपर की कक्षा में घूमने के लिए डिजाइन किया गया है। इसमें एक वाइड-रेंज एयरग्लो कैमरा लगाया गया है, जो ऑरोरा जैसी गतिविधियों का अध्ययन करेगा। इसके अलावा इसमें प्लाज्मा और चुंबकीय क्षेत्रों की जांच करने वाली अलग-अलग प्रणालियां भी शामिल हैं। सैटेलाइट पर जीवन-विज्ञान से जुड़े प्रयोगों को अंतरिक्ष में परखने का एक विशेष सिस्टम भी लगाया गया है।

12 छोटे 'क्यूब' सैटेलाइट्स भी भेजे गए : इस मिशन की एक और खास बात यह रही कि विश्वविद्यालयों और शोध संस्थानों द्वारा तैयार 12 छोटे क्यूब सैटेलाइट्स भी रॉकेट में शामिल थे। इनमें लगाई गई तकनीकों में जीपीएस आधारित पृथ्वी के वायुमंडल का अध्ययन, समुद्री प्लास्टिक पर नजर रखने के लिए इन्फ्रारेड कैमरे, सौर सेल परीक्षण सिस्टम और कम्युनिकेशन इक्विपमेंट की परख करने वाली इकाइयां शामिल हैं।

पिछले लॉन्च की तुलना में बड़ा कदम : यह प्रक्षेपण नूरी रॉकेट का मई 2023 के बाद पहला लॉन्च है। इससे पहले 2023 में नूरी रॉकेट ने 180 किलोग्राम वजनी अवलोकन सैटेलाइट को सफलतापूर्वक कक्षा में पहुंचाया था। नूरी का पहला लॉन्च अक्टूबर 2021 में किया गया था, जो डमी सैटेलाइट को कक्षा में स्थापित करने में असफल रहा था। इसलिए इस चौथे प्रयास को दक्षिण कोरिया की अंतरिक्ष तकनीक में स्थिरता और सुधार का महत्वपूर्ण संकेत माना जा रहा है। इस मिशन की सफलता से दक्षिण कोरिया की अंतरिक्ष महत्वाकांक्षा को नई ऊर्जा मिली है। नूरी कार्यक्रम के तहत किए जाने वाले अगले दो मिशन 2027 तक पूरे किए जाएंगे, जिनमें और उन्नत तकनीकों का इस्तेमाल किया जाएगा।

ट्रंप ने वार्षिक थैंक्सगिविंग में टर्की पक्षी को माफ किया, डेमोक्रेट नेताओं पर किए कटाक्ष

वाशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस के रोज गार्डन में थैंक्सगिविंग समारोह में टर्की पक्षी को औपचारिक माफी देकर व्हाइट हाउस की पारंपरिक रस्म में सद्भावना के बजाय डेमोक्रेट्स का अपमान किया। उन्होंने टर्की को अल साल्वाडोर की एक बदनाम जेल में भेजने का मजाक उड़ाया, जिसका इस्तेमाल अमेरिका से निकाले गए शरणार्थियों को रखने के लिए किया जाता है। वह बोले, पक्षियों का नाम डेमोक्रेटिक दिग्गज चक शूमर और नैंसी पेलोसी के नाम पर चक और नैंसी होना चाहिए। ट्रंप ने कहा, मैं उन्हें (डेमोक्रेट्स को) माफ नहीं करूंगा। ट्रंप ने दावा किया कि गत वर्ष राष्ट्रपति जो बाइडन की ओर से टर्की को दी गई माफी अमान्य थी क्योंकि उन्होंने ऑटोपेन का इस्तेमाल किया था। उन्होंने कहा, हंटर (बाइडन) कहां है? इसके साथ ही उन्होंने इशारा दिया कि पूर्व राष्ट्रपति के बेटे को एक बार फिर कानूनी मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। बाइडन ने अपने कार्यकाल के अंत में हंटर बाइडन को माफी देने के दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए थे। ट्रंप ने यह सब मजाक तब शुरू किया जब उन्होंने इलिनोइस के गवर्नर और डेमोक्रेट नेता जेबी प्रिट्जकर पर अपना ध्यान केंद्रित किया। वह शिकागो में नेशनल गार्ड तैनाती संबंधी व्हाइट हाउस की योजनाओं का विरोध कर रहे हैं।

मजाक: गोब्बल, तुम्हें बिना शर्त माफ किया जाता है : रोज गार्डन में बैठे श्रोता हंसी-ठिठोली भी करते देखे गए। आखिरकार ट्रंप ने टर्की गोब्बल और वैडल को माफ किया। ट्रंप ने कहा- गोब्बल, मैं तुम्हें बस यह बताना चाहता हूं कि तुम्हें बिना शर्त के माफ किया जाता है। उन्होंने पंखों पर हाथ फेरते हुए कहा, इस खूबसूरत पक्षी को कौन नुकसान पहुंचाना चाहेगा? वैडल को पहले व्हाइट हाउस के ब्रीफिंग रूम में देखा गया था। अमेरिका में हर थैंक्सगिविंग डे पर लोग करीब 4.6 करोड़ टर्की पक्षियों को अपना भोजन बना लेते हैं। यह पक्षी अमेरिकी जनता का नियमित भोजन है। हालांकि परंपरा के अनुसार अमेरिकी राष्ट्रपति थैंक्सगिविंग डे पर हर साल दो टर्की को क्षमादान देते हैं। ट्रंप ने भी इसी परंपरा का पालन किया। ट्रंप ने कहा कि उनके नेतृत्व में थैंक्सगिविंग खाने की कीमतें कम हो रही हैं। बता दें, वाशिंगटन में, ट्रंप को अगले साल होने वाले मध्यावधि चुनावों से पूर्व रिपब्लिकन गठबंधन के टूटने की आशंका का सामना करना पड़ रहा है।

व्हाइट हाउस प्रेस सेक्रेटरी की रिश्तेदार हिरासत में, ब्राजील डिपोर्ट किया जा सकता है

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की इमिग्रेशन एजेंसी आईसीई ने व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलीन लेविट के भतीजे की मां, ब्रूना कैरोलाइन फरेरा को गिरफ्तार किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्हें जल्द ही ब्राजील वापस भेजा जा सकता है।

यह मामला तब सामने आया जब आईसीई अधिकारियों ने उन्हें मैसाचुसेट्स से पकड़कर लुइसियाना की एक डिटेंशन सेंटर में भेज दिया। अमेरिकी डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी का कहना है कि ब्रूना एक टूरिस्ट वीजा पर अमेरिका आई थीं, लेकिन उनका वीजा 1999 में खत्म हो गया था। उनका आरोप है कि ब्रूना ने वीजा की टाइम लिमिट पार कर दी और उन पर हमले के शक में कार्रवाई की गई है।

ब्रूना के वकील टॉड पोमरलीउ इन बातों से पूरी तरह सहमत नहीं हैं। उनका कहना है कि ब्रूना पर कोई आपराधिक मामला नहीं है। वे डीएसीए नाम के उस सरकारी प्रोग्राम के तहत कानूनी तौर पर अमेरिका में रह रही थीं, जो बच्चों के तौर पर आए लोगों को सुरक्षा देता है। वकील का यह भी कहना है कि ब्रूना ग्रीन कार्ड लेने की प्रोसेस में थीं और उन्हें अचानक गिरफ्तार कर लेने से उनका छोटा बच्चा भी उनसे अलग हो गया। ब्रूना के 11 साल के बेटे की परवरिश उसके पिता माइकल लेविट कर रहे हैं, जो कैरोलीन लेविट के भाई हैं। माइकल ने कहा कि उनकी सबसे बड़ी चिंता उनके बेटे की सुरक्षा और उसकी प्राइवेसी है। ट्रम्प प्रशासन ने इस साल से इमिग्रेशन कानूनों को बेहद सख्ती से लागू करना शुरू किया है। सरकार का कहना है कि जो भी लोग अमेरिका में बिना इजाजत के रह रहे हैं, उन्हें देश से निकाला जा सकता है।

1998 में आई थीं अमेरिका, अब हटाए जाने की कार्यवाही जारी : ब्रूना फरेइरा को 1998 में बचपन में ही अमेरिका लाया गया था। डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी के प्रवक्ता के मुताबिक, उन्होंने

1999 में अपने टूरिस्ट वीजा अवधि से ज्यादा ठहराव किया था और उन पर हमला करने का भी एक मामला दर्ज हुआ था। डीएचएस का कहना है कि इन्हीं आधारों पर वर्तमान में उन्हें निष्कासन की प्रक्रिया में रखा गया है।

बता दें कि डीएसीए यानी 'बचपन में आगमन के लिए विलंबित कार्रवाई' एक अमेरिकी आव्रजन नीति है जो 15 जून, 2012 तक कम से कम पांच साल के लिए बचपन में अमेरिका लाए गए कुछ अपात्र अप्रवासियों को निर्वासन से अस्थायी सुरक्षा और काम करने की अनुमति देती है। यह कार्यक्रम दो साल के लिए वैध होता है और इसे रिन्यू किया जा सकता है।

वकील का दावा: ट्रंप प्रशासन की वजह से डीएसीए नवीनीकरण में बाधा उनके वकील पोमेरलो का कहना है कि फरेइरा पहले डीएसीए लाभार्थी थीं, लेकिन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा कार्यक्रम समाप्त करने की कोशिश के कारण उनका नवीनीकरण रुक गया। वकील के अनुसार, फरेइरा फिलहाल अपने लिए अमेरिकी नागरिकता प्राप्त करने की वैध प्रक्रिया में थीं।

पारिवारिक पृष्ठभूमिः लेविट परिवार से पुराना संबंध : सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, फरेइरा ट्रंप की प्रेस सेक्रेटरी करोलिन लेविट के भाई माइकल लेविट की पूर्व मंगेतर हैं। दोनों का एक 11 वर्षीय बेटा है, जो वर्तमान में अपने पिता के साथ न्यू हैम्पशायर में रहता है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि करोलिन लेविट और फरेइरा कई वर्षों से आपस में संपर्क में नहीं हैं। फरेइरा को उस समय हिरासत में लिया गया जब वह अपने बेटे को लेने न्यू हैम्पशायर जा रही थीं। माइकल लेविट ने सीएनएन की सहयोगी संस्था डब्ल्यूएमयूआरसे कहा कि उनके बेटे ने मां से गिरफ्तारी के बाद बात नहीं की है और यह स्थिति बहुत कठिन है। उन्होंने कहा कि उनका प्राथमिक ध्यान उनके बच्चे की भलाई पर है।

डीएसीए सुरक्षा पर सरकार का रुख : हाल ही में होमलैंड सिक्योरिटी की सहायक सचिव ट्रिशा मैकलॉफलिन ने दोहराया कि डीएसीए लाभार्थियों को निर्वासन से पूर्ण सुरक्षा प्राप्त नहीं है। उन्होंने कहा कि डीएसीए स्थायी कानूनी स्थिति नहीं देती बल्कि यह सिर्फ अस्थायी राहत है और इस दौरान भी प्रवर्तन की कार्रवाई संभव है।

अखिलेश यादव ने एसआईआर अभियान को देशवासियों के खिलाफ एक बहुत बड़ी साजिश बताया

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान पर कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने एसआईआर अभियान को देशवासियों के खिलाफ एक बहुत बड़ी साजिश बताया, जो उनके अनुसार, अंग्रेजों की गुलामी से भी खराब स्थिति में ले जाएगी। उन्होंने एसआईआर प्रक्रिया को लोकतंत्र के साथ धोखाधड़ी करार देकर जनता से जागरूक होने की अपील की। उन्होंने चेतावनी दी कि आज वोट काटा जा रहा है, कल को खेत-ज़मीन-मकान-राशन-जाति-आरक्षण से नाम काटा जाएगा, और फिर बात खातों और मध्यम वर्ग के लॉकर तक पहुंच जाएगी। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा, भाजपा के संगी-साथी और भाजपा सरकार की तिकड़ी व निर्वाचन आयोग के कुछ भ्रष्ट लोग मिलकर पूरी चुनावी व्यवस्था का अपहरण कर रहे हैं। उन्होंने देशवासियों से सारे काम छोड़कर एसआईआर की धांधलेबाजी को रोकने और वोट के रूप में अपनी पहचान को बचाने की अपील की। अखिलेश ने सभी विपक्षी दलों के साथ-साथ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सभी सहयोगी दलों से भी एकजुट होने और भाजपा के इस महा-षड्यंत्र का पर्दाफाश करने का आह्वान किया। उन्होंने राजग सहयोगियों को आगाह किया कि जो दल भाजपा को अपना सहयोगी मान रहे हैं, सबसे पहले भाजपा उन्हीं का खात्मा करेगी।

चित्तौड़गढ़ के गोल्डमैन खटीक को रोहित गोदारा गैंग से प्रोटेक्शन मनी की धमकी

चित्तौड़गढ़ (एजेंसी)। राजस्थान के चित्तौड़गढ़ के कन्हैयालाल खटीक (जिन्हें गोल्डमैन और बप्पी लाहिरी के नाम से जाना जाता है) को रोहित गोदारा गैंग के नाम पर 5 करोड़ की प्रोटेक्शन मनी की धमकी मिली है। बता दें कि पीड़ित कन्हैयालाल खटीक की उम्र 50 वर्ष है, और वे एक फल कारोबारी हैं। वह करीब साढ़े तीन किलो सोना पहनकर घूमते हैं, जिसकी कीमत लगभग 50 लाख रुपये है। वह अखिल भारतीय खटीक समाज के राजस्थान में कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष भी हैं। उन्हें दो दिन पहले एक मिस्ड कॉल, फिर वॉट्सएप कॉल और एक ऑडियो रिकॉर्डिंग मिली, जिसमें 5 करोड़ रुपये की मांग की गई है। धमकी में कहा गया है कि रकम न देने पर वह सोना पहनने लायक नहीं रह जाएंगे। बता दें कि रोहित गोदारा, बीकानेर के लूणकरणसर का निवासी है, माना जाता है कि वह कनाडा में रहकर गैंग चलाता है। उस पर पहले भी फिरौती वसूली के आरोप लगे हैं और उसका नाम सिद्धू मूसेवाला की हत्या में भी आया था। उसके खिलाफ इंटरपोल रेड नोटिस जारी है। कन्हैयालाल खटीक ने कोतवाली पुलिस थाने में केस दर्ज कराया है।

कपिल शर्मा के 'कैप्स कैफे' पर फायरिंग का साजिशकर्ता दिल्ली से गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने कनाडा में कॉमेडियन कपिल शर्मा के 'कैप्स कैफे' पर फायरिंग कराने के मुख्य साजिशकर्ता को दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया है। इस गैंगस्टर की पहचान बंधु मान सिंह सेखों के रूप में हुई है, जो गोल्डी ढिल्लों गैंग का भारत-कनाडा बेस्ड हैंडलर बताया जा रहा है और उसके खिलाफ कई क्रिमिनल केस दर्ज हैं। क्राइम ब्रांच ने उसके कब्जे से हाई-एंड पीएक्स-3 पिस्टल 8 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस साल जुलाई में खुले कनाडा के सरे इलाके में कपिल शर्मा के 'कैप्स कैफे' को सबसे पहले 10 जुलाई को अज्ञात लोगों ने निशाना बनाया था। उसके बाद 7 अगस्त और 16 अक्टूबर को कैफे पर दो और हमले हुए। कपिल शर्मा ने मुंबई में कहा था कि कनाडा में उनके कैफे पर फायरिंग की तीन घटनाओं ने अधिकारियों को देश में ऐसे हमलों के खिलाफ कार्रवाई करने पर मजबूर कर दिया है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि वहां के नियम और पुलिस के पास शायद ऐसी घटनाओं को कंट्रोल करने की शक्ति नहीं है, लेकिन जब हमारा मामला हुआ, तो यह संघीय सरकार के पास गया और कनाडा की संसद में इस पर चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि भगवान जो भी करते हैं, हमें उसके पीछे की कहानी पता नहीं चलती...मुझे वहां से बहुत से लोगों के कॉल आए जिन्होंने मुझे बताया कि बहुत कुछ हो रहा था। शर्मा ने कहा कि मैंने मुंबई या हमारे देश में कहीं भी कभी असुरक्षित महसूस नहीं किया। मुंबई जैसा कोई दूसरा शहर नहीं है।

आतंकवाद से जुड़े हवाला रैकेट का पर्दाफाश, मुंबई कस्टम्स का दो दशकों में सबसे बड़ी कार्रवाई

मुंबई (एजेंसी)। सीमा शुल्क विभाग (कस्टम्स) ने एक बिना अनुमति वाले हवाला रैकेट के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। कंपनी मेसर्स एच.एम.फॉरेक्स प्राइवेट लिमिटेड से कुल 7 लाख रुपये की विदेशी करेंसी और 2 करोड़ रुपये के भारतीय करेंसी नोट जब्त किए गए हैं। यह पूरी रकम हसन मोहम्मद करोडिया उर्फ ?हसन गोगा से जब्त की गई है। मिली जानकारी के अनुसार गुप्तचर विभाग को गुप्त जानकारी मिली थी कि हसन गोगा नाम के हवाला कारोबारी के पास विदेश से बड़ी मात्रा में विदेशी करेंसी की स्मगलिंग की जा रही है। जिसके बाद कस्टम्स विभाग ने जाल बिछाया और गोगा के ऑफिस पर छापा मारा। इस छापे में गोगा के पास से बड़ी मात्रा में भारतीय करेंसी नोट मिले और पता चला है कि वे संदिग्ध हैं। इसलिए, शुरुआती जांच में गोगा के आतंकवादी संगठनों से लिंक होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। देश की आर्थिक सुरक्षा के नजरिए से इस मामले में अभी पूरी जांच चल रही है। जांच में पता चला है कि गोगा विदेश से आने वाले यात्रियों के ज़रिए भारत में विदेशी करेंसी लाता था। वह इस काम के लिए बड़ी संख्या में छात्रों का इस्तेमाल करता था। भारत आने के बाद वह उस फॉरेन करेंसी को इंडियन करेंसी के बदले खरीद लेता था। इसी तरह वह रेगुलर तौर पर विदेश जाने वाले यात्रियों के ज़रिए फॉरेन करेंसी को भारत से बाहर भेजता था। इस पूरे एक्सचेंज में दुबई और दूसरे गल्फ देशों से आने-जाने वाले लोगों का खास तौर पर इस्तेमाल होता था। इसलिए, जांच अधिकारियों को अहम सुराग मिले हैं कि यह नेटवर्क सीधे तौर पर अंतरराष्ट्रीय हवाला और स्मगलिंग रैकेट से जुड़ा हुआ है। हसन गोगा को 26 नवंबर को कस्टम्स एक्ट के सेक्शन 1962 और फेमा (फॉरेन एक्सचेंज मैनेजमेंट एक्ट) के उल्लंघन के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

हाईकमान के आदेश के इंतजार में सिद्धारमैया-शिवकुमार, उधर जातीय संगठनों ने दिया अल्टीमेटम

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में सत्ता के ढाई साल पूरे होने पर मुख्यमंत्री पद को लेकर कांग्रेस के भीतर चल रहा अंतर्निहित संकट अब खुलकर सड़क पर आ गया है। सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार के समर्थक जातीय संगठन एक-दूसरे के खिलाफ मोर्चा खोल चुके हैं और दोनों पक्ष पार्टी हाईकमान को खुली चेतावनी दे रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक संसद के शीतकालीन सत्र (1 दिसंबर से) शुरू होने से पहले इस विवाद को सुलझाने की कोशिश तेज हो गई है। माना जा रहा है कि मई 2023 में हुई कथित «सीक्रेट डील» (ढाई-ढाई साल का फॉर्मूला) ही मौजूदा तनाव की जड़ है।कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे पहले ही दोनों नेताओं को दिल्ली बुलाकर बैठक करने के संकेत दे चुके हैं। सिद्धारमैया ने कहा, अगर बुलावा आएगा तो जरूर जाऊंगा। वहीं डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार का कहना था, सीएम और मैं मिलकर चर्चा करेंगे, फिर जाएंगे। पहले 28-29 नवंबर को दिल्ली में बैठक की चर्चा थी, लेकिन आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

दूसरी तरफ वोक्कालिगा समुदाय के संगठन भी पीछे नहीं हैं। वोक्कालिगा संघ ने पार्टी से अपील की है कि डीके शिवकुमार को तुरंत मुख्यमंत्री बनाया जाए। संघ के अध्यक्ष श्रीनिवास ने कहा, 'शिवकुमार दिन-रात बिना थके पार्टी के लिए काम कर रहे हैं, वे इसके हकदार हैं। अगर उन्हें मौका नहीं मिला तो संतों के मार्गदर्शन में पूरे समुदाय के साथ बड़ा आंदोलन करेंगे।' पूर्व अध्यक्ष बी केंचप्पागौड़ा ने और सख्त लहजे में कहा, 'अगर शिवकुमार को अनुचित तरीके से दरकिनार किया गया तो अगले चुनाव में कांग्रेस को समुदाय सबक सिखाएगा।' कर्नाटक स्टेट फेडरेशन ऑफ बैकवर्ड क्लास कम्युनिटीज (केएसएफबीसीसी) ने साफ चेतावनी दी है कि अगर सिद्धारमैया को हटाने की कोशिश हुई तो इसका खामियाजा कांग्रेस को भुगतना पड़ेगा। अध्यक्ष केएम रामचंद्रप्पा ने कहा, 'जो लोग जाति जनगणना के खिलाफ हैं, वही सीएम को हटाने पर तुले हैं। अहिंदा (अल्पसंख्यक-ओबीसी-दलित) समुदाय चुप नहीं बैठेगा। धमकियां नई नहीं हैं, आजादी के बाद से चल रही हैं, लेकिन हम डरने वाले नहीं हैं।'

गुरुवार को भी मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने अपना सरकारी कामकाज जारी रखा, लेकिन एक दिन पहले बुधवार को उन्होंने अपने विश्वस्त माने जाने वाले वरिष्ठ नेताओं-विधायकों से बंद कमरे में लंबी बैठक की। इसमें गृह मंत्री जी परमेश्वर, पीडब्ल्यूडी मंत्री सतीश जारकीहोली, राजस्व मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा (रिपोर्ट में नाम नहीं लेकिन आमतौर पर शामिल रहते हैं), एचसी महादेवप्पा, के वेंकटेश और पूर्व मंत्री केएन राजन्ना जैसे अहिंदा खेमे के दिग्गज शामिल थे। कुल मिलाकर कर्नाटक कांग्रेस ढाई साल के फॉर्मूले पर बुरी तरह उलझ गई है। दोनों तरफ के जातीय संगठन सड़क पर उतर आए हैं और हाईकमान पर दबाव बना रहे हैं। आने वाले दो-तीन दिन में दिल्ली से जो भी फैसला आएगा, वह न सिर्फ कर्नाटक बल्कि पूरे दक्षिण भारत की कांग्रेस राजनीति की दिशा तय करेगा।

संसद के शीतकालीन सत्र से पहले सर्वदलीय बैठक 30 नवबंर को

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने 30 नवंबर को संसद के शीतकालीन सत्र से पहले एक सर्वदलीय बैठक बुलाई है। केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल के अनुसार, बैठक का मुख्य उद्देश्य विपक्ष के नेता के साथ विधेयकों की सूची साझा करना और उनके सुझाव लेना है। विभिन्न विभागों के सचिवों के साथ लंबित विधेयकों की समीक्षा के बाद, सर्वदलीय बैठक में विपक्षी नेताओं के सुझावों के अनुसार शीतकालीन सत्र के लिए रणनीति बनाई जाएगी। संसद का शीतकालीन सत्र 1 दिसंबर से 19 दिसंबर तक चलेगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सरकार के इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। 19 दिनों की अवधि में कुल 15 बैठकें होनी हैं।

चंडीगढ़ संशोधन विधेयक पर स्पष्टीकरण

विधेयक-संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2025 के तहत चंडीगढ़ को अनुच्छेद 240 के तहत शामिल किए जाने की अटकलें हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि यह प्रस्ताव केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के लिए केंद्र सरकार की कानून बनाने की प्रक्रिया को सरल बनाने के उद्देश्य से अभी भी विचाराधीन है। मंत्रालय ने कहा कि इस प्रस्ताव का इरादा चंडीगढ़ के शासन या प्रशासनिक ढांचे में बदलाव करना या चंडीगढ़ और पंजाब या हरियाणा राज्यों के बीच पारंपरिक व्यवस्थाओं को संशोधित करना नहीं है। इस मामले पर कोई भी निर्णय सभी हितधारकों के साथ पर्याप्त परामर्श के बाद ही लिया जाएगा, ताकि चंडीगढ़ के हितों की पूरी तरह से रक्षा हो सके।

एसआईआर को लेकर चुनाव आयोग के ऑफिस पहुंचा टीएमसी का प्रतिनिधिमंडल

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया को लेकर सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और केंद्र सरकार/भाजपा के बीच एक बड़ा राजनीतिक टकराव पैदा हो गया है। तृणमूल कांग्रेस का एक 10 सांसदों का प्रतिनिधिमंडल, जिसका नेतृत्व राज्यसभा में संसदीय दल के नेता डेरेक ओ' ब्रायन ने किया, शुक्रवार को चुनाव आयोग के दफ्तर पहुंचा और एसआईआर प्रक्रिया पर अपनी आपत्ति दर्ज कराई। टीएमसी के प्रतिनिधिमंडल ने चुनाव आयोग को लिखित शिकायत सौंपी। उनका मुख्य आरोप है कि एसआईआर के नाम पर भाजपा और चुनाव आयोग मिलकर लाखों मतदाताओं के नाम काटने की साजिश रच रहे हैं। टीएमसी का दावा है कि यह साजिश खास तौर पर अल्पसंख्यक बहुल इलाकों और तृणमूल समर्थक क्षेत्रों में बड़ी संख्या में नाम हटाने पर केंद्रित है। अन्य विपक्षी दलों का भी कहना है कि सत्तारूढ़ दल भाजपा वोट काटने के मकसद से एसआईआर करा रही है ताकि मौजूदा राजनीतिक स्थिति को अपने पक्ष में किया जा सके।

वहीं केंद्र सरकार और चुनाव आयोग प्रक्रिया को मतदाता सूची को शुद्ध करने के लिए आवश्यक बता रहे हैं। केंद्र सरकार का कहना है कि एसआईआर प्रक्रिया का उद्देश्य फर्जी मतदाताओं को चिन्हित करके उन्हें मतदान के अधिकार से वंचित करना है। संविधान के अनुसार, केवल 18 वर्ष से अधिक उम्र के भारत के नागरिक को ही मतदान का अधिकार है। केंद्र सरकार का दावा है कि भारत में बड़ी संख्या में अन्य देशों के नागरिक (विशेष रूप से बांग्लादेशी) फर्जी दस्तावेज बनवाकर भारतीय नागरिक के रूप में रह रहे हैं और मतदान कर रहे हैं। उनका कहना है कि एसआईआर के तहत इसतरह के अवैध मतदाताओं को चिन्हित किया जा रहा है और उन्हें उनके देश भेजा जा चुका है।

निर्माणाधीन एक्सप्रेसवे पर 140 की स्पीड से गाड़ी दौड़ाकर गडकरी ने परखी गुणवत्ता

-यह देख लोग बोले- शानदार एक्सप्रेसवे, प्रोजेक्ट समय पर पूरा करने के दिए निर्देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने पूरे देश में एक्सप्रेसवे और हाईवे का नेटवर्क बिछा दिया है। कई जगह काम चल रहा है। गडकरी खुद इसकी मॉनिटरिंग कर रहे हैं और निर्माणाधीन एक्सप्रेसवे में जाकर गुणवत्ता की जांच कर रहे हैं। इतना ही नहीं एक्सप्रेसवे पर अपने वाहन को तेज दौड़ाकर भी इसकी गुणवत्ता परख रहे हैं, जिससे सफर के दौरान वहां से गुजरने वाले वाहन चालकों को परेशानी न हो। इस तरह एक एक्सप्रेस के निरीक्षण के दौरान उनकी गाड़ी 140 की स्पीड में दौड़ी और वह आगे बैठकर देखते रहे।

दिल्ली मुंबई एक्सप्रेसवे तैयार होने वाला है। यह कई पैकेज में बनाया जा रहा है, जैसे-जैसे पैकेज तैयार होते जा रहे हैं, उसे आम लोगों के लिए खोला जा रहा है। नितिन गडकरी इस ग्रीन फील्ड एक्सप्रेसवे बड़ोदरा मुंबई एक्सप्रेस्वे के पैकेज छह और सात के निरीक्षण के लिए गए। इस दौरान उनके साथ मंत्रालय और एनएचएआई के सभी अधिकारी मौजूद थे। गडकरी ने एक्सप्रेसवे का रिव्यू किया और अधिकारियों को निर्देश दिए कि गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों में किसी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसके साथ कुल प्रोजेक्ट को समय पूरा करने के भी निर्देश दिए, क्योंकि कई जगह काम धीमा चल रहा है।

रिव्यू करने के बाद वे अपनी गाड़ी में बैठे और गाड़ी 140 किमी की स्पीड में दौड़ाई। इतनी स्पीड इसलिए रखी, जिससे पता चल सके कि अगर लोग अपना वाहन इस स्पीड से दौड़ाएंगे तो उनकी गाड़ी में झटके तो नहीं लगेंगे। वे सुविधाजनक और सुरक्षित सफर कर सकें। यह देखकर लोगों ने कहा कि बहुत ही शानदार एक्सप्रेसवे बन रहा है। वडोदरा-मुंबई ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे कुल 380 किमी लंबा है, जिसमें से पैकेज-6 और 7 महाराष्ट्र के पालघर-ठाणे इलाके में आते हैं।

भारतीय रेलवे द्वारा तैयार की गई सेमी हाई स्पीड ट्रेन वंदेभारत एक्सप्रेस 180 किमी प्रति घंटे की स्पीड के हिसाब से डिजाइन की गई है, लेकिन 160 की स्पीड में दौड़ सकती है। मौजूदा समय दिल्ली से भोपाल वाली ट्रेन आगरा तक ही 160 की स्पीड में दौड़ती है, अन्य सभी ट्रेनें 100 से 130 किमी की स्पीड से दौड़ती हैं, इसलिए नितिन गडकरी की गाड़ी वंदेभारत की स्पीड से दौड़ी।

एनएचएआई दिल्ली मुंबई एक्सप्रेसवे का निर्माण कर रहा है, जिसकी लंबाई 1250 किमी है। नौ फेज में बन रहे एक्सप्रेसवे का 80 फीसदी से ज्यादा काम पूरा हो चुका है। छठवां और सातवां पैकेज इसी एक्सप्रेस का हिस्सा है। इससे दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र के तमाम शहरों के लोगों का आवागमन आसान होने जा रहा है। कुछ पैकेज पहले ही खोले जा चुके हैं और ट्रैफिक चल रहा है।

अजित पवार ने मुंबई की मतदाता सूची पर सवाल उठाए... लाखों डुप्लीकेट मतदाता

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने मुंबई की मतदाता सूची पर सवाल उठा दिए हैं। उन्होंने कहा है कि लिस्ट में लाखों डुप्लीकेट मतदाता होने की बात कही है। अजित पवार का बयान तब आया है, जब देश भर में एसआईआर यानी विशेष मतदाता पुनरीक्षण का काम जोर पकड़ रहा है। साथ ही बीएमसी चुनाव की तैयारियां भी जारी हैं। राज्य के कई स्थानीय निकायों के चुनाव दो दिसंबर को होने वाले हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और शिवसेना की रैली में पवार ने कहा, मुंबई में दोहरे, तिहरे और चौगुने मतदाताओं की संख्या करीब 11 लाख है। हाल ही में एक ट्रेंड देखा गया है, जहां अगर किसी के पक्ष में मतदान नहीं हो रहा है, तब कुछ मतदाताओं को अलग वार्डों में भेज दिया जाता है। मैंने निर्वाचन आयोग से सूची में हुई गलतियों को सुधारने का अनुरोध किया है। ऐसा सालों से हो रहा है। महाराष्ट्र में इस तरह की डबल, ट्रिपल वोटिंग बर्दाश्त नहीं की जाएगी। रहीमतपुर नगर परिषद चुनावों से पहले रैली में उन्होंने मेयर पद के लिए नंदन सुनील माने का समर्थन किया। उन्होंने कहा, चुनाव धमकियां देकर नहीं जीते जाते। मतदाताओं से बदतमीजी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। डॉक्टर बाबासाहब आंबेडकर ने हर जाति और धर्म, अमीर और गरीब के लिए वोट के समान अधिकार सुनिश्चित किए हैं। अगर कोई अधिकारी जानबूझकर या अनजाने में गलती कर रहा है, तब उसे तत्काल सुधारा जाना चाहिए। लोगों को फैसला करने दें कि वे किसे जीतते देखना चाहते हैं। पवार के 'वोट तुम्हारे हाथ में है, तब निधि हमारे हाथ में हैं' वाले बयान पर राकांपा (एसपी) चीफ शरद पवार ने सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि पैसों का वादा कर वोट मांगना गलत है। अजित पवार ने पिछले सप्ताह पुणे जिले की बारामती तहसील के मालेगांव में मतदाताओं से कहा कि यदि वे उनकी पार्टी के उम्मीदवारों को चुनते हैं, तब शहर के लिए पैसों की कमी नहीं होने दी जाएगी, लेकिन अगर मतदाताओं ने उन्हें नकार दिया गया, तब मैं भी नकार दूंगा।

दिल्ली बम धमाकों ने आतंकवाद से जुड़े कई मिथकों को तोड़ दिया : राम माधव

नई दिल्ली,(एजेंसी)। आरएसएस नेता राम माधव ने दिल्ली लाल किला ब्लास्ट से जुड़े एक आतंकी मॉड्यूल के बारे में बयान दिया है। संघ के नेता राम माधव ने अल फलाह यूनिवर्सिटी से सामने आए डॉक्टर मॉड्यूल और लाल किले के पास हुए आतंकी हमले के मुख्य आरोपी। जो कि एक डॉक्टर था। के बारे में कहा कि आतंकवाद से जुड़े कई मिथकों को तोड़ा है। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर अब तक यह माना जाता था कि आतंकवाद का शिक्षा से कोई लेना-देना नहीं है और यह गरीबी का परिणाम है। लेकिन लाल किला ब्लास्ट की घटना ने साबित कर दिया है कि आतंकवाद का शिक्षा या गरीबी से कोई लेना-देना नहीं है। यह एक धारणा (परसेप्शन), एक सोच (आइडियोलॉजी) का परिणाम है। उन्होंने उदाहरण देकर बताया कि ओसामा बिन लादेन इंजीनियर था और अल-जवाहिरी डॉक्टर था, फिर भी आतंकवादी थे। उन्होंने इस बात को खारिज किया कि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता। उन्होंने यह स्वीकार किया कि किसी एक धर्म को पूरी तरह से आतंकवाद से नहीं जोड़ा जा सकता। एक आतंकवादी का अपना धर्म होता है। लोग धार्मिक आधार पर आतंक की तरफ बढ़ रहे हैं। दिल्ली ब्लास्ट का मुख्य आतंकी अपने कृत्यों को सही ठहराने के लिए कुरआन की आयतों का हवाला दे रहा था। हमें अब यह मानना पड़ेगा कि आतंकवादियों की धार्मिक प्रेरणा होती है।

धुएं का अलर्ट: दिल्ली-अहमदाबाद फ्लाइट की कराना पड़ी इमरजेंसी लैंडिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली से अहमदाबाद जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट एआई 2939 गुरुवार को बड़ा हादसा होने से बाल-बाल बची। टेकऑफ के ठीक बाद कॉकपिट में कार्गो होल्ड से धुएं का इंडिकेशन मिला, जिससे क्रू ने तुरंत एहतियाती कदम उठाए। स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोटोकॉल का पालन करते हुए पायलटों ने फ्लाइट को दिल्ली वापस लौटाया और सुरक्षित लैंड कराया। एयर इंडिया के अधिकारी ने बताया कि अलर्ट के बाद क्रू ने कोई जोखिम नहीं लिया और विमान को रनवे पर उतार दिया। जांच में पता चला कि धुएं का इंडिकेशन गलत था, यानी कोई वास्तविक खतरा नहीं था।

एयर इंडिया ने एक्स पर अधिकारिक बयान जारी कर स्पष्ट किया, 27 नवंबर को फ्लाइट एआई 2939 के क्रू ने टेकऑफ के तुरंत बाद स्मोक इंडिकेटर दिखने पर दिल्ली लौटने का फैसला किया। पूरी जांच के बाद यह फॉल्स अलार्म पाया गया। विमान सुरक्षित उतरा और सभी पैसेंजर्स व क्रू को उतार लिया गया। ग्राउंड टीम ने यात्रियों को तुरंत सहायता दी और वैकल्पिक व्यवस्था कर उन्हें गंतव्य तक पहुंचाया। इस असुविधा के लिए खेद है। सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है।- इस घटना से यात्रियों में घबराहट हुई, लेकिन क्रू की सतर्कता से सब सुरक्षित रहे।

गुवाहाटी-हैदराबाद फ्लाइट रद्द

इसी दिन एयर इंडिया एक्सप्रेस की गुवाहाटी से हैदराबाद जाने वाली फ्लाइट आईएक्स 2884 'अनदेखे ऑपरेशनल कारणों' से रद्द हो गई। यह घटना तब सुर्खियों में आई जब भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद सिराज ने एयरलाइन पर देरी और कम्युनिकेशन की कमी का आरोप लगाया। फ्लाइट शाम 7:25 बजे उड़ान भरनी थी, लेकिन बिना सूचना के देरी हुई और अंततः कैंसिल कर दी गई। सिराज ने एक्स पर पोस्ट कर नाराजगी जताई, «एयर इंडिया की फ्लाइट आईएक्स 2884 को 7:25 बजे टेकऑफ करना था, लेकिन कोई कम्युनिकेशन नहीं। बार-बार फॉलो-अप के बाद भी सही वजह बताए बिना देरी की गई। यह बेहद फ्रस्ट्रेटिंग है। हर पैसेंजर को बेसिक अपडेट का हक है।

एयरलाइन की सफाई और माफी

एयर इंडिया एक्सप्रेस ने सिराज के पोस्ट का जवाब देते हुए खेद जताया, अनदेखे कारणों से फ्लाइट कैंसिल हुई। एयरपोर्ट टीम सभी मेहमानों को मदद कर रही है। हम स्थिति की गंभीरता समझते हैं और आपके धैर्य की सराहना करते हैं। अपडेट देते रहेंगे। कंपनी ने सभी प्रभावित यात्रियों को वैकल्पिक फ्लाइट्स या रिफंड की व्यवस्था का आश्वासन दिया। सिराज की शिकायत से एयरलाइन की कम्युनिकेशन प्रक्रिया पर सवाल उठे, जो पैसेंजर्स की असुविधा का मुख्य कारण बनी। ये दोनों घटनाएं एयर इंडिया ग्रुप की ऑपरेशनल चुनौतियों को उजागर करती हैं। धुएं का फॉल्स अलार्म सुरक्षा प्रोटोकॉल की मजबूती दिखाता है, जबकि फ्लाइट कैंसिलेशन कम्युनिकेशन गैप को। एयरलाइन ने दोनों मामलों में सुरक्षा और सहायता पर जोर दिया, लेकिन यात्रियों की शिकायतें सेवा सुधार की मांग करती हैं।

भारत में युवाओं की संख्या 65 फीसदी, देश विकसित बनाने का संकल्प लें: राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

लखनऊ (एजेंसी)। देश के राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार की शाम लखनऊ में हुए स्काउट एंड गाइड के जंबूरी कार्यक्रम के समापन समारोह में कहा कि देश की कुल आबादी के 65 फीसदी ऐसे युवा हैं जिनकी उम्र 35 साल से कम है। इन्हीं युवाओं को भारत को विकसित बनाना है, 2047 तक यह सपना पूरा करना है। उन्होंने कहा कि जंबूरी जैसे कार्यक्रम युवाओं को जोड़ते हैं देश में अखंडता की स्थिति बयां करते हैं। इन्हीं युवाओं का आत्मबल हमको विकास की राह पर ले जाएगा।

लखनऊ के अवध शिल्प ग्राम में 23 से 29 नवंबर 2025 तक भारत की सबसे बड़ी युवा सभा-राष्ट्रीय जंबूरी हुई। 61 साल बाद उत्तर प्रदेश को यह सम्मान मिला। देश-विदेश के लगभग 30 हजार स्काउट, गाइड, रेंजर और रोवर इस सात दिवसीय शिविर में शामिल हुए। समापन समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मुख्य अतिथि रहे। अपने सम्बोधन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बच्चों से कहा कि 35 साल से कम उम्र के युवा कुल आबादी के लगभग 65 प्रतिशत हैं। 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का सपना तभी पूरा होगा जब हमारा युवा वर्ग दृढ़ संकल्प के साथ आगे आएगा। उन्होंने खुशी जताई कि जंबूरी जैसे आयोजन न सिर्फ अनुशासन और राष्ट्रीय एकता सिखाते हैं, बल्कि आपदा के समय स्काउट-गाइड हमेशा सबसे आगे लोगों की मदद के लिए खड़े रहते हैं। राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि अब यह संगठन व्यक्तित्व विकास, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में भी बहुत अच्छा काम कर रहा है। वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जंबूरी को 'भारतीय युवा ऊर्जा का महोत्सव' बताया। उन्होंने कहा कि 61 वर्ष बाद उत्तर प्रदेश को यह आयोजन मिला है। इतने बड़े स्तर पर युवाओं का एकत्रित होना महाकुंभ की याद दिलाता है। यहां दुनिया के कोने-कोने से आए बच्चे विश्व बंधुत्व का संदेश लेकर जाएंगे। सीएम ने स्काउट-गाइड के अनुशासन की तारीफ की और कहा कि ऐसे आयोजन उत्तर प्रदेश को नई पहचान दे रहे हैं। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने युवाओं को संदेश दिया कि युवा शक्ति ही राष्ट्र शक्ति है। तुम्हारी सकारात्मक सोच और ऊर्जा इस देश की सबसे बड़ी पूंजी है। यही ताकत भारत को विश्व गुरु बनाएगी। उन्होंने कहा कि स्काउट-गाइड केवल कौशल नहीं सिखाते, बल्कि मानवता, कर्तव्य और मूल्यों का मजबूत कवच भी देते हैं। स्वच्छ, स्वावलंबी और विकसित भारत की कल्पना इन्हीं मूल्यों से साकार होगी।